खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 28 जून, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-177

हिंदुओं की आस्था रौंद कर मुसलमानों को खुश कर रही ममता!

जगन्नाथ यात्रा पर हिंदुओं को मिल रहा 'हलाल' प्रसाद

पश्चिम बंगाल अजीबोगरीब किंतु घृणित राजनीतिक प्रयोग की जमीन बन गया है। तृणमूल कांग्रेस के मुस्लिम तुष्टिकरण के ओछे स्तर पर उतरने को लेकर पूरे देश में सवाल उठ रहे हैं कि क्या कोई राजनीतिक दल वोट के लिए ऐसे नापाक हथकंडे भी आजमा सकता है। हिंदुओं की आस्था को रौंद कर मुसलमानों को खुश करने की ममता बनर्जी की कोशिशें क्या विधानसभा चुनाव में मुसलमानों का वोट पाने के लिए उचित रणनीति है। जगन्नाथ यात्रा के समय हिंदुओं के बीच मुसलमानों के हाथ का बना प्रसाद बांटा जाना पूरे प्रदेश में गंभीर आक्रोश का कारण बनता जा रहा है।

पश्चिम बंगाल में टीएमसी ने दीघा में बने जगन्नाथ मंदिर के प्रसाद निर्माण का ठेका मुसलमानों को देकर ऐन जगन्नाथ यात्रा के समय विवाद खड़ा कर दिया है। भाजपा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सत्त-ाधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर 2026 की शुरुआत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से पहले मुस्लिम समुदाय का ध्रुवीकरण करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। भाजपा का कहना है कि ममता बनर्जी रथ यात्रा उत्सव का भी राजनीतिकरण कर रही हैं। भाजपा ने ममता सरकार द्वारा हिंदुओं के बीच मुसलमानों का बना हलाल-प्रसाद बांटने और राज्य सरकार के पैसे और मशीनरी का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। टीएमसी सरकार ने राज्य भर में 10.4 मिलियन से अधिक घरों में दीघा जगन्नाथ धाम से मुसलमानों के हाथ का बना प्रसाद घर-घर बंटवाना शुरू किया है। प्रसाद विवाद ने विधानसभा चुनावों से पहले बंगाल की राजनीति में बढ़ते मुस्लिम ध्रुवीकरण को स्पष्ट रूप से गहरा किया है। पिछले दिनों टीएमसी ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पहल पर दीघा स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर का दिव्य महाप्रसाद अब पूरे बंगाल में ▶10 पर

बंगाल में जहां हलाल कबाब वहीं भगवान का प्रसाद..! आस्था से ऐसा मजाक ?

वोट के लिए ऐसे नापाक हथकंडे भी आजमा सकती हैं कोई पार्टी!

जो सिंदूर बेच रहे हैं वो पहले चाय बेचते थे

तृणमूल कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण के सारे हथकंडे इस्तेमाल कर रही है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में हिंदुओं को चुन-चुन कर मारे जाने के बाद देश में फैसले आक्रोश के बीच भी टीएमसी के नेता अपनी प्रतिकूल टिप्पणियों से बाज नहीं आ रहे थे। यहां तक कि पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी टीएमसी नेता अपनी बेजा बयानबाजी जारी कर रहे थे। टीएमसी के ही एक नेता ने कहा, क्या आप समझते हैं कि बिना ममता बनर्जी के इशारे पर कोई नेता कोई बयान दे सकता है? स्पष्ट है कि जिस समय ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पूरे देश में सर्वदलीय एकता प्रदर्शित की जा रही थी ऐसे नाजुक समय में भी ममता बनर्जी के इशारे पर टीएमसी के नेता ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ बयान दे रहे थे। ▶10 पर

एससीओ समिट के बीच मिले रूस और भारत के रक्षा मंत्री

भारत को जल्द मिलेगा एस-400 सुरक्षा सिस्टम

किंगदाओ (चीन), 27 जून (एजेंसियां)। चीन के किंगदाओ में हो रहे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने रूसी समकक्ष आंद्रेई बेलोसोव से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने एस-400 सिस्टम की डिलीवरी, एसयू-30 एमकेआई के अपग्रेड और समय-सीमा में सैन्य हार्डवेयर की खरीद को लेकर बात की। रूस ने इस रक्षा उपकरणों की शीघ्र आपूर्ति का आश्वासन दिया है।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों नेताओं ने वर्तमान भू-राजनीतिक स्थितियों, सीमा पार आतंकवाद और दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को कवर करते हुए कई विषयों पर चर्चा की। रूसी रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलोसोव ने भारत-रूस के दीर्घकालिक संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने पहलगाम हमले को भयावह और कायराना आतंकवादी कृत्य बताते हुए भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि एससीओ समिट को लेकर तैयार हुए साझा घोषणा पत्र में चीन ने बड़ी मक्कारी से पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र नहीं किया था। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस गंभीर खामी पर दुनिया का ध्यान दिलाया और घो-षणा पत्र पर हस्ताक्षर करने से इन्कार कर दिया। ऐसे में उसी स्थान पर उसी समिट के दौरान रूस द्वारा पहलगाम हमले की फिर से निंदा करने का सार्थक संदेश पूरी दुनिया को मिला है। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साझा बयान पर हस्ताक्षर न करने के फैसले को सही बताया। उन्होंने कहा, एससीओ का मुख्य मकसद आतंकवाद से लड़ना है, लेकिन एक देश ने बयान में आतंकवाद का जिक्र करने से इन्कार कर दिया। ▶10 पर

भारत और ईरान के विदेश मंत्रियों की भी हुई भेंट

भारत के साथ बड़ी ट्रेड डील की ट्रंप ने की घोषणा

घट सकता है टैरिफ बढ़ सकता है व्यापार

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका की यह ट्रेड डील अगर सकारात्मक रूप लेती है तो 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार लगभग 41 लाख 75,000 करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा। इसकी वजह से भारत के लिए अमेरिकी कंपनियों में भी कई अवसर खुल सकते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वे भारत के साथ एक बहुत बड़ी ट्रेड डील करने जा रहे हैं। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आयोजित बिग ब्यूटीफुल बिल कार्यक्रम में भारत के लिए दरवाजे खोलने की बात कही। ट्रंप ने कहा कि हर कोई चाहता है कि वे ट्रेड डील करें और इसका हिस्सा बनें। हम हर देश के साथ डील नहीं करने जा रहे। ट्रंप ने कहा, हमारे पास कुछ बेहतरीन डील्स हैं और हम उसे भारत के साथ लेकर आ रहे हैं। हम भारत के साथ एक बहुत बड़ी डील की शुरुआत करने जा रहे हैं। भारत से

बातचीत के लिए भारतीय दल अमेरिका पहुंचा

वाणिज्य मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में ट्रेड डील पर बातचीत के लिए एक टीम अमेरिका पहुंची है। अमेरिकी टीम से भारतीय समूह दो दिन से बातचीत कर रहा है। भारत और अमेरिका वर्तमान में एक अंतरिम व्यापार समझौते पर काम कर रहे हैं। अमेरिका ने 2 अप्रैल 2025 को भारत से निर्यात होने वाले सामानों पर 26 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स लगाने का ऐलान किया था, लेकिन इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया गया। यह 90 दिन 9 जुलाई 2025 को समाप्त हो रहे हैं।भारतीय समूह अमेरिकी टीम के साथ बातचीत कर 9 जुलाई से पहले इस समझौते पर अपनी डील सुनिश्चित करना चाहता है। अगर यह ट्रेड डील नहीं होती है तो भारत से निर्यात होने वाले सामानों पर अतिरिक्त टैक्स लागू हो जाएगा। भारतीय समूह के साथ अगर अमेरिका की यह ट्रेड दिल सकारात्मक रूप लेती है तो भारत और अमेरिका के बीच 2030 तक व्यापार 500 अरब डॉलर यानी लगभग 41 लाख 75,000 करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा। इस समय यह 191 अरब डॉलर (15 लाख 94 हजार 961 करोड़ रुपए) है।

इसकी वजह से भारत के लिए अमेरिकी कंपनियों में भी कई अवसर खुल सकते हैं।

अमरनाथ यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी

जम्मू से सुरक्षा काफिले के साथ ही यात्रा करें

जम्मू, 27 जून (ब्यूरो)। अमरनाथ यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। पुलिस ने कहा है कि श्रद्धालु अकेले यात्रा करने से बचें और वे जम्मू से सुरक्षा काफिले के साथ ही यात्रा करें। श्रद्धालुओं से कहा गया है कि वे न अकेले कहीं घूमें और न ही जम्मू से अपने निजी वाहन से यात्रा के लिए निकलें।

पहले जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर अमरनाथ श्रद्धालुओं को अकेले यात्रा करने से नहीं रोका जाता था। पर अब खतरे को भांपते हुए ऐसा करने के लिए राजमार्ग पर रोडबंदी भी की जाएगी। रोडबंदी अर्थात अमरनाथ यात्रा के काफिलों के गुजरने के समय राजमार्ग पर अन्य वाहनों को चलने की अनुमति नहीं होगी। न ही अन्य लोग राजमार्ग पर पैदल भी चल पाएंगें। रोडबंदी की रणनीति पुलवामा हमले के उपरांत से ही अपनाई जा रही है जिसके तहत जब श्रद्धालुओं का ▶10 पर

ऐतिहासिक पत्रों से भरा 51 बक्सा कहां गायब है सोनिया जी!

अब सोनिया गांधी से कानून पूछेगा यह सवाल

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। क्या कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर चोरी का मुकदमा दर्ज होगा? नेहरू और एडविना माउंटबेटन एवं अरुणा आसफ अली के पत्रों को गायब करने के मामले में प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) सोसाइटी सोनिया गांधी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने जा रही है। यूपीए के शासनकाल में लाइब्रेरी से ऐतिहासिक दस्तावेजों से भरे 51 बक्से गायब कर दिए गए थे। इन्हें लौटाने का लगातार आग्रह किया जाता रहा, लेकिन सोनिया ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। इस विवाद की जड़ पंडित जवाहरलाल नेहरू के निजी संग्रह से जुड़े उन ऐतिहासिक दस्तावेजों में है, जिनमें कई मशहूर हस्तियों के साथ उनका पत्र-व्यवहार शामिल है। इनमें एडविना माउंटबेटन, अल्बर्ट आइंस्टीन, जयप्रकाश नारायण, विजय लक्ष्मी पंडित, बाबू जगजीवन राम और अरुणा आसफ अली जैसी हस्तियां शामिल हैं। ये बेशकीमती दस्तावेज वर्ष 2008 में यूपीए सरकार के दौरान हटाए गए थे। 23 जून 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अध्यक्षता में हुई पीएमएमएल सोसाइटी की बैठक में इस गंभीर मसले पर चर्चा हुई। बैठक में यह तय किया गया कि अब इस मामले को कानूनी रास्ते से सुलझाया जाना चाहिए।

सोनिया के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगा पीएमएमएल

पीएमएमएल ट्रस्ट इन दस्तावेजों की चोरी को लेकर कानूनी जांच कराने पर विचार कर रहा है। पीएमएमएल का कहना है कि ये दस्तावेज संस्थान को दान किए गए थे, इसलिए ये कानूनी रूप से संस्थान की सम्पत्ति हैं। आग्रह और अपील के बावजूद सोनिया गांधी इन दस्तावेजों को वापस नहीं कर रही हैं। ▶10 पर

आपातकाल पर एस जयशंकर ने गांधी परिवार को घेरा

लोग जेल में, देश डर में और परिवार सत्ता में!

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर गांधी परिवार और कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आपातकाल देश नहीं, बल्कि एक परिवार के हित में लगाया गया। उस दौर में लोकतंत्र कुचला गया, संविधान से छेड़छाड़ हुई, हजारों लोग जेल में डाले गए और गांधी परिवार सत्ता के मजे ले रहा था।

जयशंकर ने कहा कि कुछ लोग आज संविधान की किताब हाथ में लेकर घूमते हैं, लेकिन दिल में उसका सम्मान नहीं करते। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि जो लोग आज लोकतंत्र की दुहाई देते हैं, वो आज तक आपातकाल पर माफी नहीं मांग सके। जयशंकर ने बताया कि तब वह विदेश सेवा में नए थे, तब उनके सीनियर्स ने उन्हें बताया था कि दुनियाभर में भारत की मदर ऑफ डेमोक्रेसी वाली छवि को गहरा धक्का लगा था। भारत की बहुत आलोचना हुई थी और भारतीय राजनयिकों के लिए हालात बेहद ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 23^0

जिस मंदिर पर दो दिन पहले हुआ कट्टरपंथियों का हमला

उस मंदिर को कट्टरपंथी सरकार ने ध्वस्त कर दिया

ढाका, 27 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की सरकार ने एक हिंदू मंदिर को जमींदोज कर दिया है। राजधानी ढाका में इस मंदिर को तोड़ने की कोशिश इस्लामी कट्टरपंथी पहले से कर रहे थे। हिंदू इस तोड़फोड़ का विरोध न कर पाएं, इसके लिए बांग्लादेश की फौज लगा दी गई थी। भारत ने बांग्लादेश सरकार के इस कृत्य की कड़ी आलोचना की है। राजधानी ढाका में गिराया गया यह मंदिर मां दुर्गा को समर्पित था। इसे बांग्लादेश रेलवे के ढाका डिवीजन के डिप्टी कमिश्नर और डिविजनल एस्टेट ऑफिसर मोहम्मद नासिरुद्दीन महमूद के आदेश पर गिराया गया है। मंदिर गिराने की यह कार्रवाई गुरुवार 26 जून को की गई।

मंदिर गिराए जाने के समय बड़ी संख्या में हिंदू पुरुष और महिलाएं मौजूद थीं। मंदिर गिराने के लिए ढाका के पूर्वांचल आर्मी कैंप से सैन्यबल और पुलिसबल भी बुलाया गया था। यहां बुलडोजर भी साथ लाया गया था। विरोध करने वाले हिंदुओं को फौज ने हटा दिया और मंदिर को तोड़ दिया। ढाका के खि-लखेत सर्वजनीन दुर्गा मंदिर को गिराए जाने से पहले हिंदू समुदाय ने प्रशासन से रथ यात्रा निकालने की अनुमति देने और उसके बाद तोड़फोड़ को कुछ समय के लिए स्थगित करने का अनुरोध किया था। लेकिन प्रशासन ने इस अपील को भी अस्वीकार कर दिया। गुरुवार को मंदिर गिराए जाने की कार्रवाई में मंदिर की मूर्तियां, पूजा सामग्री और अन्य धार्मिक वस्तुएं भी नष्ट कर दी गईं। देवी काली और भगवान शिव की मूर्तियां बुलडोजर के नीचे आकर टुकड़े-टुकड़े हो गईं। यह मंदिर काफी प्राचीन काल से दुर्गा पूजा का केंद्र रहा है। मंदिर में देवी काली की मूर्ति भी थी, जिसकी नियमित पूजा की जाती थी। यह मंदिर अल्पसंख्यक हिंदुओं के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल था। इस घटना से दो दिन पहले 24 जून की रात को मुस्लिम भीड़ ने मंदिर पर हमला किया था। उन्होंने मंदिर को खाली करने के लिए 12 घंटे की धमकी दी थी। इस्लामी भीड़ ने मंदिर को तोड़ने की कोशिश की थी और ▶10 पर

भारत सरकार ने बांग्लादेश सरकार को लगाई फटकार

तेहरान को बातचीत की मेज पर लाने के लिए वाशिंगटन ने कूटनीतिक प्रयास तेज किए

वाशिंगटन, 27 जून (एजेंसियां)।

वाशिंगटन ने तेहरान को बातचीत की मेज पर लाने के लिए बेहद गोपनीय कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं। ईरान और इजराइल में सैन्य हमलों के बीच भी अमेरिका और मध्य पूर्व के प्रमुख खिलाड़ियों ने पर्दे के पीछे ईरानियों से बात की है।

ईरान और इजराइल के युद्धविराम समझौते के बाद ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने कई प्रस्ताव पेश किए हैं।

खबर के अनुसार, प्रारंभिक मसौदा प्रस्ताव संभवत: ईरान को पसंद आएगा। ईरान लगातार कहता रहा है कि यूरेनियम के शून्य संवर्धन की उसे जरूरत नहीं है। मसौदा में ऐसा करने पर तमाम तरह की राहत देने का वादा किया गया है। पिछले शुक्रवार को व्हाइट हाउस में अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और खाड़ी भागीदारों के बीच इस पर घंटों विचार-विमर्श हुआ।

प्रस्ताव के मसादे में कहा गया है कि नए ईरानी गैरसंवर्धन परमाणु कार्यक्रम में अनुमानित 20-30 बिलियन डालर का निवेश शामिल है। इसका उपयोग सिर्फ और सिर्फ नागरिक ऊर्जा उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। यही नहीं हाल के महीनों में परमाणु वार्ता के पिछले दौर में ईरान की परमाणु ऊर्जा सुविधाओं में निवेश पर चर्चा हो चुकी है। ट्रंप प्रशासन के एक अधिकारी का दावा है कि ईरान के साथ इन वार्ताओं का नेतृत्व करने के लिए अमेरिका तैयार है।

अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार ईरान पर लगे कुछ प्रतिबंधों को हटाया जाएगा। तेहरान को विदेशी बैंक खातों में जमा 6 बिलियन डॉलर तक पहुंच की अनुमति प्रदान की जाएगी। पिछले सप्ताह एक और विचार सामने आया कि खाड़ी में अमेरिका समर्थित सहयोगी फोर्डो परमाणु सुविधा को बदलने के लिए भुगतान करें।

अमेरिका ने कहा है कि ईरान के पास शांतिपूर्ण नागरिक उद्देश्यों के लिए बेशक परमाणु कार्यक्रम हो सकता है, लेकिन वह उस कार्यक्रम के लिए यूरेनियम को समृद्ध नहीं कर सकता। अमेरिका ने सुझाव दिया है कि ईरान समृद्ध यूरेनियम आयात कर सकता है। ट्रंप ने बुधवार को कहा कि अमेरिका और ईरान अगले सप्ताह बैठक करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल के प्रधानमंत्री ओली स्पेन और विदेशमंत्री आरजू इटली के भ्रमण पर रहेंगे

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली शनिवार से पांच दिनों के लिए स्पेन की यात्रा पर जाने वाले हैं। वह संयुक्त राष्ट्र के कार्यक्रम में सहभागी होंगे।ी विदे मंत्री डॉ. आरजू राणा इटली की यात्रा पर रवाना होंगी। प्रधानमंत्री ओली स्पेन के राष्ट्रपति और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव के निमंत्रण पर चौथे अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग के सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री के प्रमुख राजनीतिक सलाहकार विष्णु रिमाल ने कहा कि इस सम्मलेन को नेपाल के प्रधानमंत्री अल्प विकसित देशों के समूह के अध्यक्ष के नाते संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि इस भ्रमण के दौरान स्पेन के राष्ट्रपति के साथ अलग से द्विपक्षीय बैठक होगी। इसके अलावा अन्य देशों के राष्ट्रध्यक्षों से भी ओली की साइडलाइन मुलाकात होगी। विदेशमंत्री राणा इटली दौरे के दौरान रोम में आयोजित कृषि तथा खाद्य संगठन के एक सम्मेलन को संबोधित करेंगी।

अमेरिकी टीवी पत्रकार बिल मोयर्स का 91 वर्ष की आयु में निधन

न्यूयॉर्क। अमेरिका के वरिष्ठ टीवी पत्रकार और व्हाइट हाउस के पूर्व सहयोगी बिल मोयर्स का 91 वर्ष की आयु में गुरुवार को यहां निधन हो गया। टेलीविजन संवाददाता और टिप्पणीकार के रूप में पहचाने जाने से पहले उनका तत्कालीन राष्ट्रपति लिंडन बी. जॉनसन से लंबा जुड़ाव रहा है।

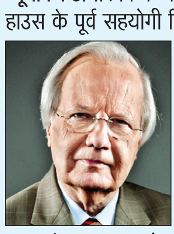

खबर के अनुसार, मोयर्स के बेटे विलियम ने बताया कि उनके पिता का लंबी बीमारी के बाद मेमोरियल स्लोन केटरिंग अस्पताल में निधन हो गया। मोयर्स ने 1971 में तत्कालीन राष्ट्रपति जॉनसन के प्रमुख सलाहकार और प्रेस सचिव के रूप में काम करने के बाद अपने टीवी करियर की शुरुआत की। उन्होंने 1970 और 80 के दशक में सीबीएस न्यूज में 10 साल बिताए। वह नेटवर्क की प्रतिष्ठित डॉक्यूमेंट्री सीरीज सीबीएस रिपोर्ट्स के संपादक और सीबीएस इवनिंग न्यूज के विश्लेषक थे। उन्होंने एनबीसी नाइटली न्यूज पर एक टिप्पणीकार के रूप में भी काम किया और 1996 में एमएसएनबीसी कार्यक्रम इनसाइट के होस्ट भी थे। पीबीएस में बिल मोयर्स जर्नल सेवा पर पहला समाचार कार्यक्रम था। इसे 1972 में लॉन्च किया गया। यह वही वक्त है जब वाटरगेट कांड से भूचाल आया हुआ था। उन्होंने 30 से अधिक एमी पुरस्कारों सहित टेलीविजन पत्रकारिता में शीर्ष पुरस्कार अर्जित किए। पीबीएस के लिए उनका अंतिम कार्यक्रम 2013 में प्रसारित हुआ। मोयर्स ने रीगन प्रशासन के दौरान द सीक्रेट गवर्नमेंट जैसे खोजी कार्यक्रमों का भी नेतृत्व किया। पीबीएस अध्यक्ष पाउला केर्गर ने एक बयान में कहा, बिल मोयर्स हमेशा पीबीएस के लिए चैंपियन के रूप में याद किए जाएंगे।

एससीओ में चीन और पाकिस्तान, भारत के साथ कर रहे थे छल, तब चुप्पी साधे बैठे थे पुतिन

बीजिंग। कहने को रुस और भारत के बीच संबंध बेहतर हैं लेकिन किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में जब आतंकवाद के मुद्दे पर चीन और पाकिस्तान षड़यंत्र रच रहे थे, तब रुस ने चुप्पी साध रखी थी। जानकारी के मुताबिक यह स्पष्ट नहीं है कि रूस ने इस बयान पर हस्ताक्षर किए या नहीं, क्योंकि बैठक के अंत में कोई संयुक्त बयान जारी ही नहीं हुआ। फिर भी यह सवाल महत्वपूर्ण है कि रूस ने भारत की चिंताओं को कितना समर्थन दिया। रूस एससीओ का सह-संस्थापक है और भारत का लंबे समय से रणनीतिक साझेदार रहा है। उसने इस बैठक में अपनी स्थिति को स्पष्ट रूप से उजागर नहीं किया। यह भारत के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि रूस और भारत के बीच ऐतिहासिक रूप से मजबूत सैन्य और कूटनीतिक संबंध रहे हैं। रूस की चुप्पी या तटस्थता को कई तरह से देखा जा सकता है। पहला रूस वर्तमान में यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण आर्थिक और कूटनीतिक रूप से चीन पर अधिक निर्भर हो गया है। मई 2025 में मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुए शिखर सम्मेलन में दोनों देशों ने एससीओ और ब्रिक्स जैसे मंचों के माध्यम से अपने रणनीतिक गठजोड़ को और गहरा करने की बात कही थी। इस संदर्भ में रूस के लिए चीन के साथ अपने हितों को प्राथमिकता देना स्वाभाविक हो सकता है, भले ही इसका मतलब भारत की चिंताओं को दरकिनार करना हो।

पहले किया अपहरण फिर करवाया धर्मांतरण पाक कोर्ट ने बच्चों को माता-पिता को सौंपा

करांची, 27 जून (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत के शहर शाहदादपुर में तीन अल्पसंख्यक बहनों और उनके चचेरे भाई के कथित अपहरण और जबरन धर्मांतरण का मामला सामने आया है। परिवार वालों का कहना है कि ये चारों बच्चों को उनके स्कूल के ही दो शिक्षकों ने अगवा किया और फिर धर्म बदलवाया, लेकिन पाकिस्तान के कई मीडिया चैनल यह कह रहे हैं कि इन बच्चों ने अपनी मर्जी से इस्लाम कुबूल किया है।

मीडिया रिपोर्ट में परिजनों के मुताबिक लड़का सिर्फ 13 साल का है और लड़की 15 साल की बाकी दो लड़कियां 19 और 21 साल की हैं, जो मेडिकल की पढ़ाई कर रही हैं। चारों को बचाने के बाद कोर्ट में पेश किया गया, जहां उन्होंने बयान दिए। कोर्ट ने कहा कि जो दो बच्चे नाबालिग हैं, उन्हें उनके माता-पिता को सौंप दिया जाए। बाकी दो बड़ी बहनों को किसी सुरक्षित जगह भेजा जाए, ताकि वे सोच-समझकर खुद फैसला ले सकें कि क्या करना है। दो अध्यापकों पर अपहरण का आरोप था उन्हें पुलिस ने छोड़ा दिया क्योंकि उन पर से अपहरण का मामला हटा लिया गया था। दोनों को जमानत मिल गई। कुछ पाकिस्तानी चैनलों ने लिखा कि चारों भाई-बहनों ने इस्लाम कबूल कर लिया, जैसे कि उन्होंने अपनी मर्जी से किया हो। कोर्ट ने माता-पिता को यह भी कहा कि वे लड़कियों से धर्म के बारे में कोई बात न करें। सिंध मानवाधिकार आयोग ने इस घटना का नोटिस लिया और इसे गैरकानूनी बताया। उन्होंने सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की। एक मानवाधिकार कार्यकर्ता फराज परवेज़ ने कहा कि बच्चों को जानबूझकर बालिग बताया गया, असली पहचान पत्रों की अनदेखी हुई और धर्म बदलवाने वाले मौलवियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। लड़के और लड़कियों के परिवार ने कोर्ट में भी और मीडिया में कहा कि ये सब जबरन हुआ है। पहले अगवा किया और फिर इस्लाम कबूल करवाया गया।

खामेनेई को ट्रंप दे रहे 30 बिलियन डॉलर का ऑफर

वॉशिंगटन। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने पहली बार सार्वजनिक रूप से बयान देकर दुनिया को चौंका दिया। ईरान और इजरायल के बीच 13 जून को शुरू हुए युद्ध के बाद से वह अंडरग्राउंड बंकर में छिपे थे। अब जब युद्धविराम हो चुका है, तो खामेनेई ने इसे 'ईरान की जीत' बताते हुए सीधे अमेरिका पर हमला बोला। उन्होंने कहा, अमेरिका इजरायल को बचाने युद्ध में कूदा था, लेकिन कुछ भी हासिल नहीं कर पाया। इस बीच, ट्रंप प्रशासन के भीतर एक अलग ही कूटनीतिक कवायद चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने ईरान को 30 अरब डॉलर की निवेश सहायता का प्रस्ताव दिया है शर्त ये है कि ईरान यूरेनियम संवर्धन पूरी तरह बंद कर दे। बदले में उसे एक नागरिक न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम दिया जाएगा, जिसकी फंडिंग अरब खाड़ी देशों से कराई जाएगी। यह बैठक वॉशिंगटन में अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ की अगुआई में हुई, ठीक उस दिन के अगले दिन जब अमेरिका ने ईरानी परमाणु ठिकानों पर मिसाइलें बरसाईं। वहीं ईरानी विदेश मंत्री अरघची ने एक बयान में साफ किया कि ईरान को अपने न्यूक्लियर स्थलों पर काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि कतर की जमीन पर मौजूद अमेरिकी बेस पर हमला करने के बाद जब अरब देशों ने उसकी निंदा की, तो ईरान ने भी बयान में अपना समर्थन जोड़ने को कहा, क्योंकि ईरान कतर का समर्थन करता है। वहीं दूसरी ओर, लीबिया में बाब बिन गशीर इलाके के पास हालात बेकाबू हो गए। अल-इत्तिहाद समर्थकों ने कई स्थानों पर आगजनी की और सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज़ हो गए ।

पाकिस्तानी मंत्री को दंगल फिल्म प्रदर्शित नहीं होने देने का अफसोस

करांची, 27 जून (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की एक मंत्री ने कहा कि उन्हें 2017 में आमिर खान की 'दंगल' को उनके देश में प्रदर्शित नहीं होने देने का अफसोस है। पंजाब प्रांत की पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) सरकार की मंत्री मरियम औरंगजेब ने कहा कि जब दंगल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भारत में रिलीज हुई थी तब वह सूचना मंत्री थीं।

मरियम ने एक लोकप्रिय पॉडकास्ट में कहा कि हां, अगर मुझे संघीय सूचना मंत्री रहते हुए इसका अफसोस है तो वह है पाकिस्तान में फिल्म 'दंगल' की स्क्रीनिंग पर प्रतिबंध लगाना। उन्होंने कहा कि सेंसर बोर्ड के प्रतिनिधियों और सूचना मंत्रालय के लोगों के साथ यह मेरी पहली बैठक थी और उन्होंने कुछ कारण बताते हुए फिल्म की स्क्रीनिंग पर बैन लगाने की सिफारिश की थी।

मरियम औरंगजेब का बयान तेजी वायरल हो रहा है। वीडियो पर यूजर ने कमेंट्स भी किया है। एक शख्स ने लिखा कि बहुत ज्यादा नुकसान हो गया वो फिल्म सिर्फ 2076 करोड़ ही कमा पाई थी। दूसरे यूजर ने लिखा कि चिंता करने की कोई बात नहीं है ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। एक अन्य व्यक्ति ने लिखा कि टेंशन की कोई बात नहीं है, सिर्फ 500 और 1000 रुपए का नुकसान हुआ है। हालांकि, एक यूजर ने लिखा कि दंगल मूवी सिर्फ इसलिए पाकिस्तान में रिलीज नहीं हो पाई क्योंकि पाकिस्तानी सेंसर बोर्ड ने भारतीय राष्ट्रगान को हटाने की मांग की थी। अब ये लोग बहाना दे रहे हैं। हमें इन लोगों की कोई जरूरत नहीं है। बता दें पहलगाम आतंकी हमले के बाद मंत्री मरियम औरंगजेब ने भारत-विरोधी बयान दिया था। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा था कि भारत अपने ही नागरिकों की मौत पर राजनीति कर रहा है।

चीन दे रहा था भारत की खुफिया जानकारी, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने खुद खोल दी अपने दोस्त की पोल

पाकिस्तान, 27 जून (एजेंसियां)।

आसिफ ने कहा कि भारत के साथ संक्षिप्त युद्ध के बाद से पाकिस्तान हाई अलर्ट पर रहा है और एक महीने से अधिक समय के बाद भी अपनी चौकसी कम नहीं की है। रणनीतिक सहयोगी राष्ट्र अक्सर एक-दूसरे के साथ खुफिया जानकारी साझा करते हैं, और यही हमने चीन के साथ किया है।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने स्वीकार किया है कि चीन ने भारत के साथ सैन्य मुठभेड़ों के दौरान इस्लामाबाद को महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी मुहैया कराई थी। कथित तौर पर इस जानकारी में भारत की वायु रक्षा प्रणालियों के बारे में विवरण शामिल थे, जिससे पाकिस्तान को तनाव के समय अपनी रणनीतिक तैयारियों को मजबूत करने में मदद मिली। एक साक्षात्कार में ख्वाजा आसिफ ने कहा कि भारत के साथ एक संक्षिप्त संघर्ष के बाद पाकिस्तान हाई अलर्ट पर रहा और इस बात पर जोर दिया कि बीजिंग ने भारत की रक्षा क्षमताओं से संबंधित खुफिया जानकारी साझा करके इस्लामाबाद की सहायता की है।आसिफ ने कहा कि भारत के साथ संक्षिप्त युद्ध के बाद से पाकिस्तान हाई अलर्ट पर रहा है और एक महीने से अधिक समय के बाद भी अपनी चौकसी कम नहीं की है। रणनीतिक सहयोगी राष्ट्र अक्सर एक-दूसरे के साथ खुफिया जानकारी साझा करते हैं, और यही हमने चीन के साथ किया है।

आसिफ ने आगे बताया कि सैटेलाइट इमेजरी और खतरे के आकलन सहित संवेदनशील डेटा का आदान-प्रदान रणनीतिक हितों को साझा करने वाले देशों के बीच एक नियमित मामला है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की तरह चीन की भी भारत को लेकर अपनी सुरक्षा चिंताएँ हैं, जिसने घनिष्ठ खुफिया सहयोग के लिए आधार तैयार किया है। राष्ट्रों के लिए अपनी जानकारी साझा करना सामान्य बात है, खासकर तब जब खतरा दोनों पक्षों के बीच हो। चीन को भी भारत से चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, ठीक वैसे ही जैसे हमें करना पड़ रहा है।

राजनाथ सिंह ने किंगदाओ में चीन के रक्षामंत्री से मुलाकात की

किंगदाओ (चीन), 27 जून (एजेंसियां)।

भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के किंगदाओ शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षामंत्रियों की बैठक के दौरान चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डॉन जून के साथ बातचीत की है। सिंह ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल में फोटो के साथ इस बातचीत का संक्षिप्त विवरण किया है।

सिंह ने कहा कि हम दोनों ने द्विपक्षीय संबंधों से संबंधित मुद्दों पर रचनात्मक और दूरदर्शी विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, लगभग छह वर्षों के अंतराल के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने पर मैंने अपनी खुशी व्यक्त की। दोनों पक्षों के लिए यह आवश्यक है कि वे इस सकारात्मक गति को बनाए रखें और द्विपक्षीय संबंधों में नई जटिलताओं को जोड़ने से बचें।

उल्लेखनीय है कि शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में राजनाथ सिंह कल आतंकवाद पर जमकर गरजे। सिंह ने कहा कि एससीओ को आतंकवाद की निंदा करनी चाहिए। सिंह ने कहा कि सीमापार आतंकवाद सहित आतंकवाद के अन्य निंदनीय कृत्यों के अपराधियों, आयोजकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने की आवश्यकता है। आतंकवाद का हर कृत्य आपराधिक और अनुचित है। एससीओ सदस्यों को इस बुराई की स्पष्ट रूप से निंदा करनी चाहिए।

अमेरिका से बातचीत शुरू करने कोई व्यवस्था या प्रतिबद्धता नहीं : अराघची

तेहरान, 27 जून (एजेंसियां)।

ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने दावा किया है कि अमेरिका के साथ बातचीत फिर से शुरू करने के लिए कोई व्यवस्था या प्रतिबद्धता नहीं की गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अराघची ने कहा कि बातचीत फिर से शुरू करने की संभावना पर विचार किया जा रहा है, लेकिन यह इस बात पर निर्भर करेगा कि तेहरान के राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जाती है या नहीं।

उन्होंने कहा कि हमारे फैसले पूरी तरह से ईरान के हितों पर आधारित होंगे। अगर हमारे हितों के लिए बाचतीत की वापसी की जरुरत है, तो हम इस पर विचार करेंगे, लेकिन इस स्तर पर, कोई समझौता या वादा नहीं किया गया है और कोई बातचीत नहीं हुई है। अराघची ने वाशिंगटन पर 2015 के परमाणु समझौते को पुनर्जीवित करने और अमेरिकी प्रतिबंधों को हटाने पर वार्ता के पिछले दौर के दौरान ईरान को धोखा देने का आरोप लगाया था। ईरानी राजनयिक ने यह पुष्टि की कि संसद ने शीर्ष संवैधानिक निरीक्षण निकाय गार्जियन काउंसिल के अनुमोदन के बाद संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था से सहयोग को निलंबित करने वाला कानून पास कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह कानून अब अनिवार्य है और इसे लागू किया जाएगा। आईएईए के साथ हमारा सहयोग एक नया आकार लेगा। अराघची ने यह भी कहा कि इजराइल के साथ युद्ध से हुई क्षति गंभीर थी और ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन के विशेषज्ञ विस्तृत आकलन कर रहे थे।

आईडीएफ का दावा, ईरान के तीन बड़े परमाणु केंद्रों को तबाह किया, परमाणु कार्यक्रम को झटका

तेलअवीव। इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने बताया कि उसने 12 दिन तक ईरान के खिलाफ चलाए गए सैन्य अभियान में तीन बड़े परमाणु केंद्रों फोर्डो, नतांज और इस्फहान को भारी नुकसान पहुंचाया है। इससे ईरान के परमाणु ढांचे को बड़ा झटका लगा है। आईडीएफ ने बताया कि 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' नाम से अभियान शुरू किया था। इसका मकसद ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को नुकसान पहुंचाना था, क्योंकि इजरायल को आशंका थी कि ये कार्यक्रम उसके अस्तित्व को खत्म करने के लिए हैं। ईरान के 11 वरिष्ठ परमाणु वैज्ञानिकों को मार गिराया आईडीएफ के मुताबिक अभियान में ईरान के 11 वरिष्ठ परमाणु वैज्ञानिकों को मार गिराया गया, जो कार्यक्रम के लिए सबसे अहम थे। इसके अलावा अराक में एक निष्क्रिय परमाणु रिएक्टर पर भी हमला हुआ, ताकि वह भविष्य में इस्तेमाल न हो सके। आईडीएफ के मुताबिक, मिसाइल निर्माण से जुड़ी कई महत्वपूर्ण इकाइयों को बर्बाद किया गया।

पांच देशों की आठ दिन की यात्रा पर जाएंगे मोदी

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो से नौ जुलाई तक पांच देशों घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना,ब्राजील तथा नामीबिया की आठ दिन की यात्रा पर जाएंगे।

यह प्रधानमंत्री की घाना की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी।वह ब्राजील में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे।

भारतीय प्रधानमंत्री की घाना यात्रा तीन दशकों के बाद हो रही है। यात्रा के दौरान श्री मोदी घाना के राष्ट्रपति के साथ मजबूत द्विपक्षीय साझेदारी की समीक्षा और आर्थिक, ऊर्जा , रक्षा तथा विकास सहयोग को साझेदारी के माध्यम से बढ़ाने के लिए आगे के अवसरों पर चर्चा करेंगे। यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ बनाने और 'पश्चिम अफ्रीकी राज्यों के आर्थिक समुदाय' तथा अफ्रीकी संघ के साथ भारत की भागीदारी को मजबूत करने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करेगी।

यात्रा के दूसरे चरण में तीन से चार जुलाई तक प्रधानमंत्री त्रिनिदाद और टोबैगो गणराज्य के प्रधान मंत्री के निमंत्रण पर वहां जायेंगे। प्रधानमंत्री के रूप में उनका इस देश का पहला दौरा होगा। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू और प्रधानमंत्री महामहिम कमला परसाद-बिसेसर के साथ वार्ता करेंगे। वह भारत-त्रिनिदाद और टोबैगो संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री के वहां की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करने की भी उम्मीद है।

श्री मोदी यात्रा के तीसरे चरण में चार से पांच जुलाई तक अर्जेंटीना के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर वहां की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। श्री मोदी राष्ट्रपति माइली के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे जिसमें सहयोग की समीक्षा की जाएगी और रक्षा, कृषि, खनन, तेल और गैस, नवीकरणीय ऊर्जा, व्यापार और निवेश तथा लोगों के बीच संबंधों सहित प्रमुख क्षेत्रों में भारत-अर्जेंटीना साझेदारी को और बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी।

प्रधानमंत्री यात्रा के चौथे चरण में ब्राजील के राष्ट्रपति महामहिम लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा के निमंत्रण पर 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 5 से 8 जुलाई तक ब्राजील की यात्रा करेंगे। यह प्रधानमंत्री की ब्राजील की चौथी यात्रा होगी। ब्रिक्स नेताओं का शिखर सम्मेलन रियो डी जेनेरियो में आयोजित किया जाएगा। शिखर सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री वैश्विक शासन में सुधार, शांति और सुरक्षा, बहुपक्षवाद को मजबूत करने, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार उपयोग, जलवायु कार्रवाई, वैश्विक स्वास्थ्य, आर्थिक और वित्तीय मामलों सहित प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री शिखर सम्मेलन के दौरान कई द्विपक्षीय बैठकें भी कर सकते हैं। ब्राजील की राजकीय यात्रा के लिए प्रधानमंत्री ब्रासीलिया जाएंगे, जहां वह राष्ट्रपति लूला के साथ व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, प्रौद्योगिकी, कृषि, स्वास्थ्य और लोगों के बीच संपर्क सहित आपसी हित के क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को व्यापक बनाने पर द्विपक्षीय चर्चा करेंगे।

यात्रा के अंतिम चरण में श्री मोदी नामीबिया के राष्ट्रपति डॉ. नेटुम्बो नंदी-नदैतवा के निमंत्रण पर 09 जुलाई को नामीबिया की राजकीय यात्रा पर जाएंगे। यह प्रधानमंत्री की नामीबिया की पहली यात्रा होगी और भारत से नामीबिया की अब तक की तीसरी प्रधानमंत्री यात्रा होगी। श्री मोदी राष्ट्रपति नंदी-नदैतवा के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। प्रधानमंत्री नामीबिया के संस्थापक और पहले राष्ट्रपति डॉ. सैम नुजोमा को श्रद्धांजलि भी अर्पित करेंगे। उनकी नामीबिया की संसद में भाषण देने की भी उम्मीद है।

आरएसएस के लोगों को चुभता है संविधान : राहुल

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ-(आरएसएस) को संविधान विरोधी करार देते हुए कहा है कि इस विचारधारा के लोगों का संविधान को लेकर दिये ताजा बयान से मुखौटा एक बार फिर उतर गया है।

श्री गांधी ने सोशल मीडिया फेसबुक पर शुक्रवार को पोस्ट में कहा संविधान इन्हें चुभता है क्योंकि वह समानता, धर्मनिरपेक्षता और न्याय की बात करता है।

आरएसएस-भाजपा को संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए। ये बहुजनों और ग़रीबों से उनके अधिकार छीनकर उन्हें दोबारा गुलाम बनाना चाहते हैं। उनसे संविधान जैसा ताक़तवर हथियार छीनना इनका असली एजेंडा है।

उन्होंने कहा कि आरएसएस और भाजपा के लोग संविधान बदलना चाहते हैं लेकिन उन्हें इसकी इजाजत नहीं दी जाएगी इसलिए उन्हें यह सपना देखना बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा आरएसएस यह सपना देखना बंद करे-हम उन्हें कभी सफल नहीं होने देंगे। हर देशभक्त भारतीय आख़िरी दम तक संविधान की रक्षा करेगा।

श्री गांधी की यह टिप्पणी आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबोले तथा केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने संविधान की प्रस्तावना से 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द को हटाने की मांग की है और कहा है कि धर्मनिरपेक्षता हमारी संस्कृति का मूल नहीं है इसलिए संविधान की प्रस्तावना से इस शब्द को हटा देना चाहिए।

मुर्मू ने 'एमएसएमई दिवस 2025-उद्यमी भारत' का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को 'एमएसएमई दिवस 2025 - उद्यमी भारत' का उद्घाटन किया और ऋण गारंटी निधि ट्रस्ट पर एक डाक टिकट जारी किया।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित इस कार्यक्रम में श्रीमती मुर्मु ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में छोटे उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका है और यह आबादी के एक बड़े हिस्से को आजीविका का अवसर उपलब्ध कराता है। सरकार छोटे कारोबारियों को वित्त उपलब्ध करा रही है। उन्हें इसका लाभ उठाना चाहिए।

राष्ट्रपति ने ऋण गारंटी निधि ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) के 25

वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष डाक टिकट जारी किया। राष्ट्रपति ने ऑनलाइन विवाद समाधान (ओडीआर) पोर्टल का अनावरण भी किया।

श्रीमती मुर्मु ने एमएसएमई हैकाथॉन 5.0 का भी शुभारंभ किया। कार्यक्रम में हैकाथॉन 4.0 के परिणाम की घोषणा भी की गयी। राष्ट्रपति 'एमएसएमई पत्रिका' और एक पुस्तिका 'अपने ऋणदाता को जानें' का विमोचन किया।

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री जीतन राम मांझी, राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे और खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार के साथ-साथ मंत्रालय के अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल रहे।

आयुष की संशोधित ईएसआई नीति को मंजूरी

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। कर्मचारी राज्य बीमा निगम - ईएसआईसी ने समग्र, निवारक और सुविधापरक स्वास्थ्य सेवायें प्रदान करने के लिए 'संशोधित ईएसआई आयुष नीति' को स्वीकृति दे दी है।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में शुक्रवार को ईएसआईसी की 196वीं बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। यह नीति आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी जैसी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को ईएसआईसी के स्वास्थ्य सेवा परिवेश में एकीकृत करने पर केंद्रित है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह नीति समग्र चिकित्सा सेवाओं को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे ईएसआईसी अस्पतालों में योग चिकित्सक और पंचकर्म विशेषज्ञों और परिचारकों की नियुक्ति हो सकेगी।

बैठक में राज्यसभा सांसद डोला सेन, लोकसभा सांसद एन.के. प्रेमचंद्रन, ईएसआईसी के महानिदेशक अशोक कुमार सिंह, राज्य सरकारों के प्रधान सचिव और सचिव, नियोक्ताओं, कर्मचारियों के प्रतिनिधि और केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय और ईएसआईसी के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में निम्न सुविधा वाले क्षेत्रों में धर्मार्थ अस्पतालों के साथ साझेदारी करके ईएसआई लाभार्थियों के लिए स्वास्थ्य सेवा की पहुंच में सुधार करने के लिए एक परियोजना को मंजूरी दी गयी। ये अस्पताल ओपीडी से लेकर आपातकालीन देखभाल तक व्यापक सेवाएं प्रदान करेंगे। इस परियोजना की कुछ जिलों में शुरुआत की जाएगी। इसके अलावा देश भर में ईएसआई दायरा का विस्तार करने के उद्देश्य से नियोक्ता एवं कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने की योजना को फिर से शुरू करने को मंजूरी दी गयी। योजना एक जुलाई से 31 दिसंबर 2025 तक खुली रहेगी।

बैठक में माफी योजना - 2025 को भी मंजूरी दी गयी। यह योजना एक अक्टूबर, 2025 से 30 सितंबर, 2026 तक चलेगी। इसका उद्देश्य कानूनी झगड़ों को कम करना और ईएसआई अधिनियम के तहत अनुपालन को बढ़ावा देना है।इस योजना का उद्देश्य न्यायालय के बाहर विवादों के समाधान करना है।

पुरी में विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ यात्रा का उल्लास के साथ शुभारंभ

पुरी, 27 जून (एजेंसियां)। ओडिशा में पुरी स्थित विश्वप्रसिद्ध श्री जगन्नाथ मंदिर के पीठासीन देवताओं, भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का नौ दिवसीय प्रवास आज सुबह 'हरिबोल' और 'जय जगन्नाथ' के जयघोष और मंदिर नगरी में मंजीरों की लयबद्ध झंकार के बीच शुरू हुआ।

दुनियाभर में विख्यात इस वार्षिक रथ यात्रा देखने के लिए लाखों श्रद्धालु इस तीर्थ नगरी में आए हुए हैं। वे 12वीं शताब्दी के मंदिर के 'लायंस गेट' से गुंडिचा मंदिर तक फैले तीन किलोमीटर लंबे 'बड़ा डांडा' (विशाल मार्ग) ग्रैंड रोड पर एकत्रित हुए।

दैनिक अनुष्ठान पूरा होने के बाद सबसे पहले भगवान सुदर्शन के साथ दैवीय रूपों वाले भाई-बहनों को गोपाल भोग (नाश्ता) अर्पित किया गया। इसके बाद उन्हें भव्य जुलूस के रूप में गर्भगृह ('रत्न वेदी') से बाहर लाया गया जिसे पहांडी बिजे के नाम से जाना जाता है। फिर उन्हें मंदिर के बाहर खड़े उनके सुसज्जित रथों तक ले जाया गया।

सैकड़ों मंदिर सेवकों ने कड़ी सुरक्षा और शंखनाद के बीच देवताओं को अपने कंधों पर उठाकर आनंद बाज़ार और बैशी पहाचा से होते हुए सिंह द्वार तक पहुंचाया।

परंपरा के अनुसार सबसे पहले भगवान बलभद्र को बाहर लाकर तालध्वज रथ पर बिठाया जाता है। उसके बाद देवी सुभद्रा को दर्पदलन रथ पर बिठाया जाता है। अंत में भक्तों द्वारा प्यार से कालिया कहलाए जाने वाले भगवान जगन्नाथ को नंदीघोष रथ पर बिठाया गया।

देवताओं को अपने रथों पर सवार होते देखने के लिए लायंस गेट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच गुंडिचा मंदिर की उनकी यात्रा शुरू हो गई। बड़ा डांडा के दोनों ओर की इमारतों की छतें सुबह से ही भक्तों से भर गईं। विशाल मार्ग की ओर जाने वाली सभी गलियाँ और रास्ते खचाखच भरे थे क्योंकि लोग रथों पर देवताओं के पवित्र दर्शन के लिए क्षेत्र में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे।

इस बीच मंदिर के सूत्रों के अनुसार देवताओं को उनके संबंधित रथों पर बिठाए जाने के बाद पुरी के गजपति राजा दिव्यसिंह देब पारंपरिक चेरा पन्हारा (स्वर्ण झाड़ू से रथों की सफाई) करेंगे । लाखों श्रद्धालु एक के बाद एक रथों को बड़ा डांडा के साथ गुंडिचा मंदिर तक खींचेंगे जहां देवता नौ दिनों तक रहेंगे और फिर बहुदा यात्रा (वापसी रथ महोत्सव) के दौरान मुख्य मंदिर में लौट आएंगे।

उत्सव के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए बीएसएफ, सीआरपीएफ, आरएएफ, एनएसजी कमांडो, ड्रोन रोधी दस्ते और अचूक निशानेबाजों सहित 10,000 से अधिक कर्मियों की तैनाती की गई है।

भारतीय नौसेना, तटरक्षक बल और राज्य समुद्री पुलिस तटीय सीमा पर गश्त कर रही है जबकि बड़ा डांडा और आसपास के इलाकों में 275 एआई-संचालित सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन जैमर लगाए गए हैं। ये एक एकीकृत कमांड और नियंत्रण केंद्र से जुड़े हैं।

भारी संख्या में लोगों की आवाजाही को संभालने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़ा डांडा के साथ 36 निर्दिष्ट पार्किंग क्षेत्र और एक एम्बुलेंस कॉरिडोर की व्यवस्था की गई है।

समुद्र तट की निगरानी के लिए 500 से अधिक लाइफगार्ड तैनात किए गए हैं। केंद्रीय रेल मंत्री के निर्देशानुसार रेलवे स्टेशन पर आवश्यक सुविधाओं के साथ अस्थायी आवास और मुफ्त भोजन वितरण केंद्र स्थापित किए गए हैं।

स्वास्थ्य सेवा के मोर्चे पर सरकार ने भीषण लू और अन्य बीमारियों के उपचार के लिए 268 इनडोर रोगी बिस्तरों की व्यवस्था की है। चिकित्सा की आपातस्थिति से निपटने के लिए पुरी में कुल 378 डॉक्टर और पैरामेडिक्स तैनात किए गए हैं।

अतिरिक्त महानिदेशक (यातायात) दयाल गंगवार ने कहा कि क्षेत्र में कुंभ मेला मॉडल से प्रेरित एक विशेष एकीकृत यातायात नियंत्रण योजना लागू की गई है। यातायात प्रबंधन के लिए दस डिजिटल संचार प्रणालियाँ स्थापित की गई हैं जिसमें 300 निजी सुरक्षा कर्मी डेटा प्रोसेसिंग में सहायता कर रहे हैं।

छह प्रवर्तन टीमों को 'नो-पार्किंग ज़ोन' में खड़े वाहनों को हटाने का काम सौंपा गया है और यातायात सुगम बनाने के लिए 80 से अधिक ट्रैफ़िक सहायता चौकियाँ बनायी गयी हैं।

भारत ने सिंधु जल संधि पर मध्यस्थता न्यायालय को अवैध बताया

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। भारत ने सिंधु जल संधि के नाम पर गठित मध्यस्थता न्यायालय को कानूनी तौर पर अवैध करार दिया है और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में किशनगंगा और रातल पनबिजली परियोजनाओं की क्षमता को लेकर उसके एक तथाकथित पूरक आदेश को खारिज कर दिया है।

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां एक बयान में कहा कि कथित रूप से सिंधु जल संधि 1960 के तहत गठित अवैध मध्यस्थता न्यायालय ने आज केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में

किशनगंगा और रातल पनबिजली परियोजनाओं की क्षमता को लेकर एक तथाकथित पूरक आदेश पारित किया है। भारत ने कभी भी इस तथाकथित मध्यस्थता न्यायालय के अस्तित्व को मान्यता नहीं दी है और भारत का मानना है कि इस तथाकथित मध्यस्थ निकाय का गठन अपने आप में सिंधु जल संधि का गंभीर उल्लंघन है और इसके परिणामस्वरूप इस मंच के समक्ष कोई भी कार्यवाही और इसके द्वारा लिया गया कोई भी निर्णय या आदेश भी इस कारण से अवैध है।

बयान में कहा गया है कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत ने अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए सिंधु जल संधि पर अमल को तब तक रोक दिया जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन देना विश्वसनीय तौर पर बंद नहीं करता। भारत अब संधि के तहत अपने किसी भी दायित्व का पालन करने के लिए बाध्य नहीं है। इस अवैध मध्यस्थता न्यायालय के अलावा भी मध्यस्थता के किसी भी निकाय के पास भारत के संप्रभु कार्यों की वैधता की जांच करने का अधिकार नहीं है। इसलिए,भारत इस तथाकथित पूरक आदेश को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करता है क्योंकि उसने इस निकाय की सभी पूर्व घोषणाओं को अस्वीकार किया है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान के इशारे पर यह नवीनतम नाटक आतंकवाद के वैश्विक केंद्र के रूप में उसकी भूमिका के लिए जवाबदेही से बचने का एक और हताश प्रयास है। इस मनगढ़ंत मध्यस्थता तंत्र का सहारा लेना पाकिस्तान के दशकों से चले आ रहे धोखे और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर हेराफेरी करने की उसकी आदतों के अनुरूप है।

सपा में मुसलमानों की स्थिति गुलामों जैसी : राजभर

किसी मुसलमान को सीएम उम्मीदवार बनाएं अखिलेश

लखनऊ, 27 जून (एजेंसियां)। यूपी सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव को 2027 में चुनाव जीतने पर किसी मुसलमान के बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। सपा में मुसलमानों की स्थिति गुलामों जैसी है। राजभर ने कहा कि सपा में मुसलमान अपनी आवाज नहीं उठा सकते। अगर 2027 में सपा की सरकार बनती है तो अखिलेश यादव को किसी मुसलमान नेता के बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। उन्हें

कभी खुद भी साइकिल के कैरियर पर बैठना चाहिए और किसी मुसलमान को मुख्यमंत्री बनाना चाहिए।

राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव आजमगढ़ जेल चले जाएंगे रमाकांत यादव से मिलने के लिए। देवरिया चले जाएंगे लेकिन संभल और मुरादाबाद में किसी मुसलमान के साथ घटना होती हो तो उनके पास समय नहीं है। उन्होंने कहा कि यूपी में सात परसेंट यादव हैं और 20 प्रतिशत मुसलमान। अखिलेश ने 20 परसेंट वालों को गुलाम बना रखा है। हमारा संविधान कहता है कि सबको बराबरी का अधिकार है। उन्हें भी पावर मिलना चाहिए।

फिल्म संत तुकाराम से डेब्यू करेंगी शिना चौहान

निभाएंगी अवली जीजा बाई का प्रेरणादायक किरदार

अभिनेत्री शिना चौहान अपनी पहली हिंदी फिल्म 'संत तुकाराम' में अवली जीजा बाई का मुख्य किरदार निभा रही हैं। यह फिल्म 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही है। संत तुकाराम की पत्नी के रूप में अवली को इतिहास में एक मजबूत, संवेदनशील और वास्तविक महिला के रूप में देखा गया है, जो अपने पति की आध्यात्मिक साधना और पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करती हैं। अपनी भूमिका को लेकर शिना चौहान ने कहा: हम आज की पीढ़ी को संत तुकाराम की असली कहानी से प्रेरित करना चाहते हैं। हम भगवान विठ्ठल का वह सच्चा संदेश साझा कर रहे हैं – कि अगर आप दिल से विश्वास करते हैं, तो कुछ भी संभव है। शिना ने आगे बताया कि इस किरदार को गहराई से समझने के लिए उन्होंने एक मराठी अनुवादक की मदद से 15वीं सदी के ऐतिहासिक ग्रंथों और लेखों का अध्ययन किया। साथ ही, वह उस गांव में भी गईं जहां संत तुकाराम और अवली जीजा बाई रहते थे, और वहां की महिलाओं के साथ समय बिताया ताकि उस संस्कृति को आत्मसात कर सकें। उन गांव की महिलाओं के साथ मेरा समय बिताना मेरे किरदार को समझने में सबसे ज्यादा मददगार रहा,

शिना ने कहा। मराठी सुपरस्टार सुभोध भावे, जो फिल्म में संत तुकाराम की भूमिका निभा रहे हैं, ने शिना की तारीफ करते हुए कहा: शिना निर्देशक की सोच को बखूबी समझती हैं और हर दृश्य को पूरी ईमानदारी और समर्पण से निभाती हैं। उनके साथ काम करना एक सच्चा आनंद रहा। फिल्म में सुभोध भावे के साथ संजय मिश्रा, अरुण गोविल, शिशिर शर्मा, हेमंत पांडे, गणेश यादव, ललित तिवारी, मुकेश भट्ट और शिव सूर्यवंशी जैसे दिग्गज कलाकार नजर आएंगे। वहीं, मुकेश खन्ना फिल्म के सूत्रधार के रूप में दिखाई देंगे, जो दर्शकों को संत तुकाराम की आध्यात्मिक यात्रा से गहराई से जोड़ेंगे। फिल्म का संगीत निखिल कामत, रवि त्रिपाठी, और वीरल–लावण द्वारा रचा गया है, जो संत तुकाराम की अंतरात्मा की यात्रा को संगीत के माध्यम से दर्शाता है – दुख से शांति तक, विरोध से आध्यात्मिक क्रांति तक।'संत तुकाराम' का निर्देशन आदित्य ओम ने किया है और इसे बी. गौतम द्वारा पुरुषोत्तम स्टूडियोज़ के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया गया है। यह फिल्म न सिर्फ ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि एक पैन–इंडिया सिनेमा अनुभव के रूप में भी प्रस्तुत की जा रही है, जो भाषा और क्षेत्रीय सीमाओं से परे सभी दर्शकों क ो जोड़ने का प्रयास करती है।

फिल्म मैसा से रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक जारी, एक्ट्रेस बोलीं

यह खतरनाक, गंभीर और बिलकुल असली

रश्मिका मंदाना ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया पर अपनी आगामी फिल्म मैसा की पहली झलक दिखाई। उन्होंने बताया कि इसमें उनका किरदार निडर और ताकतवर है। अभिनेत्री ने बताया कि उनका यह किरदार उनके एक ऐसे रूप को दिखाता है जिसे उन्होंने भी पहले कभी नहीं देखा था।

रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर अपनी फिल्म का पहला पोस्टर शेयर किया, जिसमें उनका किरदार काफी ताकतवर और गंभीर दिखाया गया है। पोस्टर में उनका चेहरा खून से लथपथ दिख रहा है और आंखों में क्रोध की ज्वाला धधक रही है। यह उनके किरदार की उग्रता को दर्शाता है। लुक की बात करें तो उन्होंने लाल साड़ी पहनी हुई है। उनके गहने आदिवासी स्टाइल की याद दिलाते हैं। इसके अलावा, उन्होंने चांद के आकार वाली बिंदी भी लगाई हुई है।

इस पोस्टर को शेयर करते हुए रश्मिका मंदाना ने कैप्शन में लिखा, मैं हमेशा आप लोगों को कुछ नया, कुछ अलग और कुछ रोमांचक देने की कोशिश करती हूं। यह उन्हीं में से एक है, एक ऐसा किरदार जिसे मैंने पहले कभी नहीं निभाया, एक ऐसी दुनिया जिसमें मैंने कभी कदम नहीं रखा, और अपने एक नए रूप से मिलना, जिसे मैं भी पहले नहीं जानती थी। यह बहुत ही खतरनाक, गंभीर और बिलकुल असली है। मैं थोड़ी नर्वस भी हूं और बहुत उत्साहित भी हूं। मैं सच में इसके रिलीज होने का इंतजार नहीं कर सकती। ये तो बस शुरुआत है। मैसा एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना गोंड जनजाति की महिला का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन राविंद्र पुल्ले कर रहे हैं। वहीं अजय और अनिल सैय्यापुरेड्डी ने अपने बैनर अनफॉर्मूला फिल्म्स के तहत इसे प्रोड्यूस किया है।

मैसा हिंदी के साथ तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी। फिलहाल फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।वर्कफ्रंट की बात करें तो इस समय रश्मिका धनुष की कुबेर को लेकर चर्चा में हैं। इसके अलावा, उनके पास आयुष्मान खुराना की हिंदी फिल्म थामा और साउथ फिल्म 'गर्लफ्रेंड' हैं। इस फिल्म में वह विजय देवरकोंडा के अपोजिट नजर आएंगी।

राणा नायडू सीजन 2 में बोल्ड और इंटिमेट सीन कहानी के लिए जरूरी था : अदिति शेट्टी

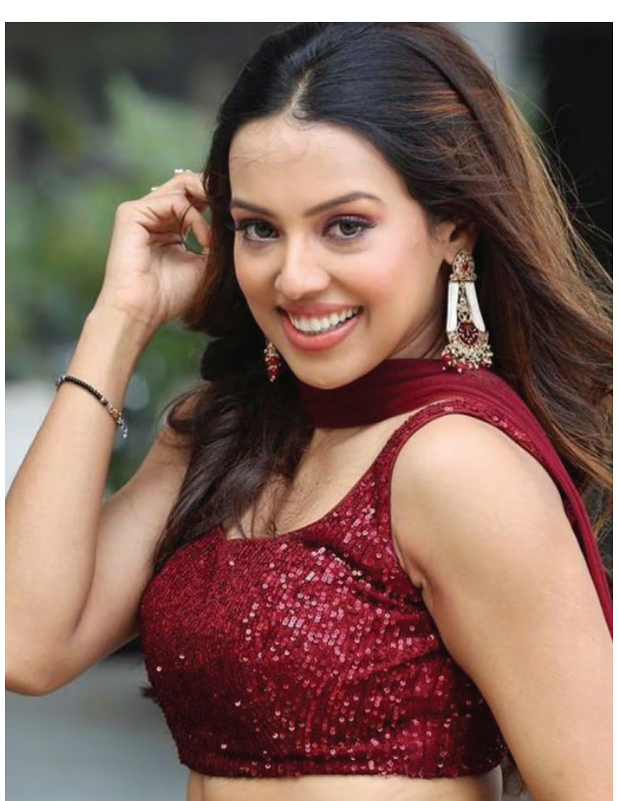

अभिनेत्री अदिति शेट्टी ने राणा नायडू सीजन 2 में अपने बोल्ड और इंटिमेट सीन के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि ये सीन कहानी और उनके किरदार को बेहतर तरीके से समझाने के लिए जरूरी थे। अदिति शेट्टी ने कहा कि नए सीजन में बहुत कम बोल्ड सीन हैं और जो भी सीन हैं, उन्हें बहुत सोच–समझकर फिल्माया गया है। ये सीन कहानी के लिए जरूरी थे और उनके किरदार को बेहतर तरीके से समझने में मदद करते हैं।

अदिति ने कहा, सीजन 2 में वास्तव में बहुत कम बोल्ड सीन हैं और वे भी सावधानी से शूट किए गए हैं। ये सीन कहानी के लिए जरूरी थे और मेरे किरदार के सफर के लिए यह मायने रखते हैं। कुछ भी बेकार नहीं था, हमने जो भी किया, उसका उद्देश्य और गहराई थी।

अदिति शेट्टी ने बताया कि उन्होंने राणा नायडू सीजन 2 में काम करने के लिए हां क्यों कहा। उन्होंने कहा, इसके कई कारण थे। मैंने पहले भी 'मिर्जापुर में निर्देशकों के साथ काम किया था, और मैं पहले से ही राणा नायडू सीजन 1 की बड़ी फैन थी। जब मुझे इस किरदार के बारे में पता चला, तो मैं काफी उत्साहित हुई। मेरा किरदार बहुत दिलचस्प है और कहानी के लिए अहम है। मैं अपने किरदार से काफी प्रभावित हुई। साथ ही, सीन भी जबरदस्त थे। खासकर राणा सर के साथ मेरा फेस–ऑफ सीन शानदार था। इन कुछ चीजों के चलते मैंने हां की। अदिति ने बताया कि राणा नायडू सीजन 2 में उनका किरदार तसनीम उनकी असल जिंदगी से काफी अलग है। उन्होंने कहा, तसनीम मेरी असली जिंदगी से बहुत अलग है।

मैं मस्ती करने वाली और भावनाओं को खुलकर दिखाने वाली लड़की हूं, लेकिन तसनीम ज्यादा शांत और गंभीर है। एक बात सामान्य है कि हम दोनों में फिटनेस का शौक एक जैसा है। राणा नायडू सीजन 2 में वेंकटेश दग्गुबती, राणा दग्गुबती, अर्जुन रामपाल और कृति खरबंदा लीड रोल में हैं। यह शो नेटफ्लिक्स पर 13 जून को रिलीज हुआ था।

'मां' से बेहतर कोई टाइटल

अभिनेत्री क
फिल्म 'म
रिलीज को
माइथोलॉजिकल–
दुनिया में कदम रख
काजोल ने फि
टाइटल की तारीफ
हुए कहा कि इस
के लिए 'मां' से बे
कोई टाइटल नहीं
सकता था। काजो
ने बताया, 'मां' व
पहला शब्द है
जिसे बच्चे न केवल सबसे पहले बोलते बल्कि महसू
भी करते हैं। बच्चा सबसे पहले अपनी मां की ओ
मुड़ता है। मेरे लिए 'मां' का मतलब देवी और मेरी म
तनुजा दोनों हैं। उन्होंने कहा कि 'मां' फिल्म का वर्कि
टाइटल था, लेकिन इसे बनाते समय यह शब्द इत
गहरा लगा कि इससे बेहतर कोई नाम नहीं हो सक
था।काजोल का मानना है कि बॉलीवुड में हॉरर फि
कम बनी हैं। उन्होंने बताया, बॉलीवुड में हॉरर फिल्में
कम बनी हैं। कुछ ही फिल्में देखने को मिलती हैं।
80 के दशक में रैमसे ब्रदर्स की डरावनी फिल्में बहुत
थीं, जिन्हें आज भी लोग याद करते हैं। फिर साल
'रहस्य' जैसी हिट फिल्म आई, जिसने दर्शकों का
इसके बाद साल 2003 में 'भूत' जैसी साइकोलॉजिक
बनी, जिसमें अजय देवगन थे। कुल मिलाकर, बॉ
कम हैं, लेकिन इन फिल्मों ने अपनी गहरी छाप छो
एक हॉरर फिल्म है, लेकिन इसमें इमोशन्स भी हैं। य
फिल्म में काम करने का फैसला लिया। अगर इसमें इ
आधार न होता, तो शायद मैं इस फिल्म को हां नहीं

इस एक गीत ने मलाइका को रातों रात बनाया था स्टार, बताया हैं फिगर मेंटेन के राज ...

सालों पहले चल छैंय्या–छैंय्या और बदनाम मुन्नी यानी 'दबंग' फेम मलाइका अरोडा खान को देखकर नहीं लगता कि यह खूबसूरत हसीना दो बच्चों की मां हैं। इस एक गाने ने मलाइका अरोड़ा को रातोंरात बनाया था स्टार , इनको हॉट फिगर ऐसा है कि आज कल की अभिनेत्रियों भी इनके सामने पानी भरते हुए नजर आती हैं। मलाइका को देख कर हर मां यही सोचती होगी कि प्रेगनेंसी के बाद भी मलाइका ने इतना अच्छा फिगर कैसे मेंटेन किया होगा। तो आगे की स्लाइड्स पर जानते हैं मलाइका अरोडा के सेहत व सुंदरता के राज को...

अभिनेत्री मलाइका के मुताबिक नश्ता राजा की तरह, लंच राजकुमार और डिनर एक गरीब व्यक्ति की तरह करना चाहिए। ये किसी तरह की कोई खास डाइट नहीं फॉलो करतीं लेकिन मानती हैं कि खाना हमेशा पौष्टिक और बेस्ट होना चाहिए।

कहती हैं अपनी फिटनेस के बारे में– मैं सुबह नींबू और शहद के साथ 1 गिलास ग र म पानी पीती हूँ, ब्रेकफास्ट में 1 छोटा कटोरी मौसमी फलों साथ इडली, उपमा, पोहा, दलिया। दोपहर 12 आवंले के साथ 1 गिलास वैजिटेबल जूस और ब्राउन टोस्ट के साथ 1 अण्डे के सफेद भाग का आमलेट। लंच में ब्राउन या गोवा राइस, 2–3 तरह की वैजिटेबल, चिकन या फिश और सलाद खाती हूँ। इसके बाद हल्का खाना खाती हूँ, मैं दालें नहीं खाती।

रात के खाने के बाद में कभी भूख लगती है तो 1 संतरा, गाजर या कोई और फल या अंजीर, बादाम आदि खा लेती हूं, फिट रहने के लिए मैं हफ्ते में कम से कम 3 दिन डेढडेढ घन्टा जिम

शुक्र करेंगे अपनी स्वराशि वृषभ में प्रवेश कल

महान ग्रह शुक्र 29 जून 2025 को मेष राशि की यात्रा समाप्त करके अपनी स्वयं की राशि वृषभ में प्रवेश करेंगे। इस राशि पर ये 26 जुलाई तक गोचर करेंगे उसके बाद मिथुन राशि में चले जाएंगे। इनका अपनी ही राशि में गोचर करने से पृथ्वी वासियों पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ेगा। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि मंगल की राशि मेष को छोड़कर शुक्र अपनी स्वराशि वृषभ में प्रवेश करेंगे। शुक्र दांपत्य जीवन और प्रेम संबंधों को नई ऊर्जा और गर्माहट से भर देता है किंतु कुछ राशियों के लिए संकेत है कि वे अपने प्रेम संबंधों को पारदर्शिता और सत्यता के साथ संभालकर रखें, वरना उन्हें ऐसे संबंधों में ठोकर भी खानी पड़ सकती है। शुक्र 26 जुलाई वृषभ राशि में ही रहेगा। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक शुक्र ग्रह को सौंदर्य का प्रतीक माना जाता है। शुक्र ग्रह के कारण ही हमारे जीवन में भौतिक सुख सुविधाएं प्रभावित होती है। जीवन में आराम, मान-सम्मान, शारीरिक और मानसिक सुख शुक्र देव की कृपा से ही प्राप्त होता है। जातक की कुंडली में राहु, केतु और मंगल जैसे क्रूर ग्रहों के नकारात्मक प्रभावों नहीं होते हैं तो ही शुक्र देव अच्छे परिणाम देते हैं।

शुक्र के शुभ प्रभाव से सुख-समृद्धि और सौभाग्य में होगी वृद्धि होती है। शुक्र को सभी ग्रहों में सबसे चमकदार ग्रह माना जाता है। चूंकि शुक्र एक शुभ ग्रह है इसलिए कुंडली में इसकी अच्छी स्थिति से जातकों को जीवन में कई सुख सुविधाएँ मिलती हैं लेकिन मुख्य रुप से प्रेम, भौतिक सुखों में इसकी मजबूती से वृद्धि होती है। इसके साथ ही वैवाहिक जीवन में भी शुक्र की स्थिति का असर पड़ता है, यदि कुंडली में शुक्र अच्छी स्थिति में है तो दांपत्य जीवन सुखद रहता है। वहीं शुक्र की दुर्बल स्थिति व्यक्ति के वैवाहिक जीवन को खराब कर सकती है। शनि व बुध शुक्र के मित्र ग्रहों में आते है। शुक्र ग्रह के शत्रुओं में सूर्य व चन्द्रमा है। शुक्र के साथ गुरु व मंगल सम सम्बन्ध रखते हैं। वृषभ एवं तुला राशि के स्वामी शुक्र कन्या राशि में नीच राशिगत संज्ञक तथा मीन राशि में उच्चराशिगत संज्ञक कहे गए हैं।

ज्योतिष में शुक्र

शुक्र या वीनस को ज्योतिष में स्त्री ग्रह भी माना जाता है। ये वृष और तुला राशि का स्वामी है। शुक्र लाभ के साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि का भी कारक होता है। व्यक्ति की कलात्मकता का भी विकास होता है। किसी की कुंडली में ये ग्रह कमजोर या मजबूत हो, दोनों ही स्थिति में काफी मायने रखता है। ज्योतिष में शुक्र अच्छे कपड़े, विवाह, आमदनी, नारी, ब्राह्मण, पत्नी, यौन जीवन का सुख, फूल, वाहन, चांदी, आनंद, कला, वाद्ययंत्र और राजसी प्रवृत्ति का कारक ग्रह है। शुक्र के राशि परिवर्तन होने से इन मामलों संबंधी बदलाव देखने को मिलते हैं।

प्रभाव –शुक्र के पास अमृत संजीवनी है और शुक्र पृथ्वी के साथ है। वस्तुओं की लागत बढ़ सकती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी शुभ असर देखने को मिलेगा। ललित कलाओं की तरफ आप का रूझान हो सकता है। यदि आप मनोरंजन के क्षेत्र से जुड़े हैं तो आपको शुभ फल प्राप्त होगा। वहीं मीडिया आदि के क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को भी यह शुक्र लाभ कराने वाला होगा। जॉब और बिजनेस से संबंधित परेशानियां दूर होंगी। जॉब बदलने का विचार मन में है तो यह समय आपके लिए उत्तम रहेगा। व्यवहार में सौम्यता लाएगा। प्रशासनिक और राजनैतिक मामलों में बड़े बदलाव हो सकते हैं। इन क्षेत्रों से जुड़े लोगों के लिए समय अच्छा कहा जाता है। कई लोगों की सेहत में भी उतार-चढ़ाव आ सकते हैं। विपरित लिंग के लोगों के कारण कामकाज में बदलाव होने की भी संभावना है। सुख-सुविधाएं, यात्राएं और शारीरिक सुख संबंधी मामलों में महत्वपूर्ण बदलाव होने की संभावना है।

शुक्र के उपाय

मां लक्ष्मी अथवा मां जगदम्बा की पूजा करें। भोजन का कुछ हिस्सा गाय, कौवे और कुत्ते को दें। शुक्रवार का व्रत रखें और उस दिन खटाई न खाएं। चमकदार सफेद एवं गुलाबी रंग का प्रयोग करें। श्री सूक्त का पाठ करें। शुक्रवार के दिन सफेद वस्त्र, दही, खीर, ज्वार, इत्र, रंग-बिरंगे कपड़े, चांदी, चावल इत्यादि वस्तुएं दान करें।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

शुक्र का वृषभ राशि में प्रवेश करने से राशियों पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

मेष राशि

नौकरीपेशा जातकों को अधिकारियों की तरफ से परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। काम के सिलसिले में विदेश यात्रा पर जाने का योग बन रहा है। गोचर काल में पैसे बचाने में सफल होंगे और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

वृषभ राशि

जीवनसाथी के साथ मिलकर कोई नया बिजनस शुरू कर सकते हैं। बड़े निर्णय आसानी से ले लेंगे और आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों को अच्छी सफलता मिलेगी। कानूनी मामलों में गोचर काल फायदेमंद रहेगा।

मिथुन राशि

आप साझेदारी में व्यापार करना चाहते हैं तो कुछ समय के लिए यह योजना टाल दें। इस अवधि में एक ओर पैसा कमाने में सफल होंगे तो दूसरी ओर आपको खर्चे भी बढ़ते जाएंगे। आपका झुकाव आध्यात्मिक गतिविधियों की ओर रहेगा।

कर्क राशि

कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि कई क्षेत्रों से धन कमाने के मौके मिलेंगे लेकिन आपको खर्चों में भी बढ़ोतरी होने की आशंका बन रही है। लव लाइफ में किसी वजह विवाद का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह राशि

आर्थिक लाभ के तो योग बनेंगे लेकिन पारिवारिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। भाई-बहनों के साथ किसी तरह की विवाद की स्थिति बन सकती है। अच्छे अवसरों की प्राप्ति होगी।

कन्या राशि

नया वाहन या मकान खरीद सकते हैं। साथ ही घर में शादी विवाह जैसा कोई शुभ कार्य हो सकता है। इस दौरान बिजनस करने वालों को अच्छा लाभ होगा और तरक्की के नए अवसर भी मिलेंगे।

तुला राशि

करियर में अच्छे मुकाम पर पहुंचकर संतुष्टि मिलेगी। हालांकि कार्यस्थल पर अधिकारियों की वजह से मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपके मान सम्मान में अच्छी वृद्धि होगी और अटका धन प्राप्त होगा।

वृश्चिक राशि

भाग्य व पिता पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे आपके अटके हुए सरकारी कार्य पूरे होंगे। करियर में भाग्य का साथ मिलने से अच्छा धन लाभ होगा और नए नए अवसर भी प्राप्त करेंगे।

धनु राशि

आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और पुरानी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से मुक्ति मिलेगी। नार-ाजगी का भी सामना करना पड़ सकता है। सतर्क रहने की सलाह दी जाती है अन्यथा धन हानि की आशंका बन रही है।

मकर राशि

काम की वजह से विदेश भी जाना पड़ सकता है। इस अवधि में भाई-बहनों के साथ रिश्ते मजबूत होंगे और परिवार का माहौल भी अच्छा रहेगा। नौकरी करने वाले अपना कार्य ईमानदारी से करें।

कुंभ राशि

पैतृक संपत्ति से लाभ के योग बन रहे हैं लेकिन पारिवारिक जीवन में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। किसी गलतफहमी की वजह से बड़ा विवाद हो सकता है। व्यापार में आपकी निर्णय लेने की क्षमता का अच्छा लाभ होगा।

मीन राशि

नौकरी में बेहतर अवसर मिलेंगे और भाग्य का साथ मिलने से आमदनी में भी अच्छी वृद्धि होगी।

लव लाइफ आनंदमयी रहेगी और कहीं घूमने का प्लान भी बना सकते हैं। नई संपत्ति भी खरीद सकते हैं।

शनि पुष्य योग का दुर्लभ संयोग से वृश्चिक सहित अन्य राशियों को होगा लाभ

आज यानी 28 जून शनिवार है और आज चंद्रमा का संचार दिन रात कर्क राशि में होगा। इसके साथ ही शनिवार होने से आज का दिन शनिदेव को समर्पित होगा। आज शनि ग्रह का मीन राशि में गोचर होगा जबकि वह मिथुन राशि में संचार कर रहे गुरु के साथ केंद्र योग का संयोग बनाएंगे। इस पर आज शनि पुष्य योग का दुर्लभ संयोग बनने जा रहा है। इसके साथ ही कर्क राशि में चंद्रमा और बुध मिलकर शुभ योग का निर्माण करेंगे। इस पर आज पुष्य नक्षत्र में हर्ष योग का भी संयोग बनेगा। यही नहीं आर्द्रा नक्षत्र के दूसरे चरण में आज गुरु का प्रवेश होगा। इस पर आज शनिवार होने की वजह से आज शनि ग्रह का प्रभाव रहेगा। जिससे आज के दिन का महत्व और भी बढ़ जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार आज आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि रहेगी जबकि गुप्त नवरात्रि का भी तीसरा दिन होगा। ऐसे में आज शनिवार का दिन शनि पुष्य योग और शनि देव की कृपा से वृश्चिक सहित 5 राशियों के जातकों के जीवन में सौभाग्य और लाभ लेकर आएगा। आपके काम सफल होंगे और मान सम्मान में भी बढ़ोतरी होगी। परिवार में भी सुख शांति रहेगी।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के जातकों के लिए आज शनिवार का दिन शुभ रहने वाला है। आज आपको कारोबार में इच्छित सफलता मिल सकती है। आज आपके आत्मविश्वास में कोई कमी नहीं रहेगी। आप अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए कठिन फैसले लेने से भी नहीं हिचकिचाएंगे। इसके साथ ही आज आप नपा तुला जोखिम लेंगे जिससे आपकी योजनाओं के बारे में प्रतिद्वंद्वी भी पता नहीं लगा पाएंगे। इसके साथ ही आज कारोबार के सिलसिले में छोटी दूरी की यात्रा पर जाने का संयोग बन सकता है। यात्रा आपके लिए सुखद और आनंददायक रहेगी। इसके साथ ही आज आप लेखन, प्रकाशन, शोध आदि के कार्यों में सफलता हासिल कर सकते हैं। आपके मान सम्मान में भी इजाफा होगा। वाणी से आप लोगों को प्रभावित करने में कामयाब होंगे। परिवार में आपके सुख समृद्धि रहेगी। जीवनसाथी के साथ आपका सामंजस्य बना रहेगा।

कर्क राशि – कर्क राशि के जातकों के लिए आज शनिवार का दिन सौभाग्यशाली रहने वाला है। आज आपके अटके हुए काम तेजी से पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको पद-प्रतिष्ठा का लाभ मिल सकता है। आप किसी के बहकावे में नहीं आएंगे बल्कि अपनी बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल करते हुए फैसले लेंगे। जिससे आपके सफल होने के चांस भी बढ़ जाएंगे। आज आपके व्यक्तित्व में अलग तेज दिखाई देगा। किसी विवाद आदि में मध्यस्थता के लिए आपको बुलाया जा सकता है। जहां आप न्यायप्रिय होंगे। नौकरी-पेशा जातकों की आज रोजगार की तलाश पूरी हो सकती है। अगर आपका अपने उच्च अधिकारियों के साथ मतभेद चल रहा था तो आज वह दूर हो सकता है। परिवार में आज आपके सुख शांति रहेगी। आप अपनी इच्छाओं की पूर्ति करने में सफल रहेंगे। इसके साथ ही जीवनसाथी के साथ बाहर घूमने की योजनाओं को पंख लगा सकते हैं। किसी तीर्थयात्रा पर जा सकते हैं।

तुला राशि – तुला राशि के जातकों के लिए आज का दिन उम्मीद से बेहतर रहने वाला है। आज आपको कारोबार में मुनाफे का सौदा मिल सकता है। किसी प्रभावशाली व्यक्ति की मदद से आज आप अच्छा लाभ कमा सकते हैं। आज आप अपने लक्ष्य को पाने के लिए अधिक मेहनत करेंगे। आपकी मेहनत रंग भी लाएगी। नौकरीपेशा जातकों के लिए आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। आपको नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आप भी उच्च अधिकारियों के भरोसे पर खरे उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। खासकर आज सरकारी सेवाओं से जुड़े जातकों को अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही आज आपके सामाजिक दायरे में भी विस्तार होगा। आप कोई उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। जिसका जश्न मनाने के लिए घर पर छोटी मोटी कोई पार्टी कर सकते हैं। परिवार में जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज शनिवार का दिन स्पेशल रहने वाला है। खासकर आज आपको किस्मत का भरपूर साथ मिलेगा। आज आपके कार्यों में तेजी आएगी। अगर कहीं आपका धन फंसा हुआ है तो आज आपका पैसा वापस मिल सकता है। आज आप कारोबार के विस्तार की योजना बना सकते हैं। आपको सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। सोचे हुए काम पूरे होंगे। दोस्तों की मदद से आपको धन लाभ के नए मौके मिल सकते हैं। खासकर आज कारोबार की दृष्टि से आप लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। यात्रा आपके लिए सफल साबित होगी। सफलता के झंडे गाड़ने से आपकी कीर्ति में भी इजाफा होगा। लोग आप पर अधिक भरोसा जताएंगे। विद्यार्थियों के लिए भी आज का दिन अच्छा रहने वाला है। उच्च शिक्षा से जुड़ी परेशानियां दूर हो सकती हैं। पूजा पाठ में आपका मन लगेगा। परिवार में माहौल अच्छा रहेगा। वैवाहिक जीवन खुशहाल रहेगा।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के जातकों के लिए आज शनिवार का दिन लाभ कमाने के नए अवसर लेकर आएगा। आज आपको कारोबार के विस्तार करने के नए मौके मिलेंगे। आप इन्हें भुनाने के लिए अतिरिक्त प्रयास भी करेंगे, जिसमें आपको सफलता प्राप्त होगी। आपको अगर अपने करियर को नई दिशा देने के लिए आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था तो आज के दिन आपकी ये परेशानियां भी दूर हो सकती हैं। आपको कहीं से लोन आदि मिल सकता है। आपकी सफलता को देखकर आपके विरोधी आपसे ईर्ष्या करेंगे लेकिन आपका कुछ बिगाड़ नहीं पाएंगे। अगर कोर्ट कचहरी के मामलों में फंसे हैं तो आज के दिन आपको राहत मिल सकती है। सेहत के लिहाज से भी आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। परिवार में आज आपके सुख शांति बनी रहेगी। माता पिता का आशीर्वाद लेकर घर से निआजें। जीवनसाथी की तरफ से आपको जितना हो सकेगा सहयोग ही मिलेगा।

कुंभ राशि के लिए आज शनिवार के उपाय : आज किसी बुजुर्गों और रोगियों की सेवा करें या उनकी सेवा के लिए धन का दान करें। इसके साथ ही आज हनुमान चालीसा और शनि चालीसा का पाठ करें। इससे आपके दुख दूर होंगे।

शनिवार को काली मिर्च के उपाय करने से धन-संपत्ति में होगी वृद्धि, शनि दोष से मिलेगी मुक्ति

शनिवार का दिन शनिदेव को समर्पित माना जाता है। ऐसे में भक्त इस दिन शनि मंदिर जाते हैं और शनिदेव की विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसा करने से जातक को शनिदेव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। वहीं, शास्त्रों में शनि दोष से मुक्ति और धन-संपत्ति में वृद्धि के लिए भी शनिवार के कई उपाय व टोटके बताए गए हैं। अगर इनमें से एक भी विधिपूर्वक आजमा लिया जाए, तो व्यक्ति को जीवन की कई समस्याओं से निजात मिल सकती है। ऐसे में आज हम आपको शनिवार के लिए कुछ चमत्कारी काली मिर्च के टोटके बताने जा रहे हैं, जिन्हें करने से व्यक्ति की सोई किस्मत भी चमक सकती है और शनि दोष से मुक्ति मिलती है।

नजर दोष दूर करने और धन प्राप्ति का उपाय

अगर आपके घर का कोई सदस्य या आप नजर दोष का सामना कर रहे हैं, तो इसके लिए शनिवार के दिन एक पात्र में सरसों तेल और 7 काली मिर्च के दाने डालें। अब इसमें अपनी छाया देखें और फिर, घर के पास किसी शनि मंदिर में जाकर उस तेल और काली मिर्च का दान कर दें। इस एक टोटके को करने से नजर दोष से मुक्ति मिलती है और फिजूलखर्ची भी कम होने लगती है। अगर आप शनिवार के दिन विधि पूर्वक इस टोटके को करते हैं, तो इससे धन-संपत्ति में वृद्धि होती है और शनि की साढ़े साती व ढैय्या के प्रभाव भी कम होते हैं।

जीवन की बाधाएं दूर करने का उपाय

शनिवार को शनिदेव की पूजा करने के साथ-साथ आप इस दिन एक आसान टोटका भी कर सकते हैं। अगर आपके जरूरी कार्यों में बार-बार बाधाएं आती रहती हैं या जीवन में कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो यह टोटका आपके लिए चमत्कारी साबित हो सकता है। इसके लिए एक काले रंग के साफ वस्त्र में 7 काली मिर्च और एक रुपये के सिक्के डालें। अब इसे शनि मंदिर में लेजाकर चढ़ाएं और वहां विधि-विधान से शनिदेव की पूजा करें। इसके बाद, चढ़ाई हुई पोटली को वापस उठा लें और अपने घर के मंदिर में लेजाकर रख दें। इससे जीवन की बाधाओं से मुक्ति मिल सकती है और बिगड़े काम भी बनने लगते हैं।

शनि दोष से मुक्ति पाने का उपाय

इसके लिए शनिवार के दिन 6 प्रकार के अलग-अलग अनाज को अपने सिर के ऊपर से घुमाएं और फिर, काली मिर्च के कुछ दाने लेकर उन्हें भी सिर के ऊपर से घुमा लें। अब आखिरी में सभी चीजों को एक बार अपने माथे पर लगाएं और फिर, पैर के अंगूठे पर स्पर्श कराएं। ऐसा करने के बाद सभी अनाज और काली मिर्च को लेजाकर बहते हुए नदी में प्रवाहित कर दें। इस टोटके को करने से जातक को शनि दोष से मुक्ति मिल सकती है और जीवन से नकारात्मकता दूर होने लगती है। साथ ही, यह टोटका करने से जातक को बुरी नजर से भी छुटकारा मिल सकता है और जीवन में सकारात्मकता आती है।

घर से दरिद्रता दूर करने का उपाय

शनिवार के दिन शनिदेव के साथ-साथ पीपल के पेड़ की पूजा करने का भी खास महत्व होता है। ऐसे में अगर आप इस दिन पीपल के पेड़ के पास काली मिर्च का एक आसान टोटका कर लें, तो इससे घर से दरिद्रता दूर होने लगती है। इसके लिए सूर्यास्त के समय पीपल के पेड़ के नीचे दीपक में काली मिर्च डालकर जलाएं। इस एक टोटके को करने से जातक को गृह क्लेश से मुक्ति मिल सकती है और घर में हमेशा शांति का माहौल बना रहता है। माना जाता है कि पीपल के पेड़ के नीचे दीपक में काली मिर्च डालकर जलाने से जीवन में तरक्की पाने के मार्ग खुल सकते हैं।

जीवन में सुख-समृद्धि का उपाय

शनिवार को शाम के समय एक पात्र में 7 या 11 काली मिर्च और 2 तेज पत्ते डालकर जलाएं। अब इसके धुएं को पूरे घर में दिखाएं और फिर, पात्र को घर के किसी कोने में लग दें। अगले दिन सुबह आप इसे किसी बहते हुए जल में प्रवाहित कर सकते हैं। इस टोटके को करने से घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और पैसों की तंगी से भी निजात मिल सकती है। माना जाता है कि शनिवार को काली मिर्च के इस टोटके से जातक के जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही, करियर और कारोबार में भी उन्नति हासिल होती है।

कर्ज की समस्या से मुक्ति पाना चाहते हैं तो करें यह उपाय

शनिवार का दिन न्याय के देवता शनि देव को समर्पित होता है। इस दिन विधि विधान से शनिदेव की पूजा-अर्चना की जाती है। शनि देव को न्याय का देवता भी कहा जाता है। अतः अच्छे कर्म करने वाले लोगों पर शनिदेव की कृपा-दृष्टि हमेशा बनी रहती है। उनकी कृपा से व्यक्ति के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली आती है। साथ ही करियर और कारोबार को नया आयाम मिलता है। ज्योतिषियों की मानें तो शनि की कुदृष्टि पड़ने से जीवन में केवल अमंगल ही होता है। व्यक्ति को जीवन में ढ़ेर सारी मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। वह कर्ज में डूबता चला जाता है। अगर आप भी कर्ज की समस्या से निजात पाना चाहते हैं, तो शनिवार के दिन ये उपाय करें।

शनिवार के दिन करें ये उपाय

* अगर आप कर्ज से मुक्ति पाना चाहते हैं, तो शनिवार के दिन शमी के पेड़ की पूजा करें। पूजा में शमी के पेड़ को काली उड़द और तिल अर्पित करें। इस उपाय को करने से कर्ज की समस्या दूर होती है।

* आर्थिक तंगी से निजात पाने के लिए घर की पूर्वोत्तर दिशा में शमी का पौधा लगाएं। साथ ही रोजाना शमी के पेड़ की पूजा करें। ऐसा करने से शनि के अशुभ प्रभावों से छुटकारा मिलता है।

* अगर आप करियर और कारोबार में तरक्की पाना चाहते हैं, तो हर शनिवार को शमी के पौधे में जल का अर्घ्य दें। इससे करियर में मन मुताबिक सफलता मिलती है।

* शनिवार के दिन शमी के पेड़ की पूजा करने से देवों के देव महादेव प्रसन्न होते हैं। साथ ही शमी के पत्तों को अपने पर्स में रखें। ऐसा करने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

* अगर आप न्याय के देवता शनिदेव को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो शनिवार के दिन उड़द दाल, काले तिल, छाता, काले जूते आदि चीजों का दान करें। शनिवार के दिन दान करने से घर में आय और भाग्य में वृद्धि होती है।

संपादकीय

अमरीकी हमले के बाद

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान और पूरी दुनिया को झांसे में रखा और रविवार सुबह 4.30 बजे ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों पर 14 'बंकरफोड़ बम' गिरा कर साबित कर दिया कि वह इजरायल के पाले में हैं। उनकी जुबान पर भरोसा न किया जाए, क्योंकि उन्होंने दो सप्ताह के बाद निर्णय लेने का बयान दिया था। जब वह ऐसा बयान दे रहे थे, तब उनके बी-2 बॉम्बर विमान उड़ान भर चुके थे। ऑपरेशन में 125 विमान शामिल थे और 75 सटीक निशाना लगाने वाले हथियार भी थे। पनडुब्बी में करीब दो दर्जन टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें भी थीं। यानी हमले की पूरी तैयारी थी और राष्ट्रपति ट्रंप शांति का राग अलाप रहे थे। अमरीका ने करीब 1.90 लाख किलो के बम गिराए। बमबारी के तुरंत बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के बुनियादी परमाणु कार्यक्रमों का नामोनिशान मिटा दिया गया है। अब युद्ध खत्म कर देना चाहिए। अब ईरान के लिए शांति होगी अथवा त्रासदी। वह तबाही बहुत ज्यादा घातक होगी। ईरान के मित्र-देश रूस के पूर्व राष्ट्रपति मेदवेदेव और ईरान के अधिकृत चेहरों का पलट दावा है कि परमाणु ठिकानों को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा है। जो बेहद संवेदनशील सामग्री, संवर्धित यूरेनियम और अन्य सिस्टम थे, उन्हें तीन दिन पहले ही सुरक्षित जगह पर शिफ्ट कर दिया गया था। ईरान जल्द ही परमाणु हथियार बनाने लगेगा। रक्षा विशेषज्ञ ईरान के परमाणु ठिकानों के भीतर जबरदस्त नुकसान का आकलन कर रहे हैं। उनके अनुसार, 'बंकरफोड़ बम' चट्टान को तोड़ कर अंदर घुसे। ये बम अंदर ही विस्फोट करते हैं। करीब 2 लाख किलो बारूद के विस्फोट और विध्वंस की कल्पना ही की जा सकती है। विशेषज्ञ परमाणु कार्यक्रम को शिफ्ट करने के दावों को असंभव, अव्यावहारिक और बेवकूफाना करार देते हैं। इस हमले से ईरान का परमाणु कार्यक्रम 15-20 साल पीछे धकेल दिया गया है। विशेषज्ञों का एक अलग गुट मानता है कि यदि फोर्डो, नतांज, इस्फहान परमाणु ठिकानों में तबाही हुई है, तो निश्चित रूप से विकिरण होना चाहिए था। विकिरण कहां है? ईरान इतनी जल्दी घुटने टेकने वाला देश नहीं है। उसे लंबी लड़ाई लडने का अनुभव है, लिहाजा वह इस बार भी पलटवार जरूर करेगा। यह देखना होगा कि वह अमरीका पर किस तरह के प्रहार करता है? अभी तो उसने इजरायल के बड़े शहरों में इमारतों को खंडहर बनाया है, लेकिन वह मिसाइल हमले कब तक जारी रख सकता है? बहरहाल विरोधाभासों से यथार्थ तक पहुंचना असंभव है। रूस, चीन, ईरान आदि के आग्रह पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक दरमियानी रात 12.30 बजे के करीब हुई। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की आपात बैठक 23 जून को तय थी। दोनों आपात बैठकों के निर्णयों और निष्कर्षों का विश्लेषण बाद में करेंगे। फिलहाल यह सवाल मौजू और गंभीर है कि अमरीका के घातक, विध्वंसक, कथित बर्बर हमले के बाद ईरान क्या करेगा? युद्ध में ईरान में 950 से अधिक मौतें हो चुकी हैं और 4000 से ज्यादा घायल हैं। यह डाटा बढ़ता जा रहा है। यदि ईरान के परमाणु कार्यक्रम, प्रयोगशालाओं, अनुसंधान केंद्रों, बेहद संवेदनशील प्रयोगों और सर्वर्धित यूरेनियम का वाकई नामोनिशान मिटा दिया गया है, तो पश्चिम एशिया में इजरायल एकमात्र परमाणु शक्ति संपन्न देश रह जाएगा। मध्य-पूर्व में किसी भी देश के पास परमाणु शक्ति नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान को अब युद्ध समाप्त कर देना चाहिए और कूटनीति, संवाद की मेज पर आ जाना चाहिए। अमरीकी हमले के बाद ईरान अब परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) से बाहर आने पर विचार कर रहा है। अनुच्छेद 10 के तहत यह उसका अधिकार है। ईरान के सामने सामरिक विकल्प बहुत सीमित हैं। उसके सामने 'आगे कुआं, पीछे खाई' वाली स्थिति है। हालांकि ईरान की आर्थिक स्थिति के मद्देनजर यह भी चिंता है कि युद्ध को विस्तार न दिया जाए। उसने संसद में प्रस्ताव पारित कर 'होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग' को बंद करने का जो प्रस्ताव पारित किया है, वह आत्मघाती साबित हो सकता है। यह मार्ग बंद होने से दुनिया भर का 26 फीसदी तेल-व्यापार और अन्य समुद्री कारोबार प्रभावित होगा। भारत पर चौतरफा प्रभाव पड़ेंगे, यह विश्लेषण हम लिख चुके हैं। बहरहाल अब यह युद्ध किसी भी तरह रुकना चाहिए। दोनों पक्षों को व्यापक क्षति हो रही है।

ऑपरेशन में 125 विमान शामिल थे और 75 सटीक निशाना लगाने वाले हथियार भी थे। पनडुब्बी में करीब दो दर्जन टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें भी थीं। यानी हमले की पूरी तैयारी थी और राष्ट्रपति ट्रंप शांति का राग अलाप रहे थे। अमरीका ने करीब 1.90 लाख किलो के बम गिराए। बमबारी के तुरंत बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के बुनियादी परमाणु कार्यक्रमों का नामोनिशान मिटा दिया गया है। अब युद्ध खत्म कर देना चाहिए। अब ईरान के लिए शांति होगी अथवा त्रासदी। वह तबाही बहुत ज्यादा घातक होगी। ईरान के मित्र-देश रूस के पूर्व राष्ट्रपति मेदवेदेव और ईरान के अधिकृत चेहरों का पलट दावा है कि परमाणु ठिकानों को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा है। जो बेहद संवेदनशील सामग्री, संवर्धित यूरेनियम और अन्य सिस्टम थे, उन्हें तीन दिन पहले ही सुरक्षित जगह पर शिफ्ट कर दिया गया था। ईरान जल्द ही परमाणु हथियार बनाने लगेगा।

भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के पानी के बंटवारे को लेकर किया गया था

क्या भारत सिंधु जल समझौता रद्द करने वाला है

राजेश कुमार पासी

भारत सरकार ने पाकिस्तान को स्पष्ट रूप से बता दिया है कि जब तक पाकिस्तान की तरफ से आतंकवाद पर लगाम नहीं लगाई जाती, तब तक इस समझौते पर कोई बात नहीं होगी। पाकिस्तान सिंधु जल समझौते को बहाल करने के लिए विभिन्न देशों से गुहार लगा रहा है लेकिन भारत इस मुद्दे पर किसी की सुनने को तैयार नहीं है। अमेरिका और चीन भी इस मुद्दे पर पाकिस्तान के किसी काम नहीं आ रहे हैं। शनिवार को गृहमंत्री अमित शाह ने बयान दिया है कि भारत सिंधु जल समझौते का निलंबन अब वापिस नहीं लेगा। उन्होंने इशारा कर दिया है कि भारत इस समझौते को हमेशा के लिए रद्द करने जा रहा है। इससे पूरा पाकिस्तान बौखला गया है। पाकिस्तान के नेता बिलावल भुट्टो ने बयान दिया है कि अगर भारत पाकिस्तान को पानी नहीं देता है तो पाकिस्तान भारत से जंग करेगा और तीन नहीं बल्कि छह नदियों का पानी हासिल कर लेगा।

बार-बार मोदी सरकार की तरफ से यह बयान आता रहता है कि ऑपरेशन सिंदूर जारी है, सिर्फ उसे रोका गया है। सवाल यह है कि बार-बार मोदी सरकार के मंत्री और नेता ऐसा बयान क्यों दे रहे हैं। इसकी वजह यह है कि सिंधु जल समझौता निलंबित करना भी ऑपरेशन सिंदूर का हिस्सा है और ये लगातार जारी है। इस समझौते को निलंबित करने से पाकिस्तान बहुत परेशान है इसलिए उसके नेताओं के बयान आ रहे हैं कि अगर भारत ने पाकिस्तान की नदियों का पानी रोका तो पाकिस्तान युद्ध के लिए मजबूर हो जायेगा। भारत सरकार ने पाकिस्तान को स्पष्ट रूप से बता दिया है कि जब तक पाकिस्तान की तरफ से आतंकवाद पर लगाम नहीं लगाई जाती, तब तक इस समझौते पर कोई बात नहीं होगी। पाकिस्तान सिंधु जल समझौते को बहाल करने के लिए विभिन्न देशों से गुहार लगा रहा है लेकिन भारत इस मुद्दे पर किसी की सुनने को तैयार नहीं है। अमेरिका और चीन भी इस मुद्दे पर पाकिस्तान के किसी काम नहीं आ रहे हैं। शनिवार को गृहमंत्री अमित शाह ने बयान दिया है कि भारत सिंधु जल समझौते का निलंबन अब वापिस नहीं लेगा। उन्होंने इशारा कर दिया है कि भारत इस समझौते को हमेशा के लिए रद्द करने जा रहा है। इससे पूरा पाकिस्तान बौखला गया है। पाकिस्तान के नेता बिलावल भुट्टो ने बयान दिया है कि अगर भारत पाकिस्तान को पानी नहीं देता है तो पाकिस्तान भारत से जंग करेगा और तीन नहीं बल्कि छह नदियों का पानी हासिल कर लेगा। सिंधु जल समझौता विश्व बैंक की मध्यस्थता से भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के पानी के बंटवारे को लेकर किया गया था। 19 सितम्बर 1960 को कराची में प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किये थे। इस समझौते के तहत सिंधु नदी और उसकी पांच सहायक नदियों सतलुज, ब्यास, रावी, झेलम और चिनाब के पानी को लेकर दोनों देशों ने एक व्यवस्था तैयार की थी। इस समझौते के तहत दोनों देशों ने आपसी सहयोग और सूचना का आदान-प्रदान करने की बात कही थी। इस समझौते के अनुसार सतलुज, ब्यास और रावी का पानी भारत को आवंटित कर दिया गया था और पाकिस्तान को सिंधु, झेलम और चिनाब नदी का 80 प्रतिशत पानी आवंटित किया गया था। देखा जाये तो यह समझौता पूरी तरह से पाकिस्तान के पक्ष में था और भारत को इसका बड़ा नुकसान हुआ। वास्तव में भारत को जिन नदियों का पानी दिया गया उनका पाकिस्तान से कोई सम्बन्ध नहीं था। भारत में ही बहने वाली नदियों का पानी भारत को इस्तेमाल करने के लिए किसी समझौते की जरूरत नहीं थी। जो नदियां भारत की थी, उनका इस्तेमाल तो भारत को ही करना था। समझौता मुख्य रूप से सिंधु, झेलम और चिनाब नदी को लेकर किया गया था। सवाल यह है कि जिन नदियों पर भारत-पाकिस्तान का सांझा अधिकार था, वहां भारत के अधिकार की अनदेखी करते हुए तत्कालीन नेहरू सरकार ने 80 प्रतिशत पानी को पाकिस्तान के हवाले क्यों कर दिया। जब यह समझौता किया गया तो भारत में इसका जबरदस्त विरोध हुआ था लेकिन नेहरू जी ने किसी की

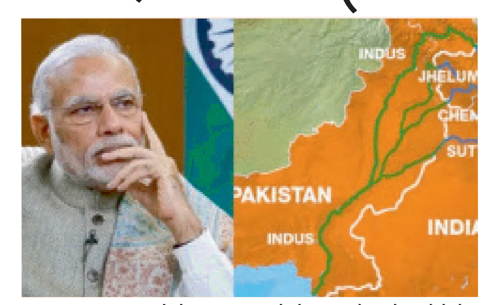

नहीं सुनी। वास्तव में नेहरू जी चाहते थे कि पड़ोसी देश होने के कारण पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंध बने रहे, इसलिए उन्होंने यह समझौता किया। वो शायद सोच रहे थे कि पाकिस्तान को फायदा पहुंचा कर उसे खुश कर देंगे और वो भारत के साथ बेहतर संबंध रखेगा। यही सोच उनकी चीन को लेकर भी थी. उसे उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद की स्थायी सीट थाली में सजाकर दे दी थी। जब अमेरिका द्वारा यह सीट भारत को देने की पेशकश की गई तो उन्होंने चीन को इसके लिए ज्यादा योग्य माना और उसके लिए सिफारिश कर दी। आज भारत इस सीट को पाने के लिए गली-गली भटक रहा है। चीन को खुश करने के लिए ही नेहरू जी ने उसे तिब्बत पर कब्जा करने दिया ताकि वो खुश रहे लेकिन उस चीन ने भारत पर आक्रमण करके भारत की जमीन पर भी कब्जा कर लिया। ऐसे ही सिंधु जल समझौते के तहत भारत ने सांझी नदियों का 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को दे दिया। हैरानी की बात यह है कि भारत ने अपने हिस्से का 20 प्रतिशत पानी भी पाकिस्तान की तरफ जाने दिया। इसके बावजूद पाकिस्तान ने समझौता होने के बाद भारत पर तीन बार युद्ध थोप दिया है। इसके अलावा पाकिस्तान पिछले 45 सालों से भारत को आतंकवाद की आग में जला रहा है। पंजाब में ऐसी आग लगाई कि वो भारत से अलग होते-होते बचा। पाकिस्तान की लगाई आग में जम्मू-कश्मीर अभी तक जल रहा है। इसके अलावा पाकिस्तान भारत के शत्रु राष्ट्रों के साथ मिलकर नई-नई साजिशें करता रहता है। हम अपनी तरफ से इस समझौते का पूरा पालन करते आ रहे हैं लेकिन पाकिस्तान ने इस समझौते का कभी पालन नहीं किया। इस समझौते का आधार ही यही था कि दोनों देश आपस में प्रेम पूर्वक रहेंगे। पाकिस्तान ने इन नदियों के पानी पर अपना पूरा हक मान लिया है इसलिए उसे लगता है कि वो कुछ भी करता रहे, भारत इस समझौते से पीछे हटने वाला नहीं है। इसकी वजह शायद यह है कि तीन युद्धों के अलावा उसके द्वारा फैलाये जा रहे आतंकवाद को अनदेखा करते हुए हम इस समझौते का पालन पूरी ईमानदारी से करते आ रहे हैं। एक सच यह भी है कि इतना पुराना समझौता दो देशों के बीच नहीं टिकता. 65 साल बाद इस समझौते पर दोबारा विचार करने की जरूरत तो वैसे भी महसूस की जा रही थी। मोदी सरकार पाकिस्तान को इस बारे में कई बार सूचित कर चुकी है। 2014 के बाद मोदी सरकार के सत्ता में आने से माहौल बदल गया है। 2016 में उरी में आतंकवादी हमले के बाद ही मोदी जी ने पाकिस्तान को चेतावनी दे दी थी कि अगर पाकिस्तान नहीं संभला तो इस समझौते पर भारत सरकार पुनर्विचार कर सकती है। मोदी सरकार अच्छी तरह जानती थी कि इस समझौते का ज्यादा दिनों तक पालन करना संभव नहीं है, इसलिए इन नदियों का पानी भारत लाने की तैयारी 2016 के बाद से ही शुरू कर दी गई थी। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले एक दिन बाद भारत सरकार ने इस समझौते को निलंबित करने का ऐलान कर दिया था और अभी तक उस पर कायम है। पाकिस्तान को लगा कि भारत के पास पानी रोकने की कोई व्यवस्था नहीं है इसलिए वो चुप रहा। अब उसे धीरे-धीरे पता चल गया है कि भारत इस समझौते को रद्द करके उसे बर्बाद करने की पूरी तैयारी कर चुका है। बेशक हमारे पास आज पानी को रोकने की पूरी व्यवस्था नहीं है लेकिन हम पानी को रोक कर अपनी मर्जी से पाकिस्तान में भेज सकते हैं। हम पाकिस्तान को तब पानी नहीं देंगे जब उसको जरूरत होगी और जब देंगे तो इतना देंगे कि वहां बाढ़ आ जाएगी। इसके अलावा भारत सरकार ने इन नदियों के पानी का बड़ा हिस्सा भारत में लाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसमें कुछ समय लगने वाला है लेकिन जब यह काम हो गया तो पाकिस्तान पानी-पानी चिल्लाने लगेगा। भारत सरकार जानती है कि पाकिस्तान सीधा होने वाला नहीं है इसलिए भारत सरकार अपने काम में जुट गई है। संयुक्त राष्ट्र में भी भारत ने स्पष्ट कह दिया है कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बह सकते। भारत ने पूरी दुनिया को स्पष्ट रूप से समझा दिया है कि पाकिस्तान नहीं सुधरा तो संधि टूट जायेगी और इसकी पूरी जिम्मेदारी पाकिस्तान की होगी। जब इस समझौते के बारे में पूरे देश को पता चल गया है तो मोदी सरकार के लिए भी अब पीछे हटना मुश्किल हो गया है। देश की जनता हैरान है कि ये समझौता क्यों किया गया। सिंधु जल समझौते से मिलने वाला पानी पाकिस्तान के लिए बहुत जरूरी है, इसलिए उसे भारत की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाना चाहिए लेकिन पाकिस्तान ऐसा करने वाला नहीं है। वो भारत को दुश्मन मानता है इसलिए अभी भी वो लड़ने की बात कर रहा है जबकि अभी-अभी वो बुरी से भारत से जंग हार चुका है। हैरानी की बात है कि जिस देश ने घुटनों के बल बैठकर युद्ध-विराम की भीख मांगी हो, वही देश अभी भी युद्ध की धमकी देकर अपनी बात मनवाना चाहता है। मोदी सरकार पाकिस्तान के प्रति बेहद सख्त रुख अपना चुकी है और अब वो बातचीत के लिए भी तैयार नहीं है। मोदी जी ने कहा है कि अब सिर्फ आतंकवाद पर बात होगी। उन्होंने कहा है कि इसके अलावा सिर्फ पाक अधिकृत कश्मीर पर बात होगी। पाकिस्तान से पानी और व्यापार के सम्बन्ध में कोई बात नहीं होगी। अमित शाह ने सही कहा है कि भारत सरकार अब समझौते का निलंबन वापिस लेने वाली नहीं है। इसका सीधा मतलब निकलता है कि जल्दी ही भारत सरकार इस समझौते को सदा के लिए रद्द करने की घोषणा कर सकती है। मेरा मानना है कि पाकिस्तान के पास अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है. वो अगर अभी भी सुधर जाता है तो भारत से इस समझौते के तहत कुछ हासिल कर सकता है। अगर भारत ने इन नदियों का पानी अपने देश में लाने का प्रबन्ध कर लिया तो भारत से पाकिस्तान को कुछ भी हासिल करना मुश्किल हो जायेगा।

देश दुनिया से

कमतर न आंकिए भारत की विकास यात्रा को

वर्ष 2014 में भारत 2.07 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी। 2025 में, हम मात्र 11 वर्षों में 4.18 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर की जीडीपी के साथ चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवी सुब्रमण्यम ने कुछ समय पहले इस संबंध में एक बयान दिया है। अंतरराष्ट्रीय तुलना के लिए, एक और आंकड़ा जो सार्वभौमिक रूप से स्वीकार किया जाता है, वह है क्रय शक्ति समता के संदर्भ में जीडीपी। क्रय शक्ति समता के पैमाने पर, भारत बहुत पहले ही (वर्ष 2011 में) दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका था। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि भारत में भारतीय रुपए की क्रय शक्ति डॉलर के बाजार मूल्य से लगभग चार गुना अधिक है। विश्व बैंक के अनुसार 2014 में भारत की जीडीपी (पीपीपी) लगभग 7.4 डॉलर थी, जो 2025 में बढक़र 17.4 ट्रिलियन डॉलर हो गई है। आज जब यह साबित हो गया है कि डॉलर के बाजार मूल्य के लिहाज से भी भारत की जीडीपी दुनिया में चौथे स्थान पर पहुंच गई है, तो इसका जश्न मनाने के साथ-साथ यह समझना भी जरूरी है कि यह कैसे संभव हुआ और कैसे हम समकालीन दुनिया और इतिहास से सीख लेकर अपनी अर्थव्यवस्था को और मजबूत बना सकते हैं। जबकि, भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पिछले एक दशक में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, कुछ हलकों में, यह बात उठती है कि चाहे, हमने जीडीपी में जापान को पीछे छोड़ दिया है, जापान की प्रति व्यक्ति आय अभी भी भारत की प्रति व्यक्ति आय से 11.6 गुना अधिक है, लेकिन अगर हम पीपीपी के आधार पर इन दोनों देशों की प्रति व्यक्ति आय की तुलना करते हैं, तो हम पाते हैं कि जापान की प्रति व्यक्ति आय भारत के प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का मुश्किल से 4.16 गुना है। एक और दृष्टिकोण यह है कि हमें उपलब्धि का जश्न मनाने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि भारत अभी भी प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में 136वें स्थान पर है, और यहां तक कि क्रय शक्ति समता में हम दुनिया के 190 देशों की सूची में 119वें स्थान पर हैं। लेकिन ये संख्याएं जितना छुपाती हैं, उससे कम बताती हैं। जैसे कि हम भारत की प्रति व्यक्ति आय से अधिक प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद वाले देशों में रहने वाली वैश्विक जनसंख्या पर एक नजर डालें, जो 3.54 बिलियन है, जो विश्व की जनसंख्या का मुश्किल से 43 प्रतिशत है। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद की दृष्टि से हमसे ऊपर के 'देशों की संख्या' गिनना उचित नहीं होगा, क्योंकि हमसे ऊपर के देश अधिकतर उच्च आय और मध्यम आय वाले देश हैं, और उनकी संख्या बड़ी है, यद्यपि उन देशों में रहने वाली जनसंख्या काफी कम है। जनसंख्या की दृष्टि से 18 बड़े देश हैं, जिनका प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद भारत से अधिक है, जिनकी कुल जनसंख्या लगभग 3.4 अरब है, और शेष 100 देशों की कुल जनसंख्या लगभग 14 करोड़ (0.14 अरब) है। डॉलर के बाजार मूल्य के साथ-साथ पीपीपी के संदर्भ दोनों में प्रति व्यक्ति आय की उच्च वृद्धि दर की बदौलत भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है, और इसकी रैंकिंग में बेहतरी हो रही है। 2014 में, डॉलर के बाजार मूल्य में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में भारत 190 देशों में से 147वें स्थान पर था, लेकिन 2025 में इसकी स्थिति में सुधार होकर भारत का स्थान 136वां हो गया है। तथा पीपीपी के संदर्भ में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद, जो 2014 में 126वें स्थान पर था, अब 190 देशों में 119वें स्थान पर पहुंच गया है। एक और बात, हमें निरपेक्ष रूप से अपनी आबादी के कल्याण के बारे में विस्तार से बताने की जरूरत है, और उन देशों के भी कल्याण के बारे में जो प्रति व्यक्ति जीडीपी में काफी ऊपर हैं कि निरपेक्ष गरीबी को कम करने और अत्यधिक गरीबी को लगभग समाप्त करने में भारत की उपलब्धियां उल्लेखनीय हैं। यूएनडीपी की परिभाषा के अनुसार, सबसे उल्लेखनीय सुधार हम बहुआयामी गरीबी में भारी कमी के रूप में देखते हैं। वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) 2015 (2005-06 और 2011-12 के आंकड़ों पर आधारित) के अनुसार,. भारत की लगभग 41.3 प्रतिशत आबादी बहुआयामी रूप से गरीब थी। पोषण, बाल मृत्यु दर, स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्वच्छता और खाना पकाने के ईंधन में प्रमुख अभाव रहे। ग्रामीण गरीबी, शहरी गरीबी से काफी अधिक होने के साथ, भारत में दुनिया के बहुआयामी गरीबों का 30 प्रतिशत से अधिक हिस्सा था। यूएनडीपी की रिपोर्ट के अनुसार 2005-2006 से 2019-2021 तक भारत का बहुआयामी गरीबी सूचकांक (कुल 1.000 में से) 0.283 से गिरकर सिर्फ 0.069 रह गया है, जो शायद बहुआयामी गरीबी का सामना कर रहे देशों में सबसे तेज गिरावट है। दिलचस्प बात यह है कि यूएनडीपी ने इस उपलब्धि के लिए भारत की प्रशंसा भी की। अगर हम अत्यधिक गरीबी (2.15 अमेरिकी डॉलर की दैनिक आय वाले लोग) को देखें, तो विश्व बैंक (2022) और आईएमएफ के अनुसार, भारत ने वैश्विक मानकों के अनुसार अत्यधिक गरीबी को लगभग समाप्त कर दिया है।

कुछ अलग

रुको, गुरु जी आते हैं

परौर में गुरुजी आते हैं, तो संगत की आलीशान सवारियां पूरी कोशिश में रहती हैं कि ट्रैफिक की फटीचर स्थिति से कांगड़ा के दो चार दिन बर्बाद हो जाएं। प्रदेश में मेहमान जी आते हैं, तो हमारे रास्ते छोटे और स्थानीय नागरिक बौने हो जाते हैं। हम पर्यटन की गाडियां तब गिनते हैं, जब शिमला की रफ्तार को कोई बंधक बना देता है। शिमला में पचास हजार वाहन रोजाना, इसे किस्मत कहें या पर्यटन के भविष्य का खजाना। अटल टनल से गुजरना अब एक कयामत है या कबायली इलाकों की नई जीवनशैली की रगड़ में अभ्यस्त होने की एक इल्तिज़ा। दो महीने में दो लाख वाहनों के रिकार्ड में अटल टनल का नजारा उस धुएं से भी पूछ लेना जो सुरंग की छाती से चस्पां होता है। हम पर्यटन के काबिल हैं, वाहनों के प्रबंधन के कतई नहीं। कांगड़ा शहर में कयामत का एक चौक है।

आप का नजरिया

न्यू नार्मल है बेढंगी बात

पिछले अंक का शेष भाग पर मजबूरी में देश पिछले ग्यारह सालों से...जी की मन की बात सुनता आ रहा है। आप चाहें तो इसे फालतू बात भी कह सकते हैं। पर मन की बात हो या फालतू बात, इससे देश को क्या मिला? आज तक किसी को पता नहीं लगा। बस...जी को पता है कि उनकी कुरसी पक्की है। उनके अलावा जिन्हें पता लगा या जिन्होंने जानने की कोशिश की, वे देशद्रोही घोषित हो गए या फिर किसी को बिना बताए पाकिस्तान चले गए। हो सकता है कि अब आप कहें कि यह क्या बात हुई? अगर पाकिस्तान ही जाना था तो यहां रहने में क्या बुराई है। सिर्फ दस सालों में ही हम उस मुकाम तक पहुंच चुके हैं, जहां पहले पाकिस्तान खड़ा था। दस सालों में पाकिस्तान से अपनी तुलना करते-करते हमने अपने आपको पाकिस्तान के स्तर तक ला खड़ा किया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पूरी दुनिया हमें उसके मुकाबिल रख कर देख रही है। दुनिया की नजर में पाकिस्तान अब आतंकवाद को समर्थन देने वाला देश नहीं रहा। उसे आईएमएफ लोन दे रहा है और एशियन विकास बैंक भी। उसे संयुक्त राष्ट्र में आतंक विरोधी समिति का उपाध्यक्ष बनाया जा चुका है। पर हमें लगता रहा कि हम मन की बात या फालतू बात से समाज और देश के साथ दुनिया को भी अपनी शर्तों पर हांक लेंगे। पर डींगें मारते हुए विकसित भारत के सपने देखने से हमारे पक्ष में कुछ भी न हुआ। हम चीन को झूला झुलाते हुए लोरियां गाते रहे और वह पाकिस्तान की गोद में जाकर सो गया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसने पाकिस्तान के साथ मिलकर भारतीय आकाश में ख़ूब फुलझडियां छोड़ीं। तुर्किए और अजऱबाईजान पाकिस्तान के साथ तुतक-तुतक तूतियां गा रहे हैं। चार दिनों तक चले इस संघर्ष का हासिल ट्रंप चचा की बेढंगी बात पर जाकर ख़त्म हुआ। आतंकवाद बनाम व्यापार की लड़ाई में व्यापारी की रगों में दौडऩे वाला व्यापार ही जीता। यूं भी हमारे... जी फरमाते हैं कि व्यापारी सैनिक से बेहतर होता है। कहने को यह बात बेढंगी लगती है। पर सभी जानते हैं कि जब तक देश सुरक्षित नहीं होगा, व्यापार नहीं हो सकता। लेकिन...जी ने सैनिक और व्यापारी पर जो कहा था, वह गूगल बाबा के पेट में सुरक्षित है। आप जब चाहें और जितनी बार चाहें, उसे निकाल कर सुन सकते हैं। हां, ऑपरेशन सिंदूर के बाद हम अठबे बनने के चक्कर में एकबे बन कर लौट आए। इससे पहले क्या हम दुबे थे, मुझे इस पर संदेह है। लेकिन हम स्वघोषित विश्व गुरु तो हैं ही। बुरा हो फिरंगियों का, जो हमारे विरुद्ध साज़िश रचते रहते हैं। अब यह उनके दिमाग का फितूर है या हमारे, इस पर मन की बात में चर्चा की जा सकती है। अब व्यापार का ढंग ही नया ढंग है। बाकी सब मन की बात है या फालतू बात। ग्लोबल वल्ड में व्यापारी का अपना कोई देश नहीं होता। जिधर की हवा हो, वह उधर का रुख़ कर लेता है। इलोन मस्क की ट्रंप टैको से न पटी तो दोनों सडक़ों पर कुत्ते-बिल्ली की लड़ाई पर उतर आए। फिर व्यापारिक समझौता होने पर गलबहियां डाल कर सो गए। जहां तक मेरी जानकारी है अमरीकी संसद में कुत्ते-बिल्ली की लड़ाई वाली सुविधा उपलब्ध नहीं। यह सुख तो भारत में ही लूटा जा सकता है। लोकशाही के नाम पर कभी राजशाही करने वाले नवाज़ शरीफ और शेख़ हसीना के उदाहरण हमारे सामने हैं। सालों सत्ता का आनंद लेने वाले अब विदेशों में बैठ कर खऱबों में गुलाटियां मार रहे हैं। कई तरह के बिजनेस में लगाया आम जनता के टैक्स का पैसा उनके पास फायदे की शक्ल में वापस भी आ रहा होगा। वक्त इसी रफ्तार से आगे बढ़ा तो हो सकता है कि हमारे देश के कुछ नाम भी इसी सूची में शामिल हो जाएं। फकीरों का क्या भरोसा? किसी दिन देश को बिना बताए मन की बात करते हुए अपने झोले में दुनिया भर के बैंकों के एटीएम डाल कर कहीं निकल लें।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पूरी दुनिया हमें उसके मुकाबिल रख कर देख रही है। दुनिया की नजर में पाकिस्तान अब आतंकवाद को समर्थन देने वाला देश नहीं रहा। उसे आईएमएफ लोन दे रहा है और एशियन विकास बैंक भी। उसे संयुक्त राष्ट्र में आतंक विरोधी समिति का उपाध्यक्ष बनाया जा चुका है। पर हमें लगता रहा कि हम मन की बात या फालतू बात से समाज और देश के साथ दुनिया को भी अपनी शर्तों पर हांक लेंगे। पर डींगें मारते हुए विकसित भारत के सपने देखने से हमारे पक्ष में कुछ भी न हुआ। हम चीन को झूला झुलाते हुए लोरियां गाते रहे और वह पाकिस्तान की गोद में जाकर सो गया।

दृष्टि कोण

सत्ता का लोभ और वैचारिक प्रस्थापनाएं

परिवार के उदय के साथ ही परिवार की सुरक्षा का सवाल पैदा हुआ, जिससे सुरक्षा देने में समर्थ व्यक्ति, परिवारों के समूह कबीले को सुरक्षा देने के लिए सरदार के रूप में सत्तासीन हुआ। विभिन्न कबीले जीवनयापन के संसाधनों के लिए आपस में संघर्ष करते रहते थे। उस संघर्ष में जीवनयापन के संसाधनों की रक्षा भी एक चुनौती थी, जिससे पार पाने के लिए भी सरदार के रूप में सत्ता द्वारा समाधान के प्रयास हुए। यानी सत्ता का उदय सुरक्षा और समस्या समाधान के लिए हुआ। ठंड-बारिश से सुरक्षा, जंगली जानवरों से सुरक्षा भी सामूहिक प्रयास के बिना संभव नहीं थी। समूह को इकठ्ठा रखने और कार्य अभिमुख करने के लिए किसी आदेश देने वाले की जरूरत थी। इससे सरदार की स्थिति और मजबूत होती गई। कालांतर में कबीलों के समूहों में बड़े टकरावों से सुरक्षा के आयाम बदलते गए। इससे कई कबीलों को नियंत्रित करके सुरक्षा का आश्वासन देने वाले राजाओं और बादशाहों का उदय हुआ। इससे अलग-अलग तरह की तानाशाहियो का उदय हुआ। धार्मिक तानाशाहियों का भी युग रहा। यूरोप में चर्च, अरब, ईरान, तुर्किए और मध्य पूर्व में खिलाफत, भारतीय भूखंड में राजा को विष्णु का प्रतिनिधि माना जाता था। यूरोप में चर्च के साथ संघर्ष के बाद प्रजातंत्र का विकास हुआ, जिसकी नींव फ्रांसिसी क्रांति से पड़ी। इसी दौर में औद्योगिक क्रांति हुई, जिससे औद्योगिक शोषण का आरंभ हुआ और उसके निराकरण के लिए वामपंथ का उदय हुआ। हालांकि वामपंथ का लक्ष्य व्यक्ति की स्वतंत्रता था जिसके लिए धीरे-धीरे राज्य की सत्ता का लोप होना था। किन्तु हुआ इसके उल्टा। सत्ता एक दलीय शासन को बचाने के लिए अत्यधिक मजबूत होती गई, और भीषण हिंसक तानाशाही में परिवर्तित हो गई। इससे मोहभंग की स्थिति बनी, तो कल्याणकारी राज्य के सिद्धांत के साथ प्रजातंत्र का नए रूप में उदय हुआ। वामपंथ के लोप की स्थितियां बनने लगी हैं। वर्तमान में प्रजातंत्र, आधा अधूरा वामपंथ, सैनिक तानाशाही, धार्मिक तानाशाही जैसी शासन प्रणालियां दुनिया में देखने को मिल रही हैं। आदिकाल से वर्तमान तक सभी शासन प्रणालियों में एक बात सांझा है, कि सभी शासन व्यवस्थाओं के टिकने के लिए प्रजा के बड़े भाग का प्रत्यक्ष या परोक्ष समर्थन होता है। समर्थन लेने के लिए एक तो ऐसी समस्याओं को हल करके शासन को दिखाना होता है जिसका डंक आम आदमी अनुभव कर रहा होता है, जिसमें सुरक्षा और रोजी-रोटी की उपलब्धता मुख्य है। जैसे जैसे मनुष्य समाज विकसित होता जा रहा है तो आर्थिक और रोजी-रोटी की समस्याओं के अतिरिक्त सांस्कृतिक, सामाजिक, ज्ञानार्जन और भावनात्मक मुद्दे भी महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। इसलिए शासक वर्ग इस प्रयास में रहता है कि समस्या समाधान के अतिरिक्त भावनात्मक मुद्दों के माध्यम से प्रत्यक्ष या परोक्ष जन समर्थन जुटा कर रखे। धर्म तंत्रात्मक शासन व्यवस्थाएं धर्म खतरे में होने का कथानक लोगों को परोस कर पीछे चलाने का प्रयास करती हैं। सैनिक तानाशाही व्यवस्थाएं विदेशी सैनिक आक्रमणों का खतरा दिखाती रहती हैं। कुछ भाषायी लोप, सांस्कृतिक लोप, इतिहास के गलत वर्णन और स्थापन जैसे भावनात्मक मुद्दों के आधार पर टिके रहने के प्रयास करते रहते हैं। वर्तमान स्थिति इतनी पेचीदा हो गई है कि आर्थिक व्यवस्थाओं को संभालने के लिए भी कई तरह के भावनात्मक कथानक प्रचारित करके अपने-अपने शासन को टिकाए रखने के प्रयास होते हैं। क्योंकि समस्याएं इतनी ज्यादा और पेचीदा हैं कि उनमें से कई तो हल होने योग्य ही नहीं होती। उनसे ध्यान भटकाने के लिए नई अवास्तविक समस्याओं के कथानक घडऩे पड़ते हैं। इतना तो तय है कि आज के युग में शासन परिवर्तन के लिए कथानक घडऩे और प्रस्थापित करने में चतुर राजनेता ज्यादा सफल हो जाते हैं और समस्याओं के समाधान में गंभीर प्रयास करने वाले पिछड़ जाते हैं। जो प्रस्थापनाएं प्रसिद्ध हो जाती हैं और बहुमत की मान्यता प्राप्त कर लेती हैं, उन्हें ठीक मान लिया जाता है, भले ही वे समाज के लिए ठीक न हों। शासन व्यवस्थाओं का यह प्रयास रहता है कि समाज सरकार पर ज्यादा से ज्यादा निर्भर हो जाए। सरकार पर निर्भर समाज शासकों के लिए नियंत्रित करने के लिए आसान होता है। समाज स्वयं अपनी समस्याओं का समाधान करने की जितनी ज्यादा शक्ति अर्जित कर लेगा, उतना ही ज्यादा वह स्वतंत्र होगा। इसे ही गांधी जी ने स्वावलंबन कहा है। इसी से धीरे धीरे स्वतंत्रता बढ़ती जाएगी। गांधी जी ने इसे शासन मुक्ति कहा। वामपंथ ने भी इससे मिलती जुलती स्थिति की परिकल्पना की थी और उसे राज्य व्यवस्था का मुरझाना कहा था। किन्तु वर्तमान व्यवस्थाएं इससे उलटी दिशा में ही चल रही हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आर्थिक दृष्टि से आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको धन लाभ तो हो सकता है लेकिन इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। इस राशि के छात्र–छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। आप मोबाइल या टीवी पर आवश्यकता से अधिक समय जाया कर सकते हैं। लगता है कि आपका जीवनसाथी आज बहुत ख़ुश है। आपको सिर्फ़ वैवाहिक जीवन से जुड़ी उसकी योजनाओं में मदद करने की ज़रूरत है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

इस राशि के बड़े कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है। घर में किसी भी तरह का बदलाव करने से पहले अपने बड़ों की राय लें, नहीं तो वे आपसे नाख़ुश और नाराज़ हो सकते हैं। बिजली कटौती या फिर किसी अन्य वजह से आपको सुबह तैयार होने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन जीवनसाथी की ओर से इससे निबटने में काफ़ी मदद मिलेगी। जिन दोस्तों से अरसे से मुलाक़ात नहीं हुई है, उनसे मिलने के लिए सही समय है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौक़ा है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं। आपके जीवनसाथी का आन्तरिक सौन्दर्य बाहर भी पूरी तरह महसूस होगा। किसी भी काम को करने से पहले यह जान लें कि इसका परिणाम आपके ऊपर कैसा पड़ेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सेहत को लेकर ज़्यादा देखभाल की ज़रूरत है। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है। आपको कोई सरप्राइज़ मिल सकता है। आज कोई उलझन आपको दिन भर तंग कर सकती है। इस उलझन को दूर करने के लिए आपको अपने घर वालों से बात करनी चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़ास लोग ऐसी किसी भी योजना में रुपये लगाने के लिए तैयार होंगे, जिसमें संभावना नज़र आए और विशेष हो। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं ।अपने साथी पर किया गया संदेह एक बड़ी लड़ाई का रूप ले सकता है। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है। संयमपूर्वक अपनी योजना को अन्तिम रुप दें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। आपकी निजी ज़िंदगी के बारे में दोस्तों से आपको अच्छी सलाह मिलेगी। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज आपको कुछ अनोखा उपहार मिल सकता है। किसी को काम देने से पहले उस काम के बारे में आपको खुद भी जानकारी एकत्रित कर देनी चाहिए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। जीवन साथी की किसी बात को गंभीरता से न लेने की स्थिति में विवाद हो सकता है। कारोबारी में मुनाफ इस राशि के कारोबारियों के लिए आज सुनहरे सपने के सच होने जैसा होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

सेहत से जुड़े कार्यक्रमों को फिर से शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। प्रोपर्टी से जुड़े लेन–देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। दोस्त शाम के लिए कोई बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन ख़ुशनुमा कर देंगे। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दाँत का दर्द या पेट की तक़लीफ़ आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। आपका लापरवाह रवैया आपके माता–पिता को दुःखी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। आपके किये गये कामों को आज आपके सीनियर्स के द्वारा सराहा जाएगा जिससे आपके चेहरे पर भी मुस्कान दौड़ जाएगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका रूख़ा बर्ताव आपके जीवनसाथी का मूड ख़राब कर सकता है। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएँ। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। रोमांचक दिन है, क्योंकि आपका प्रिय आपको तोहफ़े/उपहार दे सकता है। आज आप अपने जीवनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक्त बिता सकते हैं। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा। आज का दिन तनाव से मुक्त रहने की कोशिश करें, इसलिए आराम करने पर ज़ोर दें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

बच्चों के साथ आप सुकून पाएंगे। बच्चों की यह क्षमता कुदरती है और न केवल आपके परिवार के बच्चों में, बल्कि हर बच्चे में यह गुण होता है। वे आपको सुकून और राहत दे सकते हैं। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। आज काम तनावभरा और थकाऊ होगा, लेकिन दोस्तों का साथ आपको ख़ुशमिज़ाज और ज़िंदादिल बनाए रखेगा। आज के दिन अपने प्रिय की भावनाओं को समझें। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है। आज आप किसी दोस्त या करीबी रिश्तेदार से अपने दिल के गम साझा कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सेहत से जुड़े कार्यक्रमों को फिर से शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुपस्थिति में महसूस करेंगे। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 28 जून 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया प्रातः 09:56 तक
नक्षत्र : पुष्य प्रातः 06:36 तक
योग : हर्षण सायं 07:15 तक
करण : गर प्रातः 09:56 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:37 ,सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल प्रातः 06:37 से , भद्रा रात्रि 09:29 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से बढ़ेगी कृषि उत्पादकता : भजनलाल

जयपुर, 27 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हम प्रदेश की आधारभूत संरचना, शिक्षा, कृषि और उद्योग क्षेत्र में नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए ठोस और दीर्घकालिक बदलाव ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि में एआई के उपयोग से किसानों की उत्पादकता बढ़ेगी, युवा अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगारपरक बनेंगे तथा निवेश अनुकूल औद्योगिक वातावरण से प्रदेश में उद्योग के परिदृश्य में अभूतपूर्व सकारात्मक बदलाव आएगा।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर कृषिगत सुधार, मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित करने तथा युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खेती में एआई को बढ़ावा देने के लिए हमने इस वर्ष के बजट में 'सेंटर ऑफ एक्सिलेंस ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन एग्रीकल्चर' की स्थापना की घोषणा की है। इसके माध्यम से आधुनिक तकनीक का उपयोग कर इस क्षेत्र की चुनौतियों को दूर किया जा सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कृषि क्षेत्र में कौशल प्रशिक्षण को बढ़ाया जाए, जिससे कृषि में गुणात्मक वृद्धि हो सके तथा युवाओं के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर भी उपलब्ध हो सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निवेशकों के लिए अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार द्वारा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन, उद्योग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न नीतियां लागू करना, सिंगल विण्डो प्रणाली का प्रभावी क्रियान्वयन जैसे निर्णयों से प्रदेश में निवेश अनुकूल औद्योगिक वातावरण तैयार किया गया है। इसी क्रम में प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्र में लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाने और कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए राजस्थान लॉजिस्टिक पॉलिसी 2025 लागू की गई है। उन्होंने कहा कि बजट वर्ष में 2025-26 में डीएमआईसी (दिल्ली मुम्बई इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर) से लिंक करते हुए लॉजिस्टिक पार्क स्थापित किए जाने की घोषणा की गई है। जो राज्य की लॉजिस्टिक्स क्षमता को नई ऊंचाइयां देगा। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को 'फ्यूचर रेडी-इंडस्ट्री रेडी' बनाने के लिए कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि युवाओं को विश्व स्तरीय रोजगारपरक प्रशिक्षण देने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं।

इस दौरान राज्य में कृषि के क्षेत्र में एआई आधारित सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस स्थापित करने, शिक्षा के क्षेत्र में पॉलिटेक्निक स्किल डेवलपमेंट सेंटर तथा मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित करने के संबंध में प्रस्तुतीकरण भी दिया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण एवं संबंधित विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने दिए प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के निर्देश

ई-फाइलिंग, समयबद्ध निस्तारण और हरियाली अभियान पर जोर

जयपुर, 27 जून (एजेंसियां)। राज्य के प्रशासनिक कार्यों की निगरानी और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्य सचिव सुधांश पंत ने सीओएस बैठक में सभी प्रशासनिक अधिकारियों को कार्यालय समय की पाबंदी और त्वरित निस्तारण पर नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए है ।

मुख्य सचिव ने बैठक में सभी प्रशासनिक सचिव अपने अधीनस्थ कार्यालयों में कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति और प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए है । साथ ही विभागीय आयुक्तालयों, बोर्डों और निगमों में ई-फाइलिंग को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए है,जिससे ताकि शासन कार्यों में पारदर्शिता और तीव्रता लाई जा सके। बैठक में राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय आयोजनों में सहभागिता अनिवार्य के लिए सभी अधिकारिओं को कार्मिक विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार इन आयोजनों में भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है ।

मुख्य सचिव ने निवेश को बढ़ावा देने के लिए उद्योग विभाग को अन्य विभागों के साथ समन्वय कर निवेश संबंधी प्रक्रियाओं को सुगम बनाने के निर्देश दिए गए है । बैठक में लोक विश्वास विधेयक पर सभी विभागों को विधि विभाग को 30 जून 2025 तक प्रस्तावित विधेयक पर अपनी राय, संशोधन अथवा शून्य सूचना अनिवार्यतः भेजने को कहा गया है । वहीं मुख्य सचिव ने पीएम गति शक्ति योजना को सभी सेक्टर्स में लागू करने के निर्देश दिए है ।

भजनलाल ने विधानसभा अध्यक्ष देवनानी को दी बधाई

जयपुर, 27 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और विधान सभा में प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली और प्रदेश के कई मंत्रीगण, विधायकगण, सांसदगण अन्य जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और मीडिया प्रतिनिधियों ने राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को फ्रांस और जर्मनी की सफल अध्ययन यात्रा और उनके विवाह की 50 वीं वर्षगांठ के लिए अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की है। सहकारिता मंत्री गोतम दत्त और प्रतिपक्ष के नेता जूली ने विधान सभा पहुँचकर देवनानी को पुष्प गुच्छ भेंट कर बधाई दी।

फ्रांस और जर्मनी यात्रा सार्थक उपयोगी और ज्ञानवर्धक रही : देवनानी

जयपुर, 27 जून (एजेंसियां)। राजस्थान विधान सभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ के तत्वावधान में 17 से 25 जून तक फ्रांस और जर्मनी की अपनी अध्ययन यात्रा को सार्थक उपयोगी, लाभप्रद और ज्ञानवर्धक बताया है। उन्होंने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि मेरी यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों की संसदीय प्रक्रियाओं पद्धतियों तथा परम्पराओं एवं स्थानीय संस्कृति का अध्ययन करना था।

देवनानी ने इस यात्रा के अनुभव और संस्मरणों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दोनों देशों में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में हो रही प्रगति और नवाचारों को लेकर सकारात्मक भाव देखा गया और भारत के साथ आतंकवाद के खिलाफ सहयोग और काउन्टकर टेररिज्म पर दोनों देश भारतीय दृष्टिकोण के साथ एक मत दिखाई दिये। देवनानी ने बताया कि फ्रांस और जर्मनी दोनों देशों में भारत की संसद की तरह लोअर हाउस और अपर हाउस की लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं है लेकिन इन देशों में संसदीय चुनाव की पद्धतियां पृथक-पृथक है। फ्रांस में चुनावों में मिलने वाले मत प्रतिशत के आधार पर अपर हाउस के सदस्यों का मनोनयन होता है। वहीं जर्मनी में स्थानीय निकाय के मेयर ये कार्य करते है । साथ ही स्थानीय प्रशासन को भी वे ही संचालित करते है । वहां पृथक से कोई राज्यों की व्यवस्था नहीं है।

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि यूरोप के देशों में विशेषकर जर्मनी में योग और पर्यावरण के प्रति विशेष समर्पण और अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए भारत के प्रति आभार का भाव देखा गया। वहां विशेष रूप से योग को स्वास्थ्य से जोडकर देखा जाता है। जर्मनी में अधिकांश नागरिक सडकों पर साईकिलों से आवागमन करते है तथा वे अपने आप को स्वस्थ रखने के प्रति अधिक जागरूक है।

आरती सिंह राव ने की रेवाड़ी और नारनौल के निर्माणाधीन अस्पतालों के कार्यों की समीक्षा

चंडीगढ़, 27 जून (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव ने चंडीगढ़ में रेवाड़ी व नारनौल जिलों में स्वास्थ्य संस्थानों में चल रहे निर्माण कार्यों को लेकर विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में विशेष रूप से अस्पतालों की सुरक्षा, निर्माण की प्रगति, उपयोगी बुनियादी ढांचे और जरूरी सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया, ताकि राज्य के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और मरीजों को सुविधाजनक अनुभव मिल सके। बैठक में रेवाड़ी जिला अस्पताल की समीक्षा के दौरान मंत्री ने फायर एनओसी के लंबित मामले को उठाया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि अग्निशमन विभाग से समन्वय कर शीघ्र आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त की जाएं। उन्होंने भू-सीमा निर्धारण प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए अधिकारियों को निर्देश भी दिए और उपायुक्त रेवाड़ी से भी बातचीत की।

मंत्री ने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि अस्पताल में चल रहे सभी मरम्मत कार्य जुलाई के अंत तक पूर्ण कर लिए जाएं। उन्होंने अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर को जोड़ने वाले फुट ओवरब्रिज के निर्माण की समीक्षा करते हुए 15 जुलाई तक सभी चार लिफ्टों की स्थापना व संचालन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने रेवाड़ी अस्पताल की मॉर्चरी (शवगृह) के उन्नयन योजना को भी प्राथमिकता देते हुए बताया कि इसे सोमवार तक मुख्य वास्तुविद द्वारा अनुमोदित कर दिया जाएगा।

कर्मचारियों पर बिना किसी चर्चा और सुझाव के जबरदस्ती थोपी जा रही यूपीएस : हुड्डा

चंडीगढ़, 27 जून (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि सरकार जबरदस्ती कर्मचारियों पर यूपीएस थोप रही है। जबकि कर्मचारी ना ही यूपीएस से सहमत हैं, ना ही एनपीएस से उनकी मांग सिर्फ और सिर्फ ओपीएस की है।

केंद्र सरकार की तर्ज पर राज्य कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए हरियाणा कैबिनेट ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम लागू करने की घोषणा की गई। यह स्कीम पेंशन स्कीम न होकर एक पेआउट स्कीम है, जो कि बजट में स्पष्ट लिखा गया है। पे-आऊट का अर्थ है, एकमुश्त राशि जमा करवाने या निवेश करने पर प्राप्त लाभ का भुगतान करना।

केंद्र सरकार पहले ही 1 अप्रैल 2025 से 30 जून 2025 तक केंद्रीय कर्मचारियों को यूपीएस चुनने का विकल्प दे चुकी है। लेकिन अभी तक 30 लाख केंद्रीय कर्मचारियों में से केवल 20 हजार कर्मचारियों द्वारा ही यूपीएस का विकल्प चुना गया है। इससे स्पष्ट होता हैं कि कर्मचारियों की मांग एनपीएस और यूपीएस नहीं केवल और केवल ओपीएस है।

क्योंकि, ओपीएस स्वचालित डीए संशोधन और वेतन आयोगों के कार्यान्वयन के साथ पेंशन के रूप में अंतिम मूल वेतन का 50% गारंटी देता है। जबकि यूपीएस केवल तभी 50% पेंशन प्रदान करता है, जब सेवा कम से कम 25 वर्ष हो और कई शर्तें पूरी होती हों। ओपीएस में पेंशन के लिए कर्मचारी को अपनी तरफ से कोई अंशदान नहीं देना पड़ता जबकि यूपीएस में कर्मचारी को पूरे सेवाकाल के दौरान अपने वेतन और डीए का दस प्रतिशत अंशदान देना पड़ता है और सेवानिवृत्ति पर भी वापिस नहीं किया जाता।

मुख्यमंत्री सैनी की अध्यक्षता में 718 करोड़ के अनुबंधों को मंजूरी

चंडीगढ़, 27 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (एचपीपीसी), तथा हाई पॉवर्ड वर्क्स परचेज कमेटी (एचपीडब्ल्यूपीसी) की बैठक में लगभग 718 करोड़ रुपये से अधिक के कॉन्ट्रैक्ट और विभिन्न वस्तुओं की खरीद को मंजूरी दी गई। बैठक में विभिन्न बोलीदाताओं से नेगोसिएशन के बाद दरें तय करके लगभग 26 करोड़ रुपये से ज्यादा की बचत की गई है। बैठक में कैबिनेट मंत्री महीपाल ढांडा, विपुल गोयल, श्याम सिंह राणा, रणबीर गंगवा और श्रुति चौधरी उपस्थित रहे।

बैठक में हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ट्रांसमिशन लाइन टावरों और सब-स्टेशन संरचनाओं के विनिर्माण एवं आपूर्ति, एचटी भूमिगत लाइनों इत्यादि के लिए भी लगभग 132 करोड़ रुपए के रेट कॉन्ट्रैक्ट को मंजूरी दी गई। इसके अलावा, जिला अंबाला के तहत नारायणगढ़ डिवीजन में रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत एग्रीगेट टेक्निकल एंड कमर्शियल लॉस (एटी एंड सी) को कम करने के लिए डिस्ट्रीब्यूशन इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए भी मंजूरी प्रदान की गई। इस पर लगभग 53.86 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

बैठक में पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा पशुओं में गलघोटू और मुंह खुर बीमारी से बचाव के लिए एफएमडी पल्स एचएस दोहरी वैक्सीन की लगभग 220 लाख खुराक की खरीद को भी मंजूरी दी गई। इस पर लगभग 73.45 करोड़ रुपए की लागत आएगी। बैठक में जानकारी दी गई कि हरियाणा प्रदेश वर्तमान में इन दोनों बीमारियों से मुक्त है और लगातार इनके बचाव के लिए वैक्सीन अभियान भी चलाया जा रहा है। यह टीकाकरण वर्ष में 2 बार 6-6 माह के अंतराल में किया जाता है।

बैठक में बेहरामपुर में मौजूदा 120 एमएलडी एसटीपी का अपग्रेडेशन करके शुद्ध किए जाने वाले पानी की गुणवत्ता को ओर अधिक बढ़ाने की परियोजना को भी स्वीकृति दी गई। इसके लिए लगभग 33.88 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इसके अलावा, गुरुग्राम शहर में मौजूदा 100 एमएलडी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट को अपग्रेड करने तथा 75 एमएलडी क्षमता वाले टर्शरी उपचार संयंत्र की स्थापना इत्यादि के कार्यों को भी मंजूरी दी गई। इस पर लगभग 51.34 करोड़ रुपए की लागत आएगी।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि ट्रीटेड पानी के उपयोग को बढ़ाने के लिए प्रयास किए जाएं। उद्योगों को उनकी जरूरतों के अनुरूप यह शोधित पानी की आपूर्ति की जाए ताकि वे स्वच्छ पानी के उपयोग को कम कर सकें और भूजल दोहन न हो सके। बैठक में शीतला माता देवी मेडिकल कॉलेज, सेक्टर-102ए, खेड़की माजरा, गुरुग्राम के लिए लगभग 26.95 करोड़ रुपये की गैर - मेडिकल उपकरणों की खरीद और रखरखाव को भी मंजूरी दी गई। इसके अलावा, शहर में द्वारका एक्सप्रेस वे के साथ साथ विभिन्न स्थानों पर रीसाइकिल पाइप लाइन के स्थानांतरण कार्य को भी मंजूरी प्रदान की गई। इस पर लगभग 14.90 करोड़ रुपए की लागत आएगी। बैठक में फरीदाबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी की परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गई। फरीदाबाद में जलापूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाई जाएगी। इससे एनआईटी और बल्लभगढ़ क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलेगा। इस परियोजना पर लगभग 13.85 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

साथ ही, फरीदाबाद शहर में मास्टर सीवरेज और ड्रेन लाइनों की सफाई व रखरखाव के लिए भी मंजूरी दी गई। इस परियोजना पर लगभग 21.35 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसके अलावा, सिटी बस सर्विस के तहत इलेक्ट्रिक बसों के लिए फरीदाबाद के सेक्टर-61 में बस डिपो का निर्माण किया जाएगा। इसमें चार्जिंग स्टेशन की भी व्यवस्था होगी। इसके लिए 18.48 करोड़ रुपये की मंजूरी प्रदान की गई।

मॉक पार्लियामेंट में बोले उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

लोकतंत्र मजबूत करने में युवाओं की भागीदारी निर्णायक

कानपुर, 27 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने में युवाओं की भागीदारी निर्णायक सिद्ध हो रही है। लोकतंत्र को और अधिक मजबूत एवं सशक्त करने का यही समय है, सही समय है।

देश के प्रत्येक नागरिक के खून में लोकतंत्र समाया हुआ है। लोकतंत्र सेनानियों ने आपातकाल लगाकर संविधान का दुरुपयोग करने का माकूल जवाब दिया था। 25 जून 1975 को आपातकाल थोपकर नागरिक अधिकारों का हनन किया गया था। वह दुर्भाग्यपूर्ण कालखंड था। उप मुख्यमंत्री शुक्रवार को कानपुर में सीएसएम विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित मॉक पार्लियामेंट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित किया। बीटेक ऑडिटोरियम में भारतीय संविधान के प्रति जागरूक करने वाली लगाई गई प्रदर्शनी का भी डिप्टी सीएम मौर्य ने अवलोकन किया।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र निर्माण की दिशा में जब युवा शक्ति सोचती है, तो देश की दिशा और दशा बदल जाती है। यह जागरूकता, यह चेतना, यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक जन आंदोलन का स्वरूप ले चुकी है, जिसमें लोकतंत्र के प्रति युवाओं की भागीदारी निर्णायक सिद्ध हो रही है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि लोकतंत्र को अटल व अमर रखने के लिये युवा हमेशा आगे बढ़कर अपना योगदान दें। उन्होने आपातकाल के दौरान लोकतंत्र सेनानियों द्वारा दिखाए गए साहस की चर्चा करते हुए कहा कानपुर की धरती क्रांति एवं सकारात्मक विचारों की धरती है। भारत को पूरी दुनिया में लोकतंत्र की जननी के रूप में जाना जाता है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों और विमर्श का समर्थन किया गया है। वर्तमान सरकार द्वारा लोकतांत्रिक मूल्यों की हमेशा रक्षा की गई है। अब कभी भी भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों को कुचलने नहीं दिया जाएगा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गला नहीं घोंटने दिया जाएगा। इस मौके पर प्रकाश पाल, रमेश अवस्थी, प्रमिला पांडेय, नीलिमा कटियार, महेश त्रिवेदी, अनिल दीक्षित, उपेंद्र पासवान, सुरेश अवस्थी, जय प्रकाश, शिवेंद्र सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

अमिताभ बच्चन की को-एक्ट्रेस को नहीं मिला बिजली कनेक्शन

लखनऊ, 27 जून (एजेंसियां)। सुपर स्टार अमिताभ बच्चन के साथ गुलाबो-सिताबो फिल्म में काम कर चुकीं अभिनेत्री सुजाता सिंह को लखनऊ स्थित उनकी दुकान में बिजली कनेक्शन नहीं मिल रहा। सुजाता सिंह और उनके पति अर्जुन सिंह ने लखनऊ सेंट्रल जोन के मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल और चौक सर्किल के अधीक्षण अभियंता रमेश कुमार पांडेय से मुलाकात कर बिजली कनेक्शन दिए जाने की मांग की। मुख्य अभियंता ने बताया कि सुजाता सिंह यहियागंज में जिस जगह पर बिजली कनेक्शन मांग रही, उस पर उन्हीं के नाम से 58 हजार रुपए से ज्यादा के बिल की देनदारी है।

दरअसल, सुजाता सिंह का परिवार उस परिसर में निवास कर रहा था। हालांकि, सुजाता सिंह ने यह स्वीकार किया, उनके नाम से बिजली कनेक्शन पर बिल की देनदारी की जानकारी नहीं थी।

परिसर के मालिक सुधाकर बाजपेयी ने अधिशासी अभियंता कार्यालय को लिखित रूप से कहा है कि उनकी अनुमति के बिना सुजाता सिंह को दुकान में बिजली कनेक्शन न दिया जाए। सुजाता सिंह ने बाकी बिल को किस्तों में भरने का आश्वासन दिया है।

नागरिक सुविधा दिवस में सुजाता सिंह के द्वारा बिजली कनेक्शन न दिए जाने की व्यथा को सुनाया था तो ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने इस प्रकरण पर लेसा से रिपोर्ट तलब की थी। लेसा के द्वारा ऊर्जा मंत्री को इस संबंध में शुक्रवार को जो रिपोर्ट भेजी गई उसमें इन्हीं दोनों कारणों का उल्लेख करते हुए दस्तावेज संलग्न किए गए हैं। फिल्म अभिनेत्री सुजाता सिंह को बिजली कनेक्शन न दिए जाने को लेकर किया गया ट्वीट समाजवादी पार्टी को भारी पड़ गया है। सुजाता सिंह ने इस ट्वीट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बहुत ही निंदनीय है।

मैं भाजपा की वरिष्ठ कार्यकर्ता और शक्ति प्रकोष्ठ की संयोजक के साथ ही भाजपा में सुजाता कटारिया के नाम से मेरी पहचान है। सपा ने उनका सहारा लेकर भाजपा को बदनाम करने की साजिश रची है।

काशी में बोले केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान

संविधान में धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद शब्द की जरूरत नहीं

वाराणसी, 27 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कहा कि धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद शब्द को संविधान में बाद में अपने फायदे के लिए जोड़ा गया है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इन दोनों शब्दों को भारत के संविधान से हटाया जाना चाहिए। आपातकाल विषय को लेकर शिवराज सिंह ने कांग्रेस को इन दोनों शब्दों के लिए खूब लताड़ा।

उन्होंने कहा कि अपने फायदे के लिए बाद में इसे संविधान में जोड़ दिया गया, जबकि इसकी कोई जरूरत नहीं थी। भारत की संस्कृति का इससे कोई संबंध नहीं है।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को संगठन द्वारा तय आपातकालीन कार्यक्रम के तहत काशी पहुंचे। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उनके आगमन पर भारतीय जनता पार्टी काशी क्षेत्र अध्यक्ष दिलीप पटेल के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक अंदाज में माल्यार्पण कर कृषि मंत्री का अभिनंदन किया।

अब बरेली में बनेगा नाथ कॉरिडोर परियोजना को मंजूरी मिली

पशुपतिनाथ मंदिर और गोगा जाहरवीर मेला स्थल का होगा विकास

लखनऊ, 27 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बरेली के प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर के विकास कार्यों को मंजूरी मिली है। यह परियोजना नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत चलाई जाएगी। योजना के तहत मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण किया जाएगा, आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा तथा श्रद्धालुओं के लिए आधुनिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इसके लिए करीब 2.30 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत हुई है। इसी प्रकार, जनपद बिजनौर में गोगा जाहरवीर मेला स्थल का पर्यटन विकास कार्य लगभग 38 लाख रुपए की धनराशि से होगा।

यह जानकारी उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार नाथ कॉरिडोर सहित अन्य परियोजनाओं पर कार्य कर रही है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना है, बल्कि स्थानीय लोगों को भी आधुनिक और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। बरेली और बिजनौर जनपद की स्वीकृत परियोजनाओं पर करीब दो करोड़ 68 लाख रुपए से पर्यटन विकास कार्य होंगे।

गौरतलब है, कि बरेली का पशुपतिनाथ मंदिर नेपाल के प्रसिद्ध पशुपति नाथ मंदिर की तर्ज पर बना है। यहां बड़ी संख्या में भक्त दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर में 108 प्रकार के छोटे से लेकर बड़े शिवलिंग हैं। सावन के महीने में शिव भक्तों के लिए यह आकर्षण का केंद्र रहता है। दूर-दराज के इलाकों से भक्त मंदिर में जल चढ़ाने आते हैं। पर्यटन के लिहाज से भी पशुपतिनाथ मंदिर महत्वपूर्ण स्थल है। नाथ कॉरिडोर के इस महत्वपूर्ण गंतव्य के पर्यटन विकास कार्य के लिए करीब दो करोड़ 30 लाख रुपए की राशि स्वीकृत हुई है।

इसी तरह, बिजनौर के फीना गांव में लगने वाले गोगा जाहरवीर मेला स्थल का भी पर्यटन विकास किया जाएगा। इस परियोजना के लिए, लगभग 38 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत हुई है। जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से धार्मिक स्थल के आधारभूत ढांचे एवं सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। फीना गांव में लोक देवता जाहरवीर का मेला भाद्रपद माह में लगता है। फीना गांव मिट्टी के बर्तनों के लिए भी प्रसिद्ध है।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि बरेली और बिजनौर जनपद में स्वीकृत परियोजनाओं के तहत करीब 2.68 करोड़ रुपए की लागत से पर्यटन विकास कार्य कराए जाएंगे। इन परियोजनाओं से क्षेत्रीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। पर्यटन विभाग का निरंतर प्रयास है कि प्रदेश के लोकप्रिय स्थलों के साथ-साथ अल्पज्ञात जगहों को भी मुख्यधारा में लाया जाए। विभाग का उद्देश्य है कि पर्यटन का संतुलित विकास करते हुए पर्यटन क्षेत्र की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करें।

मणिपुर से तस्करी कर लाते थे कीमती लकड़ियां

गाजियाबाद में पकड़े गए शहजाद और शोएब

गाजियाबाद, 27 जून (एजेंसियां)। गाजियाबाद में पुलिस ने दो कुख्यात लकड़ी तस्करों को मणिपुर से तस्करी कर लाई गई बेशकीमती लकड़ियों के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। गाजियाबाद के भोजपुर थाना क्षेत्र में करोड़ों की मणिपुरी सागौन की लकड़ियों से लदे ट्रक को जब्त किया गया और तस्कर शहजाद और शोएब को गिरफ्तार कर लिया गया। ट्रक पर 14 टन बर्मा टीक सागौन लकड़ी स्क्रैप के नीचे छुपा कर रखी गई थी। बरामद की गई लकड़ी की कीमत एक करोड़ से अधिक की बताई गई है। गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान शामली जिले के टपराना निवासी शहजाद और बागपत के टांडा निवासी शोएब के तौर पर हुई है। दोनों आरोपी इंफाल से लकड़ी लेकर मणिपुर और कोलकाता होते हुए हरियाणा जा रहे थे। पुलिस का कहना है कि दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर वन विभाग को भी मामले की जानकारी दे दी गई है।

8800 ईसीसीई एजुकेटरों की भर्ती होगी

लखनऊ, 27 जून (एजेंसियां)। यूपी के परिषदीय व कंपोजिट विद्यालयों में 8800 ईसीसीई एजुकेटरों की भर्ती की जाएगी। इन्हें बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से 11 महीने के लिए नियुक्त किया जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से इन्हें संविदा पर 11 महीने के लिए नियुक्त किया जाएगा। ईसीसीई एजुकेटरों को हर महीने 10313 रुपए मानदेय दिया जाएगा। दूसरी तरफ, अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के 360 अध्यापकों का ऑनलाइन स्थानांतरण किया गया है। उत्तर प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत संस्था प्रधान/प्रवक्ता/सहायक अध्यापक/सहायक अध्यापक (सम्बद्ध प्राइमरी प्रभाग) के ऑनलाइन स्थानांतरण का परिणाम जारी कर दिया गया है। यह जानकारी अपर निदेशक, माध्यमिक शिक्षा श्री सुरेंद्र कुमार तिवारी ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि यह स्थानांतरण प्रक्रिया शिक्षा निदेशालय एवं एनआईसी के सहयोग से पारदर्शी एवं ऑनलाइन माध्यम से संचालित की गई है।

मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को दिया सख्त निर्देश

खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए हर दिन बनेगी रिपोर्ट

लखनऊ, 27 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी में खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए अधिकारियों को निरंतर जांच करने का निर्देश दिया है। दूसरी तरफ अधिकारियों की भी गोपनीय जांच कराई जा रही है। उत्तर प्रदेश में हो रही खाद की कालाबाजारी को देखते हुए कृषि विभाग ने मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी अधिकारियों को फील्ड में उतार दिया है। इन्हें हर दिन रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए हैं। जिला कृषि अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे निरंतर जांच करते रहें। किसी भी स्थान पर यूरिया व डीएपी के साथ जिंक, मैग्नीशियम या अन्य कोई सामग्री लेने का दबाव बनाने वाले दुकानदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें।

प्रदेश में धान मक्का सहित खरीफ की अन्य फसलों की बोआई शुरू हो गई है। ऐसे में खाद की खपत बढ़ गई है। खपत बढ़ने पर विभिन्न स्थानों पर निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर खाद बेचने की शिकायतें मिल रही हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की जांच में इसकी पुष्टि भी हुई है। इसे देखते हुए विभाग ने सभी जिला कृषि अधिकारियों से हर दिन खाद की बिक्री और मौजूदा स्टॉक का ब्यौरा मांगा जा रहा है। फील्ड में उतारे गए अधिकारी गोपनीय तरीके से जिलों में जांच कर रहे हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर गड़बड़ी करने वाले खाद विक्रेताओं और जिले के ला-परवाह अधिकारियों पर कार्रवाई होगी।

सीमावर्ती जिलों में विशेष चौकसी : विभिन्न राज्यों से सटे जिलों में विशेष चौकसी बरती जा रही है। रबी सीजन में मिली शिकायत को ध्यान में रखते हुए आगरा, मथुरा, ललितपुर, महोबा, बांदा, चित्रकूट, सोनभद्र, गाजीपुर, बलिया, देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, बिजनौर, सहारनपुर जिलों में दूसरे राज्यों से लगी सीमा पर स्थित बाजार की विशेष निगरानी की जा रही है। क्योंकि इन्हीं बाजारों से प्रदेश की खाद दूसरे राज्यों में जा सकती है।

प्रदेश की सहकारी समितियों में खाद की कमी है। किसान समिति से ही खाद लेने को वरीयता देते हैं। ऐसे में अब जिलों में निजी कंपनियों की रैक से 40 फीसदी खाद समितियों पर भेजने का निर्देश दिया गया है। कृषि निदेशक डॉ. जितेंद्र सिंह तोमर का कहना है कि खाद की कोई कमी नहीं है। दुकानदार किसानों से ज्यादा कीमत न वसूलें, इसलिए निगरानी बढ़ाई गई है। प्रदेश में करीब 25 लाख मीट्रिक टन खाद उपलब्ध है। विभिन्न कंपनियों की रैक जिलों में पहुंच रही हैं। कोई भी विक्रेता उर्वरक के साथ अन्य उत्पादों की टैगिंग करता है तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

पांच साल में जब्त हुए 4950 करोड़ के मादक पदार्थ

गिरफ्तार किए गए 57 हजार ड्रग ट्रैफिकर

लखनऊ, 27 जून (एजेंसियां)। यूपी में पिछले पांच वर्ष में 4950 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ बरामद किए गए।

इसके साथ ही 50,282 मुकदमे दर्ज कर 57,965 ड्रग ट्रैफिकर को गिरफ्तार किया गया। उत्तर प्रदेश पुलिस ने बीते 5 वर्षों के दौरान 2,82,450 किग्रा मादक पदार्थों की बरामदगी की, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 4950 करोड़ रुपए है।

इस दौरान एनडीपीएस एक्ट के तहत 50,282 मुकदमे दर्ज कर 57,965 ड्रग ट्रैफिकर्स को गिरफ्तार किया गया। साथ ही, मादक पदार्थ की तस्करी करने वालों की 382 करोड़ रुपए की अवैध सम्पत्ति जब्त की गई है।

प्रत्येक वर्ष 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर युवाओं में नशे के विरुद्ध जन जागरूकता को बढ़ाने के लिए सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से सेमिनार, नुक्कड़ नाटक, स्कूल-कॉलेजों के छात्र छात्राओं द्वारा साइकिल रैली, पैदल मार्च आदि का आयोजन किया गया। साथ ही, जनता को समाज में नशा उन्मूलन हेतु अपराधियों और उनके ठिकानों की सूचना देने के लिए भारत सरकार द्वारा 1933 नंबर पर डायल करने की अपील की गई।

बता दें कि सीएम योगी के निर्देश पर अगस्त 2022 से मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का गठन किया गया था। टास्क फोर्स द्वारा अभियान चलाकर अगस्त 2022 से 269 मुकदमे दर्ज करते हुए 744 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिनके पास से 283 करोड़ रुपए कीमत के 29,520 किग्रा मादक पदार्थ बरामद किए गए।

भारत का कतर, दोहा और दुबई को लीची का निर्यात

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। **भारत के बगवानी निर्यात को बढ़ावा देने के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की इकाई कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने पहली बार पंजाब से कतर और दोहा को 1.5 टन लीची का निर्यात किया।**

पठानकोट से कतर के लिए गुलाब की खुशबू वाली लीची की पहली खेप रवाना

इसके अलावा पठानकोट से दुबई और संयुक्त अरब अमीरात को 0.5 मीट्रिक टन लीची का निर्यात किया गया।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि भारत के बागवानी निर्यात को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय के तहत कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने बागवानी विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय तथा पंजाब सरकार के सहयोग से 23 जून को पठानकोट, पंजाब से दोहा, कतर के लिए एक मीट्रिक टन गुलाब की खुशबू वाली लीची की पहली खेप को रवाना करने में मदद की।

इसके अलावा पठानकोट से दुबई, संयुक्त अरब अमीरात को 0.5 मीट्रिक टन लीची का निर्यात भी किया गया, जो दोहरी निर्यात उपलब्धि है और वैश्विक ताजे फल बाजारों में भारत की क्षमता को मजबूत करता है। यह पहल प्राधिकरण द्वारा पंजाब के बागवानी विभाग और लुल्लू ग्रुप के सहयोग से की गई।

राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 के लिए पंजाब का लीची उत्पादन 71,490 मीट्रिक टन रहा, जो भारत के कुल लीची उत्पादन में 12.39 फीसदी का योगदान देता है। इसी अवधि के दौरान भारत ने 639.53 मीट्रिक टन लीची का निर्यात किया। खेती का रकबा 4,327 हेक्टेयर था, जिसकी औसत उपज 16,523 किलोग्राम/हेक्टेयर थी।

उल्लेखनीय है कि सरकार फलों और सब्जियों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रही है। वित्त वर्ष 2024-25 में ये निर्यात साल-दर-साल 5.67 फीसदी बढ़कर 3.87 अरब डॉलर हो गया।

न्यूज ब्रीफ

असम में ओएनजीसी के कुएं से गैस रिसाव को 16 दिन बाद बंद किया गया: हरदीप पुरी

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने असम के शिवसागर जिले में अपने कच्चे तेल के कुएं में 16 दिनों तक जारी गैस रिसाव के बाद हुए विस्फोट को सफलतापूर्वक रोक दिया है। उन्होंने कहा कि इसे बिना किसी जानमाल की हानि के अंजाम दिया गया। हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को 'एक्स' पोस्ट में कहा, ओएनजीसी ने कुआं आरडीएस 147ए के विस्फोट को सफलतापूर्वक रोक दिया है। उन्होंने कहा कि यह विस्फोट 12 जून को शुरू हुआ था और सभी बेहतरीन प्रथाओं का पालन करते हुए कम से कम समय में सफलतापूर्वक रोक दिया गया है। पुरी ने कहा कि कैपिंग बिना किसी चोट, हताहत या आग के पूरी कर ली गई। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने आगे कहा कि ओएनजीसी संकट प्रबंधन टीम ने अंतरराष्ट्रीय कुआं नियंत्रण विशेषज्ञों के साथ मिलकर सावधानीपूर्वक योजना और ठोस प्रयासों के माध्यम से सुरक्षित तरीके से गैस कुआं विस्फोट पर पर्दा डाल दिया, जिससे किसी भी तरह की चोट, हताहत या आग नहीं लगी, जो संकट प्रबंधन की योग्यता को दर्शाता है। उन्होंने इसके लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और राज्य सरकार के अधिकारियों को जमीनी स्तर पर टीमों को उत्कृष्ट और निरंतर समर्थन देने के लिए धन्यवाद भी दिया।

वित्त मंत्री सीतारमण ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा की

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में विभिन्न मापदंडों पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसयू) के प्रदर्शन संबंधी समीक्षा के लिए बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बैठक में पीएसयू बैंकिंग क्षेत्र के प्रदर्शन की समीक्षा की। वित्त मंत्री कार्यालय ने जारी बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक प्रमुखों के साथ बैठक की। वित्त मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के अलावा डीएफएस के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्रायल के वित्तीय सेवा विभाग की ये बैठक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) द्वारा प्रमुख नीतिगत ऋण दर रेपो रेट में अपेक्षा से कहीं अधिक 50 आधार अंकों (0.50 फीसदी) की कटौती करने तथा नीतिगत रुख को समायोज्य से बदल कर तटस्थ करने के कुछ हफ्ते बाद हुई है। आरबीआई ने अपनी नीतिगत समीक्षा में बैंकिंग प्रणाली में तरलता बढ़ाने के लिए अपने नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में भी कटौती की है।

नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत फेयरफैक्स के वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त किये गए

नई दिल्ली। कनाडा के अरबपति प्रेम वत्स की कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स लिमिटेड ने नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत को वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त किया है। पूर्व जी-20 शेरपा अमिताभ कांत की आर्थिक विकास, नवाचार और सतत विकास में व्यापक विशेषज्ञता से भारत में कंपनी के दीर्घकालिक निवेश दृष्टिकोण को महत्वपूर्ण लाभ मिलने की उम्मीद है। कंपनी के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) प्रेम वत्स ने कहा, हम अमिताभ कांत का हमारे फेयरफैक्स परिवार में स्वागत करते हुए बहुत उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि कांत भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान एक महत्वपूर्ण व्यक्ति थे, जिसकी परिणति ऐतिहासिक नई दिल्ली लीडर्स घोषणा के रूप में हुई। वत्स ने कहा कि नीति आयोग के सीईओ के रूप में वे आकांक्षी जिला कार्यक्रम के पीछे एक प्रेरक शक्ति थे, जिसने भारत के कुछ सबसे वंचित क्षेत्रों का उत्थान किया। फेयरफैक्स को उम्मीद है कि फेयरफैक्स इंडिया होल्डिंग्स कॉरपोरेशन (फेयरफैक्स इंडिया) के लिए 2047 तक विकसित भारत पहल में भाग लेने और लाभ उठाने के कई अवसर होंगे, जिसका उद्देश्य भारत को मौजूदा 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था से 30 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था में बदलने में मदद करना है।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। **ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह का माहौल बना रहा। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।**

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.80 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,141.02 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 194.36 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,167.91 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 126.54 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 43,513.38 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ कारोबार करने के बाद आखिरी वक्त में हुई बिकवाली के कारण मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,735.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 150.97 अंक यानी 0.64 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,649.30 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 7,557.31 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजार में से 5 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। इंडोनेशिया स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में कोई कारोबार नहीं हो रहा है। गिफ्ट निफ्टी 0.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,697 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.59 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,961.77 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 624.76 अंक यानी 1.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 40,209.34 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

दूसरी ओर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,429.95 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,441.30 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। सेट कंपोजिट इंडेक्स में बड़ी गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 1.48 प्रतिशत टूट कर 1,090.33 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.95 प्रतिशत फिसल कर 3,050.25 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 24,319.72 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

महिंद्रा लाइफस्पेस को मुंबई में पुनर्विकास परियोजना का ठेका मिला

मुंबई। रियल एस्टेट कंपनी महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड को मुंबई के मुलुंड में एक आवासीय सोसाइटी पुनर्विकास परियोजना का ठेका मिला है। उसे इससे करीब 1,250 करोड़ रुपये की आय की उम्मीद है। महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स, महिंद्रा समूह की रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचा विकास इकाई है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को सूचना दी कि उसे मुंबई के मुलुंड (पश्चिम) में एक प्रीमियम आवासीय सोसाइटी के पुनर्विकास के लिए चुना गया है। 1,250 करोड़ रुपये राजस्व हासिल करने का लक्ष्य इसमें कहा गया कि यह परियोजना 3.08 एकड़ भूमि पर फैली है और इसका अनुमानित विकास मूल्य करीब 1,250 करोड़ रुपये है।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में दोगुनी होगी बीमा राशि

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार का वित्त मंत्रालय प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाय) में जीवन बीमा की राशि डबल करने की योजना पर काम कर रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसके लिए प्रीमियम में भी तब्दीली की जा सकती है। अभी जीवन ज्योति बीमा योजना में 18 से 50 साल के लोगों को साल भर के लिए 2 लाख रुपये का जीवन बीमा मिलता है। इसे बढ़ाकर दोगुना यानी 4 लाख रुपये किया जा सकता है। अभी सालाना प्रीमियम 436 रुपये प्रति सदस्य है, जिसे बढ़ाकर 700 से 800 रुपये के बीच लाने पर भी विचार चल रहा है। अधिकारी ने बताया कि सरकार प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना में भी बीमा की राशि बढ़ाने पर विचार कर रही है। लेकिन अभी इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों की राय ले रही है और देख रही है कि इसे बढ़ाना कितना व्यावहारिक होगा। इस बारे में वित्त मंत्रालय को ईमेल भेजा गया था लेकिन अभी तक उसका जवाब नहीं मिला। सरकारी आंकड़ों से पता चला कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय समावेशन की इन दोनों अहम योजनाओं के सालाना लक्ष्य हासिल नहीं कर सके।

18 से 50 साल के लोगों को साल भर के लिए 2 लाख बीमा मिलता है वह अब 4 लाख होगा

वित्त वर्ष 25 की तुलना में इस बार ऋण वृद्धि में सुधार होने का अनुमान

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 25 के मुकाबले वित्त वर्ष 26 में मामूली बढ़कर 13 से 13.5 प्रतिशत होने का अनुमान है। यह जानकारी इंडिया रेटिंग्स ऐंड रिसर्च (इंड-रा) से मिली है। ऋण वृद्धि हालांकि गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और खुदरा क्षेत्र को ऋण देने में निरंतर मंदी के साथ ऋणों की संरचना में बदलाव की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी को निजी पूंजीगत व्यय से इस गिरावट की भरपाई होने का अनुमान है। इससे कॉरपोरेट क्षेत्र की वृद्धि को समर्थन मिलेगा। इंड-रा के वित्तीय संस्थानों के निदेशक ने कहा कि प्रणाली में सतत सुधार, रीपो दर और नकदी आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में गिरावट होने से अल्पावधि ऋण वृद्धि को मदद मिलने की उम्मीद है।

क्रेडिला फिन ने दाखिल किए आईपीओ के लिए अद्यतन दस्तावेज

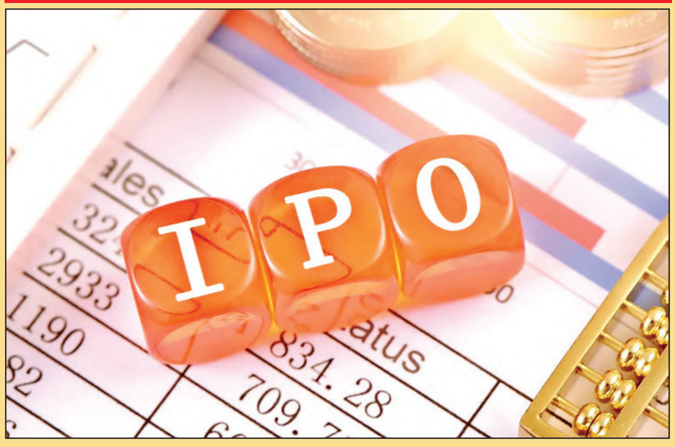

शिक्षा ऋण प्रदाता क्रेडिला फाइनेंशियल सर्विसेज ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 5,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अद्यतन दस्तावेज दाखिल किए हैं। सेबी के समक्ष दाखिल किए गए अद्यतन दस्तावेजों के अनुसार, प्रस्तावित आईपीओ 3,000 करोड़ रुपये के नए शेयर और 2,000 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इससे आईपीओ का कुल आकार 5,000 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। मुंबई स्थित क्रेडिला फाइनेंशियल सर्विसेज आईपीओ से पहले करीब 600 करोड़ रुपये जुटाने की योजना भी बना रही है। ऐसा होने पर नए निर्गम का आकार उसी हिसाब से कम किया जाएगा। क्रेडिला के गोपनीय मार्ग के जरिये दाखिल किए गए दस्तावेजों को पिछले महीने सेबी द्वारा मंजूरी दिए जाने के बाद अद्यतन दस्तावेज दाखिल किए गए।

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने पूर्वोत्तर से कानूनी, टिकाऊ खनन प्रथाओं को बढ़ावा देने का आग्रह किया

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शुक्रवार को पूर्वोत्तर क्षेत्र में निवेश बढ़ाने, नवाचार को बढ़ावा देने और टिकाऊ खनन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए केंद्र-राज्य सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

रेड्डी ने गुवाहाटी के सोनापुर में आयोजित दूसरे पूर्वोत्तर खनन मंत्रियों के सम्मेलन में यह बात कही। रेड्डी ने कहा, हमारा लक्ष्य राज्य सरकारों, अन्वेषण एजेंसियों और सार्वजनिक उपक्रमों के साथ संयुक्त प्रयासों के माध्यम से पूर्वोत्तर में खनन गतिविधियों को बढ़ावा देना है।

उन्होंने अपने संबोधन में भूस्खलन जैसी पर्यावरणीय चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला, जो अक्सर इस क्षेत्र को प्रभावित करती हैं। उन्होंने कहा, भूस्खलन गतिविधियों को रोकने के लिए भारत सरकार, उसके सार्वजनिक उपक्रमों और अन्वेषण एजेंसियों के बीच विभिन्न समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हम खनन क्षेत्र में पूर्वोत्तर राज्यों को प्रोत्साहित करना चाहते हैं।

रेड्डी ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा कि ये सम्मेलन स्थायी खनन, व्यापार करने में आसानी और केंद्र-राज्य तालमेल को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे पूर्वोत्तर क्षेत्र में भविष्य के निवेश, नवाचार और समावेशी विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इससे पहले दिन में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने घोषणा की कि उनकी सरकार जल्द ही एक व्यापक आदेश जारी करेगी, जिसमें केंद्र को असम की खनन क्षमता का पता लगाने की अनुमति दी जाएगी।

क्रिजैक लिमिटेड का आईपीओ 2 जुलाई को खुलेगा, प्राइस बैंड 233-245 रुपए प्रति शेयर

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। **विदेशी शिक्षा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी क्रिजैक लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 2 जुलाई को खुलकर शुक्रवार, 4 जुलाई को बंद होगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 233-245 रुपये प्रति शेयर तय किया है।**

कंपनी ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि अपने पहले आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए 2 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर के लिए मूल्य का दायरा 233-245 रुपये तय किया गया है।

निवेशक इसके लिए न्यूनतम 61 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 61 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं, उसके बाद इसमें 61-61 के मल्टीपल में ही निवेश किया जा सकेगा।

क्रिजैक लिमिटेड का यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) है, जिसके तहत कुल 723 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयर बाजार में उतारे जाएंगे।

इस इश्यू में पिंकी अग्रवाल और मनीष अग्रवाल की ओर से क्रमशः 137 करोड़ रुपये तक के शेयर बेचे जा रहे हैं। कंपनी को इस इश्यू से कोई नया फंड नहीं मिलेगा, बल्कि मौजूदा शेयरधारक ही अपनी हिस्सेदारी बेच रहे हैं।

कंपनी के मुताबिक इस आईपीओ का प्रबंधन इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड और आनंद राठी एडवाइजर्स लिमिटेड कर रहे हैं, जो इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर भी हैं। वहीं, एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को इसका रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। इस ऑफर को बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से लाया जा रहा है, जिसमें 50 फीसदी हिस्सेदारी क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी), 15 फीसदी नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स और 35 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित होगी।

उल्लेखनीय है कि क्रिजैक लिमिटेड एजेंटों और उच्च शिक्षा के वैश्विक संस्थानों के लिए एक बी2बी शिक्षा मंच है जो यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, आयरलैंड गणराज्य, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड (एएनजेड) में उच्च शिक्षा के वैश्विक संस्थानों को अंतरराष्ट्रीय छात्र भर्ती समाधान प्रदान करता है।

कंपनी ने पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान, मुख्य रूप से यूनाइटेड किंगडम, आयरलैंड गणराज्य, कनाडा और यूएसए में उच्च शिक्षा के 173 से अधिक वैश्विक संस्थानों के साथ काम करते हुए 7.11 लाख से अधिक छात्र आवेदनों को संसाधित किया है।

मैनचेस्टर सिटी ने क्लब विश्वकप फुटबॉल में जुवेंटस को हराया

लंदन, 27 जून (एजेंसियां) ।

मैनचेस्टर सिटी ने जुवेंटस एफसी क्लब को 5-2 से हराने के साथ ही विश्व कप क्लब फुटबॉल 2025 के ग्रुप स्तर पर 100 प्रतिशत जीत का नया रिकॉर्ड बनाया है। मैनचेस्टर सिटी को इस जीत के साथ ही ग्रुप जी में पहला स्थान मिल गया है। अब मैनचेस्टर का सामना ग्रुप एच की दूसरे नंबर की टीम से राउंड ऑफ 16 में होगा। मैनचेस्टर फीफा क्लब विश्व कप 2025 के ग्रुप चरण में सभी मुकाबले जीतने वाली अकेली टीम है। उसने अब तक इस टूर्नामेंट में 13 गोल किए हैं जबकि दूसरे नंबर पर 12 गोल के साथ ही एफसी बायर्न म्यूनिख है। जुवेंटस के खिलाफ मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी का नियंत्रण पूरे समय बना रहा।

मैच की शुरुआत के नौवें मिनट में ही मैनचेस्टर ने गोल कर बढ़त हासिल कर ली हालांकि ये अधिक देर तक कायम नहीं रह पायी। केवल दो मिनट बाद सिटी के गोलकीपर एडरसन के आत्मघाती गोली से जुवेंटस बराबरी पर पहुंच गयी। इसके बाद 26वें मिनट में जुवेंटस के डिफेंडर की गलती से हुए गोल से मैनचेस्टर को फिर बढ़त मिल गयी। मैनचेस्टर पहले हाफ में हावी रही।

होव में पहली जीत हासिल करने उतरेगी भारतीय अंडर-19 टीम, इंग्लैंड लॉयंस से होगा मुकाबला

लंदन। भारतीय अंडर-19 टीम से यहां इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ 5 मैचों की यूथ वनडे सीरीज खेलेगी। इसका पहला मुकाबला होव में होगा। इस स्थल पर भारतीय टीम तक कभी नहीं जीती है। ऐसे में उसका लक्ष्य यहां पहली जीत दर्ज करना रहेगा। मोहम्मद अजहरुद्दीन की कप्तानी में भारतीय टीम टीम ने साल 1999 में यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्वकप में एक मैच खेला था पर उसमें टीम को हार का सामना करना पड़ा था। इंडिया अंडर 19 टीम और इंग्लैंड लॉयंस के बीच सीरीज के पांचों वनडे मैच भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 3:30 बजे से खेले जाएंगे। इस सीरीज का पहला एकदिवसीय होव में जबकि बाकी दो मैच नॉर्थेम्प्टन में खेले जाएंगे। वहीं अंतिम दो वनडे वर्सेसेस्टर शॉयर में खेले जाएंगे। इसमें भारतीय टीम की कप्तानी आयुष म्हात्रे के पास रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

ट्रैविस हेड की जुझारू पारी से ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ जगाईं उम्मीदें

ब्रिजटाउन। केनसिंग्टन ओवल में खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार (भारतीय समयानुसार) ट्रैविस हेड की जुझारू बल्लेबाजी ने ऑस्ट्रेलिया को वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में बनाए रखा है। पिच पर तेज गेंदबाजों को लगातार मदद मिल रही है और मैच तीसरे दिन से आगे जाता नहीं दिख रहा। पहली पारी में वेस्टइंडीज ने 190 रन बनाकर 10 रन की मामूली बढ़त हासिल की थी। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी की शुरुआत भी लड़खड़ाई और टीम ने 65 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। हालांकि ट्रैविस हेड और ब्यू वेबस्टर ने मोर्चा संभाला और स्टंप्स तक स्कोर 92/4 तक पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया को अब तक 82 रन की बढ़त मिल चुकी है। हेड, जिन्होंने पहली पारी में टेस्ट का एकमात्र अर्धशतक लगाया था, दूसरी पारी में रक्षात्मक रणनीति अपनाते हुए टिके रहे। अलजारी जोसेफ की एक गेंद उनकी बाईं ग्लव पर भी लगी, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। दिन का खेल खत्म होने तक हेड 13 रन (37 गेंदों पर) और वेबस्टर 19 रन (24 गेंदों पर) बनाकर नाबाद लौटे। पहले दिन जहां 14 विकेट गिरे थे, वहीं दूसरे दिन भी गेंदबाजों का दबदबा जारी रहा और 10 विकेट गिरे। पिच पर अब भी सीम और मूवमेंट मौजूद है जिससे तेज गेंदबाजों को काफी मदद मिल रही है।

डब्ल्यूडब्ल्यई रेसलर रॉस कैंसर से उबरे प्रशंसकों में छायी खुशी

सेन डियागो। डब्ल्यूडब्ल्यई हाल ऑफ फेम रहे रेसलर जिम रॉस ने कहा है कि उनकी कैंसर की बिमारी ठीक हो गयी है। रॉस ने कुछ हफ्ते पहले ही कहा था कि वह कोलन कैंसर से जूझ रहे हैं और इसके लिए उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। इसके बाद रॉस ने कहा कि वह घर पर बैठकर थक गए हैं और अवसरों का लाभ उठाना चाहते हैं। रॉस का कैंसर ठीक होने से उनके फैंस और शुभचिंतकों में खुशी छायी है। रॉस ने नए सत्र में अपने स्वास्थ्य पर जानकारी देते हुए कहा कि उन्हें कुछ सप्ताह पहले ही कोलन कैंसर होने का पता चला था। इसके बाद उन्होंने सर्जरी करारी थी। वहीं अब रॉस ने कहा उनका कैंसर ठीक हो गया है और वह अच्छा अनुभव कर रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि वह घर पर बैठकर थक गए थे और वापस रिंग में आना चाहते हैं। सा ही कहा कि वह 12 जुलाई को आर्लिंग्टन, टेक्सास के ग्लोब लाइफ फील्ड में आगामी एईडब्लयू ऑल इन टेक्सास कार्यक्रम में उपस्थित रहना चाहते हैं।

राहुल ने देश को परिवार से ऊपर रखा : बदानी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच हेमंग बदानी ने बल्लेबाज केएल राहुल की जमकर प्रशंसा की है।

बदानी ने कहा कि राहुल ने दिखाया है कि देश के लिए किस प्रकार खेला जाता है। साथ ही कहा कि सभी को राहुल से सीखना चाहिये। उनके लिए देश परिवार से भी बढ़कर है। हाल ही में वह पिता बना है पर सब कुछ छोड़कर देश के लिए खेलने में लगा है। राहुल मार्च में ही पिता बने थे। वहीं मई में रोहित शर्मा और विराट कोहली और आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के संन्यास लेने के बाद राहुल ने टीम में सबसे अनुभवी होने की जिम्मेदारी संभाली और वह टीम के लिए उपलब्ध रहे। उनपर जिम्मेदारी बढ़ गई। अपेक्षाएं बढ़ गईं पर उन्होंने किसी को निराश न करते हुए सभी को पूरा किया है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही टेस्ट में शतक लगाने के साथ ही नये कप्तान शुभमन गिल को भी समय-समय पर सलाह दी। बदानी ने कहा, मुझे यह बहुत अच्छा लगा जब उसने कहा था कि में दौरे के लिए इंग्लैंड जल्दी जाना चाहता हूं। मैं वहां अभ्यास मुकाबले भी खेलना चाहता हूं। ये भी तब जब वह कुछ माह पहले ही पिता बना है। वह चाहता तो परिवार के साथ रह सकता था पर उससे देश को परिवार से ऊपर रखा। बदानी ने कहा, वह आसानी से कह सकता था- मैं कोई साइड गेम नहीं खेलूंगा। मैं सीधे टेस्ट मैच खेलूंगा पर उसने ऐसा नहीं किया। राहुल ने इंडिया ए के अलावा इंट्रा-स्क्वाड मैच भी खेला। बदानी ने कहा, मुझे याद है, टेस्ट सीरीज से पहले केएल ने कहा था, मुझे इस टीम की फिक्र है और मैं उसके साथ जाना चाहता हूं।

एफआईएच प्रो लीग

चीन से 'करो या मरो' मुकाबले में भिड़ेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली,27 जून (एजेंसियां) ।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग (महिला) 2024-25 में लगातार हार का सामना कर रही भारतीय महिला हॉकी टीम अब टूर्नामेंट में बने रहने के लिए एशियाई प्रतिद्वंद्वी चीन से 'करो या मरो' की दोहरी भिड़ंत खेलेगी। बर्लिन में 28 और 29 जून को होने वाले इन दो मुकाबलों में भारत को हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी ताकि टीम को गिरावट (रिलिगेशन) से बचाया जा सके।

सलिमा टेटे के नेतृत्व वाली भारतीय टीम इस अहम मुकाबले में भारतीय पुरुष टीम से प्रेरणा लेगी, जिसने बीते हफ्ते बेल्जियम को हराकर प्रो लीग अभियान का अंत आत्मविश्वास के साथ किया था। पुरुष टीम ने आठवें स्थान पर रहकर टूर्नामेंट खत्म किया, जो कि अंतिम स्थान पर काबिज आयरलैंड से ऊपर था।

वर्तमान में चीन की टीम प्रो लीग की अंक तालिका में चौथे स्थान पर है, जबकि भारत नौवें (अंतिम) पायदान पर है। भारत के ऊपर आठवें स्थान पर इंग्लैंड है, जिससे भारत केवल एक अंक पीछे है। दोनों टीमों को लीग में अभी दो-दो मुकाबले खेलने हैं। कप्तान सलिमा टेटे ने मुकाबले से पहले कहा, यह हमारे लिए सप्ताहांत का बहुत ही अहम डबल हेडर है। लेकिन हम भारतीय पुरुष टीम से प्रेरणा लेंगे, जिन्होंने बेल्जियम जैसी मजबूत टीम को हराकर अपने अभियान का समापन शानदार तरीके से किया। सलिमा ने आगे कहा, यह प्रो लीग अभियान हमारे लिए सीखने का अवसर रहा है, जिसमें कई कमजोरियां सामने आई हैं। हम जब घर लौटेंगे तो इन पहलुओं पर आत्ममंथन करेंगे, लेकिन फिलहाल हमारा पूरा ध्यान चीन के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन पर है। भारत को चीन के खिलाफ पिछले मुकाबलों से आत्मविश्वास मिलेगा। नवंबर 2024 में बिहार में हुए एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने पूल मुकाबले में चीन को 3-0 से हराया था, जबकि फाइनल में 1-0 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया था। हालांकि, पिछले सीजन की प्रो लीग में भारत को डबल हेडर में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था।

सलिमा ने कहा, चीन हमारे लिए जाना-पहचाना प्रतिद्वंद्वी है। हम कॉन्टिनेंटल टूर्नामेंट्स में अक्सर उनके खिलाफ खेलते हैं और उनकी क्षमताओं से भलीभांति वाकिफ हैं। वे एक मजबूत टीम हैं, लेकिन हम अपनी ताकत के अनुसार खेलेंगे।

शास्त्री बोले, बीसीसीआई को अधिक हिस्सेदारी दे आईसीसी

नई दिल्ली,27 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कुल राजस्व में से और अधिक हिस्सा मिलना चाहिये। शास्त्री के अनुसार आईसीसी की सबसे ज्यादा कमाई भारत से होती है, ऐसे में बीसीसीआई अधिक रकम की अधिकारी है। उनका कहना है कि भारत से आईसीसी को कुल राजस्व का 38.5 फीसदी हिस्सा मिलता है और ये इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया से मिलने वाले राजस्व से ज्यादा है। शास्त्री का कहना है कि जब भारतीय टीम विदेश में जाकर खेलती है तो टीवी राइट्स और कमाई काफी बढ़ जाती है। इसलिए भारत को सबसे बड़ा हिस्सा मिलना चाहिये।

शास्त्री ने कहा, भारत को आईसीसी की के कुल राजस्व का और बड़ा हिस्सा मिलना चाहिए। जब भारतीय टीम विदेश में जाकर खेलता है तो टीवी राइट्स और कमाई में कई गुना बढ़त होती है। टीवी से हो रही इस कमाई के आंकड़ों को देखकर ये अंदाजा लगाया जा सकता है। इसलिए भारतीय बोर्ड को अधिक रकम मिलनी चाहिये। उन्होंने कहा, जो भी पैसा आता है उसका अधिकांश हिस्सा भारत से आता है। यह सब अर्थव्यवस्था पर निर्भर करता है। अगर कोई और देश की अर्थव्यवस्था भारत से अच्छी हो जाएगी तो पैसा वहां से आएगा। जैसे 70 और 80 के दशक में होता था, उस समय कमाई का बड़ा हिस्सा किसी अन्य देश को जाता था। इसलिए अब इसम मामले में भारतीय बोर्ड को अधिक राशि की मांग करनी चाहिये। भारत क्रिकेट के मामले में विश्व की सबसे बड़ी शक्ति बन गया है, जिसका श्रेय देश में क्रिकेट के प्रति लोगों का प्यार और जुनून है। आईपीएल शुरु होने के बाद तो खेल के प्रति दीवानगी और भी बढ़ गयी। आईसीसी के राजस्व मॉडल के अनुसार, 88 फीसदी से अधिक राजस्व 12 पूर्ण सदस्य (टेस्ट खेलने वाले) देशों के बीच बांटा जाता है। इसमें से, 48.2 फीसदी हिस्सा , भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच बांटा जाता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जगन्नाथ यात्रा पर...

घरों तक पहुंचेगा। लोगों से कहा गया कि 27 जून तक से वे अपने नज़दीकी राशन की दुकान से अपना पवित्र प्रसाद का बॉक्स ले सकते हैं। प्रत्येक प्रसाद बॉक्स में जगन्नाथ की तस्वीर और दो पारंपरिक मिठाइयां, पेड़ा और गाजा हैं। दोनों मिठाइयों की कीमत 20 रुपए है, जिसका खर्चा राज्य सरकार वहन कर रही है। सरकार ने इसकी पैकेजिंग और वितरण के लिए अतिरिक्त धनराशि भी प्रदान की है। लेकिन जगन्नाथ मंदिर का प्रसाद बना कौन रहा है? यह सवाल हिंदुओं को भीतर तक चोट पहुंचा रहा है, क्योंकि प्रसाद बनाने का ठेका मुसलमान कारोबारियों को दे दिया गया है।

इसके मुकाबले भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने एक समानांतर पहल की घोषणा करते हुए कहा कि 27 जून को होने वाली रथ यात्रा से पांच दिनों तक पुरी के जगन्नाथ मंदिर का प्रसाद तमलुक शहर के मंदिर से जनता के बीच वितरित किया जाएगा। तमलुक और दीघा दोनों पूर्व मेदिनीपुर जिले में स्थित हैं, जो शुभेंदु का गृह क्षेत्र है, जहां उन्होंने 2021 के विधानसभा चुनावों में नंदीग्राम निर्वाचन क्षेत्र में ममता को 1,956 मतों से हराया था।

राज्य भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने टीएमसी पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने रथ को राजनीति में बदल दिया है। वे मुसलमानों के हाथ का बना प्रसाद हिंदुओं में बांट रही हैं और दूसरी तरफ शमशेरगंज (मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुए दंगों के दौरान) में मंदिरों में तोड़फोड़ करने वाले कट्टरपंथी तत्वों को संरक्षण दे रही हैं। हिंदुओं के बीच ममता हलाल-प्रसाद बांट रही हैं, क्या यह स्वीकार्य है?

भाजपा नेता अमित मालवीय ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में बेखौफ होकर हिंदू भावनाओं को कुचल रही हैं। मुर्शिदाबाद जिले के सुती 1 ब्लॉक में मिठाई बनाने वाले मुसलमान कारोबारियों और राशन डीलरों को प्रसाद बनाने और बांटने का काम सौंपा गया है, जिसे प्रभु जगन्नाथ देव का पवित्र प्रसाद बताया जा रहा है। सरकार ने यह काम जानबूझकर हिंदुओं की आस्था को उकसावा देने के इरादे से किया है।बंगाल भाजपा महासचिव जगन्नाथ चट्टोपाध्याय ने कहा कि एक तरफ बंगाल सरकार वित्तीय संकट से गुजर रही है। कर्मचारियों का डीए फंसा पड़ा है, शिक्षकों की नियुक्ति अनिश्चितता में पड़ी है, ग्रुप सी और ग्रुप डी कर्मचारियों के भत्ते बंद हो गए हैं, लेकिन दूसरी तरफ बंगाल सरकार करोड़ों रुपए का प्रसाद मुफ्त में बांट रही है और हिंदुओं को भड़का रही है। उल्लेखनीय है कि ओड़ीशा के पुरी स्थित प्रतिष्ठित जगन्नाथ मंदिर की प्रतिकृति पश्चिम बंगाल के दीघा में स्थापित की गई है।

जो सिंदूर बेच...

पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री उदयन गुहा ने कहा था, चाय का व्यापार करने वाला आज सिंदूर बेच रहा है। ऐसे बयान पर ही भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा था, टीएमसी का नाम मीर जाफर कंपनी होना चाहिए। क्योंकि उदयन गुहा के बयान ने न केवल भारत की सैन्य शक्ति का अपमान किया बल्कि भारत की जनता का भी अपमान किया है।

भारत को ...

जब एक सदस्य देश आतंकवाद पर बात नहीं चाहता, तो भारत को ऐसे बयान को स्वीकार नहीं ही करना चाहिए। राजनाथ सिंह ने भी स्पष्ट किया कि अगर बयान में आतंकवाद का जिक्र नहीं होगा, तो भारत हस्ताक्षर नहीं करेगा।बहरहाल, रक्षा मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक हाल ही में हुई सबसे महत्वपूर्ण बैठकों में से एक थी। इसमें रक्षा उत्पादन बढ़ाने को लेकर बात हुई और इसमें वायु रक्षा, हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, आधुनिक क्षमताओं और हवाई प्लेटफार्मों के उन्नयन पर चर्चा हुई। बैठक में प्रमुख तौर पर एस-400 सिस्टम की आपूर्ति, एसयू-30 एमकेआई के विकास और समय सीमा में महत्वपूर्ण सैन्य हार्डवेयर की खरीद पर भी बात हुई। राजनाथ सिंह ने कहा कि उन्होंने और बेलोसोव ने दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि किंगदाओ में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलोसोव से मिलकर खुशी हुई। हमने भारत-रूस रक्षा संबंधों को बढ़ाने पर गहन विचार-विमर्श किया।

दूसरी तरफ, भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से मुलाकात की और मौजूदा स्थितियों पर विस्तार से चर्चा की। जयशंकर ने भारतीय नागरिकों की सुरक्षित निकासी में मदद करने के लिए उन्हें धन्यवाद भी दिया। इस बातचीत की जानकारी देते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने बताया कि उन्होंने मौजूदा जटिल हालात पर ईरान का नजरिया जाना और ईरान के प्रति भारत सरकार के दोस्ताना सोच को ईरान के विदेश मंत्री के साथ साझा किया।

जम्मू से सुरक्षा...

काफिला जम्मू के बेस कैंप से पहलगाम और बालटाल के लिए निकलता है तो सभी संपर्क मार्गों पर कांटेदार तार लगा कर सभी की आवाजाही रोक दी जाती रही है। अब ऐसी ही आवाजाही की रोक श्रद्धालुओं पर भी लागू होगी जिन्हें तय समय और तय दिन पर ही जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से सुरक्षा व्यवस्था के नियमों को पालन करमे हुए अपनी यात्रा शुरू करनी होगी।हालांकि सुरक्षाबल अभी तक स्टिकी बमों के खतरे से निपटने के उपाय नहीं खोज पाए हैं जिनके बारे में खुफिया अधिकारी चेतावनी दे रहे हैं कि आतंकी और हाइब्रिड आतंकी ओजीडब्ल्यू की मदद से स्टिकी बमों का इस्तेमाल कर श्रद्धालुओं को नुक्सान पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं। स्टिकी बमों का खतरा पिछले कुछ साल से पूरे प्रदेश में बना हुआ है। आतंकी इनका इस्तेमाल कर एक बार वैष्णो देवी के श्रद्धालुओं की यात्री बस को उड़ा कर चार की जान ले चुके हैं जबकि स्टिकी बमों से विस्फोटों के 5 मामले ही पूरे प्रदेश में अभी तक सामने आए हैं पर बरामदगियां दर्जनों हो चुकी हैं। इसलिए सुरक्षाबल इस खतरे को कम करके नहीं आंकना चाहते हैं।

अब सोनिया ...

कानूनी जांच में अगर यह साबित होता है कि इन दस्तावेजों को गैरकानूनी तरीके से संस्थान से हटाया गया, तो सोनिया गांधी को इस मामले में कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

ये दस्तावेज 1971 से लेकर 2008 तक नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी (एनएमएमएल) में रखे गए थे। एनएमएमएल का नाम बदल कर अब प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) हो गया है। यह विवाद वर्ष 2008 में चालू हुआ जब बेशकीमती दस्तावेज 51 बक्सों में पैक कर सोनिया गांधी द्वारा संग्रहालय से निकाल लिए गए। इनमें वे दस्तावेज भी शामिल थे जिन्हें पहले इंदिरा गांधी और बाद में सोनिया गांधी ने एनएमएमएल को दान किया था, क्योंकि गांधी परिवार उत्तराधिकारी के रूप में काम कर रहा था। पीएमएमएल इससे पहले कई बार सोनिया गांधी के कार्यालय को कई बार पत्र भेजकर उन दस्तावेजों को लौटाने की अपील कर चुका है।गुजरात के इतिहासकार और पीएमएमएल सोसाइटी के सदस्य प्रोफेसर रिजवान कादरी ने भी सितंबर 2024 में सोनिया गांधी और फिर दिसंबर 2024 में राहुल गांधी को पत्र लिखे। उन्होंने निवेदन किया कि अगर दस्तावेज वापस नहीं दिए जा सकते, तो कम से कम उनकी फोटोकॉपी या डिजिटल स्कैन ही भेज दिए जाएं। लगातार कहने के बावजूद सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने कोई जवाब नहीं दिया। क्रमशः यह मामला काफी गंभीर हो गया। अब पीएमएमएल इस मामले में कानूनी रास्ते तलाश रहा है और जल्द कार्रवाई कर सकता है।

प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) सोसाइटी की 47वीं वार्षिक आम बैठक हाल ही में तीन मूर्ति भवन में आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की। इसमें सोसाइटी के उपाध्यक्ष केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, निर्मला सीतारमण, धर्मेंद्र प्रधान और अश्विनी वैष्णव सहित कई प्रमुख नेता शामिल हुए। अन्य प्रमुख सदस्यों में भाजपा नेता स्मृति ईरानी, गीतकार प्रसून जोशी और रेलवे बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष अश्विनी लोहानी भी मौजूद थे। लोहानी अब पीएमएमएल के निदेशक के रूप में कार्य कर रहे हैं। बैठक में इस मुद्दे पर दोबारा चर्चा की गई। इससे पहले फरवरी 2024 की आम बैठक में भी यह मामला उठा था। पीएमएमएल के सदस्यों का मानना है कि ये दस्तावेज सिर्फ परिवार की निजी सम्पत्ति नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय धरोहर हैं और इन्हें संस्थान के पास सुरक्षित रहना चाहिए। इस पर सभी सदस्यों की आम सहमति बनी।फरवरी की बैठक के बाद इस मामले में कानूनी सलाह ली गई और इसी के आधार पर सोनिया गांधी के कार्यालय को एक औपचारिक पत्र भेजा गया था। इसमें पहली बार आधिकारिक तौर पर यह रिकॉर्ड में रखा गया कि दस्तावेज वापस ले लिए गए हैं और उन्हें लौटाने का अनुरोध किया गया है। हालांकि, गांधी परिवार की ओर से अभी तक कोई जवाब नहीं आया।अब पीएमएमएल सोसाइटी के सदस्य 2014 से पहले की प्रशासनिक चूक को सुधारने की दिशा में कदम उठा रहे हैं, ताकि नेहरू से जुड़े ये ऐतिहासिक दस्तावेज दोबारा सार्वजनिक संग्रह में आ सकें। प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) ट्रस्ट अब कानूनी सलाह पर विचार कर रहा है। इसके अनुसार, एक बार जो दस्तावेज दान कर दिए जाते हैं, उनको वापस नहीं लिया जा सकता। इसलिए ट्रस्ट का मानना है कि नेहरू गांधी परिवार द्वारा दान किए गए दस्तावेज अब भी संग्रहालय की वैध सम्पत्ति हैं। बैठक में इन कागजों के मालिकाना हक, इनके संरक्षण, कॉपीराइट और इन ऐतिहासिक दस्तावेजों को शोधकर्ताओं द्वारा इस्तेमाल किए जाने से जुड़ी चिंताओं पर भी चर्चा हुई। खासतौर पर नेहरू और एडविना माउंटबेटन के बीच हुए पत्राचार की पूरी जानकारी रखने पर जोर दिया गया।

सदस्यों ने यह भी मांग की कि जो दस्तावेज संग्रहालय से लिए गए थे, उनकी फोरेंसिक ऑडिट कराई जाए ताकि यह साफ हो सके कि कहीं कोई अहम कागज गुम तो नहीं हो गया। जनवरी 2025 में पीएमएमएल की कार्यकारी परिषद का पुनर्गठन हुआ था। इसमें कई नए और प्रमुख लोगों को शामिल किया गया था। स्मृति ईरानी, नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार, रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन, फिल्म निर्देशक शेखर कपूर और कलाकार वासुदेव कामथ को इसमें सदस्य बनाया गया था। नृपेंद्र मिश्रा को परिषद का अध्यक्ष बनाए रखा गया और उन्हें 5 साल का नया कार्यकाल दिया गया। इस बैठक में सिर्फ नेहरू पेपर्स का मामला ही नहीं उठा, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के संग्रहालयों की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए दो नए सुझाव भी दिए। उन्होंने पूरे देश में म्यूजियम मैप बनाने और सभी संग्रहालयों का एक राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करने का प्रस्ताव रखा। इसके साथ ही उन्होंने आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर उससे जुड़े सभी कानूनी दस्तावेजों और घटनाओं को इकट्ठा करने की योजना भी पेश की।दिसंबर 2024 में भाजपा सांसद संबित पात्रा ने नेहरू से जुड़े दस्तावेजों के मामले पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने साफ कहा कि ये सिर्फ पारिवारिक पत्र नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय महत्व के दस्तावेज हैं। पात्रा ने यह भी कहा कि जनता को यह जानने का पूरा हक है कि उन कागजों में क्या लिखा है। यह मुद्दा पहले भी संसद में उठ चुका है, जिससे साफ होता है कि अगर सोनिया गांधी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू होती है तो मामला और तूल पकड़ सकता है।

लोग जेल में...

कठिन हो गए थे। विदेश मंत्री ने कहा कि आपातकाल के दौरान सिर्फ दो साल में 5 बार संविधान में संशोधन हुआ और 48 अध्यादेश लाए गए। 38वें संशोधन में आपातकाल को अदालत में चुनौती देने का अधिकार छीना गया, जबकि 42वें संशोधन में मौलिक अधिकार कमजोर कर दिए गए और न्यायपालिका की शक्ति सीमित की गई।एस. जयशंकर ने कहा कि 1971 में मिली चुनावी जीत के कुछ साल बाद ही सरकार की लोकप्रियता गिरने लगी थी। भ्रष्टाचार और महंगाई बढ़ गई थी। गुजरात और बिहार में आंदोलन चल रहे थे। युवराज के बिजनेस को लेकर सवाल उठ रहे थे। ऐसे में सरकार ने सत्ता बचाने के लिए आपातकाल थोप दिया। उस दौर में देश का मनोबल तोड़ने की साजिश हुई। जो राजनीति में थे, उन्हें पता था कि कभी भी गिरफ्तार किया जा सकता है। जो जेल गए, उन्हें नहीं पता था कि कब बाहर निकलेंगे। इतना डर और अन्याय शायद ही कभी देखा गया हो। जयशंकर ने कहा कि किस्सा कुर्सी का फिल्म के नाम में ही उस वक्त की असलियत छिपी है। जब परिवार को देश से ऊपर रखा जाता है, तब ही आपातकाल जैसे काले अध्याय लिखे जाते हैं।उन्होंने कहा कि आज हालात बदल चुके हैं। आज देश का हित सबसे ऊपर रखा जाता है। जब शशि थरूर, सुप्रिया सुले, कनिमोझी, संजय झा, जय पांडा, रविशंकर प्रसाद और श्रीकांत शिंदे जैसे नेता विदेशों में एकजुट होकर भारत का पक्ष रखते हैं, आतंकवाद के खिलाफ आवाज उठाते हैं, तब दुनियाभर में भारत की तारीफ होती है। यही असली लोकतंत्र और देशभक्ति है।

उस मंदिर को...

भक्तों को गालियां और जान से मारने की धमकियां भी दीं। इसके बाद कल प्रशासन ने भारी सुरक्षा के बीच मंदिर को गिरा दिया जिससे हिंदू समुदाय में गहरा आक्रोश और दुख है।

मंदिर को जगन्नाथ यात्रा से ठीक पहले गिराया जाना हिंदू समुदाय के लिए और भी दर्दनाक रहा। इस घटना ने पूरे बांग्लादेश में हिंदुओं में गहरा आक्रोश पैदा कर दिया है। जहां सरकार इसे अतिक्रमण हटाने की सामान्य कार्रवाई बता रही है, वहीं हिंदू समुदाय का मानना है कि यह कदम अल्पसंख्यकों पर हो रहे लगातार अत्याचारों का हिस्सा है। लोगों ने यह भी सवाल उठाया है कि मूर्तियों को नष्ट करने के बजाय उन्हें सम्मानपूर्वक दूसरी जगह क्यों नहीं स्थानांतरित किया गया। कुछ स्थानीय निवासियों का दावा है कि यह जमीन वास्तव में रेलवे द्वारा मंदिर के लिए दान की गई थी, जिससे यह पूरी कार्रवाई और भी विवादास्पद बन गई है।

ढाका में मंदिर गिराने पर भारत ने बांग्लादेश को लताड़ लगाई है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हम समझते हैं कि कट्टरपंथी खिलखेत ढाका में दुर्गा मंदिर को ध्वस्त करने के लिए चिल्ला रहे थे। अंतरिम सरकार ने मंदिर को सुरक्षा प्रदान करने के बजाय, इस घटना को अवैध भूमि उपयोग के मामले के रूप में पेश किया और आज मंदिर को ध्वस्त करने की अनुमति दी। इससे देवी-देवताओं की मूर्ति को नुकसान पहुंचा। जबकि इन मूर्तियों को ससम्मान अन्यत्र स्थानांतरित भी किया जा सकता था। भारत के विदेश मंत्रालय प्रवक्ता ने कहा, हम इस बात से दुखी हैं कि बांग्लादेश में ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं। मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि हिंदुओं, उनकी सम्पत्तियों और उनके धार्मिक संस्थानों की रक्षा करना बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 28 जून, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज तेलंगाना चुनाव : समाज हित पैनल की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज तेलंगाना की समाज हित पैनल की सभा आज रॉयलटन होटल में संपन्न हुई।

सर्वप्रथम अध्यक्ष पद के प्रत्याशी नरेंद्र कुमार गोयल ने महाराजा अग्रसेन, मां लक्ष्मी एवं बाबा श्याम का स्मरण कर उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया और कहा कि आप लोगों के सहयोग से समाज को और उन्नति की ले जाया जाएगा।

महावीर प्रसाद अग्रवाल ने समाज हित पैनल के मैनिफेस्टो का विस्तृत विवरण सभा के सम्मुख रखा और कहा कि झूठे वायदों से भ्रमित न होकर समाज की उन्नति के लिए समाज हित पैनल को विजयी बनाने का निवेदन किया।

मानद मंत्री पद के प्रत्याशी हरि गोविंद प्रसाद अग्रवाल ने समाज में पिछले वर्षों में हुए कार्यों का विवरण दिया और कहा कि वर्तमान में समाज के पदाधिकारियों ने सिर्फ पैसे को आधार बनाया है। उन्हीं लोगों को सेवा का मौका दिया जबकि यह उचित नहीं है।

उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी गोविंद नारायण मोदी ने अपने संबोधन में सभी को चुनाव प्रकिया एवं वोट कैसे दे उसका पूर्ण विवरण दिया।

सह मंत्री पद के प्रत्याशी प्रशांत देव गुप्ता ने टीम समाज हित को पूर्ण समर्थन देकर विजय बनाने का आग्रह किया।

कोषाध्यक्ष पद के प्रत्याशी हनुमान दास अग्रवाल ने कहा कि दिल से समाज की सेवा की जाएगी और निवेदन किया कि हम को समाज सेवा का मौका दे।

राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए पहले खुद को अध्यक्ष पद के लिए प्रस्तावित किया और कहा कि उनका विचार अंजनी कुमार अग्रवाल जी से कुछ इस तरह की बातों से किया। समाज हित पैनल को विजयी बनाने का निवेदन किया।

समाज के पूर्व पदाधिकारी जनार्दन सुरेखा अपने विचार रखते हुए कहा कि पूर्व में पूरे सदस्यों को वोटिंग देने का प्रावधान हुआ था जिसे अमल में लागया गया। साथ ही साथ कहा कि जैसे महिला शाखा एवं युवा शाखा बनाकर घरों को तोड़ा गया है।

सुरेश कुमार गुप्ता ने अपने विचार रखते बताया कि किसी व्यक्ति विशेष के घमंड भरी बातों को चूर करने के लिए यह समाज हित पैनल को बनाया गया और निवेदन किया कि समाज हित पैनल को विजयी बनाए।

शशिकांत अग्रवाल ने नरेंद्र कुमार गोयल की सामाजिक यात्रा का पूर्ण विवरण दिया। उन्होंने बताया कि जो भी पद पर रहे उन्होंने हर व्यक्ति का सहयोग किया और इसी विचाधारा से अग्रवाल समाज की सेवा करेंगे।

दिलीप पसारी ने अपने संबोधन में अपने समाज में चल रहे कटु आभास की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि शाखा को सहयोग देने के लिए जो प्रावधान है वो एक बहुत अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि सभी का सहयोग लेकर किए हुए कार्यों को विशेष टीम की उपलब्धि बताना गलत है। पिछले दो वर्षों में केंद्रीय सदस्य रहते हुए जो त्रुटियों के समाधान के लिए परामर्शदाता एवं पदाधिकारियों के पास जाने के बवजूद कोई समाधान नहीं मिला।सभी से इस टीम को विजयी बनाने का निवेदन किया।

हैदराबाद में एमआईएम के असादुद्दीन के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़नेवाले सतीश अग्रवाल ने बताया कि समाज में बैलेंस शीट के आधार पर जो सेवा को मौका दिया जा रहा है वह गलत है। दो मुंह वाली बातें करने वालों को समाज में नहीं लाना चाहिए।

उन्होंने बच्चों को संस्कृति देने की बात कही।

पूर्व अध्यक्ष अजीत गुप्ता अग्रवाल समाज की स्थापना के लक्ष्य से सभी को अवगत कराया। उन्होंने ने बताया कि किसी भी संस्था की उन्नति नारी शक्ति एवं युवाओं के सहयोग पर निर्भर है।

वे नरेंद्र कुमार गोयल को अच्छी तरह से जानते हैं कि वे कथनी से ज्यादा करनी पर विश्वास करते हैं। नरेंद्र कुमार गोयल जी के अनुरोध पर अजीत गुप्ता ने समाज हित पैनल के विज़न की विस्तृत जानकारी उपस्थित अग्र बंधुओं को दी।

मंच का संचालन अग्रवाल समाज के पूर्व उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री शशिकांत अग्रवाल ने की और सभा को बांधे रखा।

समाज हित पैनल का विजन

–समाज का अपना एक डायग्नोस्टिक सेंटर बनाया जाएगा।

–शाखाओं को प्रोत्साहन हेतु केंद्रीय फीस प्रति शाखा के लिए मात्र 1100/ लिया जाएगा।

–महिला शाखा एवं युवा शाखा से केंद्रीय फीस प्रति शाखा मात्र 500/ लिया जाएगा। शाखा में चाहे कितने भी सदस्य हो।

–समाज द्वारा निर्मित बैंकेट हाल, सभा ग्रह में शाखा सभाओं के लिए मात्र 1100/ शुल्क लिया जाएगा।

–महिलाओं को प्रोत्साहन देने हेतु केंद्र में पांच महिला पदाधिकारियों का प्रकोष्ठ बनाया जाएगा।

–युवाओं को प्रोत्साहन हेतु केंद्र में पांच युवा पदाधिकारियों का प्रकोष्ठ बनाया जाएगा।

–विद्यार्थियों को स्कूल फीस में सहयोग दिया जाएगा।

–महिला एवं युवा शाखाओं को प्रति वर्ष शाखा कार्यक्रमों के लिए 50000/ प्रति शाखा दिया जाएगा।

–युवाओं के रोजगार गारंटी दी जाएगी।

–शिक्षा एवं स्वास्थ सहयोग के लिए 5 करोड़ से समाज का ट्रस्ट बनाया जाएगा।

–अग्रबंधुओं को सहयोग हेतु प्रोफेशनल सेवा डॉक्टर्स, एडवोकेट एवं अन्य सेवा के लिया हेल्प लाइन बनाई जाएगी।

– बुजुर्गों एवं एकल नारी बहनों के लिए निःशुल्क तीर्थ यात्रा की व्यवस्था की जाएगी।

–भारत वर्ष में स्थित धार्मिक स्थलों की यात्रा को बढ़ावा दिया जाएगा।

–एकल नारी को प्रतिमाह 1500/ का सहयोग उनके बैंक अकाउंट में किया जाएगा।

–कन्या विवाह में सहयोग दिया जाएगा।

–युवाओं में उनकी क्षमता एवं रुचि के अनुसार हर तरीके से सहयोग कर राष्ट्रीय स्तर पर ले जाया जाएगा।

उक्त सभा में कुल 25 शाखाओं के पदाधिकारी एवं केंद्रीय समिति सदस्यों ने टीम समाज हित पैनल के साथ पूर्ण समर्थन के साथ रहने का उद्घोष किया। साथ ही बताया कि केवल हम ही नहीं हम हमारे संपर्क की सभी शाखाओं का भी समर्थन दिलवाएंगे। वीरेंद्र अग्रवाल ने सभा का आभार प्रकट किया।

माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा भगवान जगन्नाथ रथयात्रा के अवसर पर अन्नप्रसाद सेवा की गई। यह सेवा लगभग 500 राहगीरों को श्री महालक्ष्मी जगन्नाथ नरसिम्हा टेम्पल, सिटी कॉलेज के समीप किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य विनय किशोर तायल, एडवोकेट हेमा मालिनी तायल, प्रदीप अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, शारदा अग्रवाल, संतोष गोयल, नमिता अग्रवाल, सपना तुलसियां, सीमा अग्रवाल, निर्मला अग्रवाल, मधु गोयल, मंजू अग्रवाल, रेखा तुलसीयान, सुनीता अग्रवाल, मीरा अग्रवाल, लक्ष्मी दत्ता आदि ने सेवा प्रदान की।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत शुक्रवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर –सतीश गुप्ता,आशा अग्रवाल,रामप्रकाश अग्रवाल,सुनीता अग्रवाल,महेश अग्रवाल,बबीता अग्रवाल, अशोक गुप्ता, एस.जे महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता,भगतराम गोयल,रोहित अग्रवाल, गोपाल गोयल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, उवां केडिया, प्रीतिका अग्रवाल, ई जगन (चंपापेट) , राजेश योगा सरजी, संजय गोयल, किरण गोयल, सुरेश डालमिया एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

लायंस क्लब हैदराबाद द्वारा पुराना पुल शमशान घाट को शव फ्रीजर का दान करते हुए नागराज राम मनोहर जोगेंदर सिंह, के वी श्रीनिवास, हरजीत सिंह, सत्यनारायण तिवारी, आशीष अग्रवाल, राधेश्याम देवानंद, सुनील कुमार पाण्डेय एवं अन्य।

गोलकुंडा में बोनल उत्सव में भाग लेते हुए गोविंद राठी एवं डॉ भगवंत राव का सम्मान लक्ष्मण यादव ने किया।

श्रृंग ऋषि जन्मोत्सव के संदर्भ में बैठक आयोजित

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सिखवाल ब्राह्मण समाज धाकड़ी युवा समिति द्वारा शुक्रवार को एक बैठक श्रृंग ऋषि भवन में सम्पन्न हुई। गुरु वंदना के पश्चात, गुरुवार 10-07-2025 को गुरुपूर्णिमा श्रृंग ऋषि जन्म उत्सव पर चर्चा की गई एवं भव्य शोभा यात्रा का स्वागत हेतु लक्ष्मी टावर नागला एजेंसी बेगम बाजार पर भव्य स्टेज के लिए सभी ने सर्वसमिति से सहमति दी है । स्टेज व अन्य व्यवस्था हेतु नरेश नागला सोडावत के साथ 10 युवाओं को जोड़ा गया। जिसमें मुकेश व्यास, राधेश्याम व्यास, शुभम नागला, गौतम उपाध्याय, दिनेश कुमार व्यास, मनहोर नागला, कैलाश उपाध्याय, अवधेश व्यास, अभिषेक नागला नितेश व्यास शामिल हैं। कार्य के अनुसार और युवा भाई जुड़ सकते है। बैठक में रामदेव नागला, रूपचंद व्यास, गजानंद व्यास शैलेन्द्र नागला तिवारी, पुरूषोतम नागला तिवारी, मनाहोर सोड़ावत, गौतम खर्तवात जुगल किशोर उपाध्याय,शुभम वेनवत, जगदीश नागला सोडावत, राधेश्याम व्यास, दिनेश व्यास, मुकेश व्यास,किशोर उपाध्याय, कैलाश खर्तवात एवं उपस्थित थे। नरेश नागला सोडावत ने गांव के स्टेज पर सभी को सपरिवार पधारना का आग्रह किए व धन्यवाद ज्ञापन से बैठक का सम्पन्न हुआ ।

साँझ के साथी ने कवि सुरेंद्र दुबे के निधन पर जताया शोक

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
प्रसिद्ध कवि, व्यंग्यकार और आयुर्वेदाचार्य डॉ. सुरेंद्र दुबे का उनके गृह नगर रायपुर में हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया, वे 72 वर्ष के थे। हिंदी एवं छत्तीसगढ़ी के स्वनामधन्य कवि सुरेंद्र दुबे वाचिक परंपरा के कवि सम्मेलनों में एक जाना-पहचाना नाम रहा है।उनका कई बार हैदराबाद आना होता रहा, नगर के साहित्यकारों एवं कवियों की संस्था 'साँझ के साथी' से वे जुड़े रहे। संस्था के द्वारा डॉ. मोहन गुप्ता के निवास पर उन्हें सम्मानित भी किया गया।डॉ. सुरेंद्र दुबे को 2010 में भारत सरकार द्वारा देश का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री प्रदान किया गया। इससे पहले, 2008 में उन्हें काका हाथरसी हास्य रत्न पुरस्कार से भी सम्मानित गया था। उन्होंने कई पुस्तकें लिखीं जिसमें छत्तीसगढ़ी गीति कोश, सुर की सुनहरी बंसी, छत्तीसगढ़ी लोकगीत, छत्तीसगढ़ी संस्कृति और साहित्य ,छत्तीसगढ़ी में महाभारत (अनुवाद), सवाल ही सवाल है,आदि है।संस्था के सदस्य अजित गुप्ता, बिशनलाल संघी, नन्दगोपाल भट्टड़, ज्योतिनारायण, वेणुगोपाल भट्टड़, नरेन्द्र राय, डॉ. अहिल्या मिश्रा, डॉ. ऋषभदेव शर्मा, रवि श्रीवास्तव, पं. रामकृष्ण पाण्डेय , भँवरलाल उपाध्याय ,अनिल कुमार वाजपेयी , डॉ. मोहन गुप्ता , ओमप्रकाश अग्रवाल , बजरंग भगत और कैलाश भट्टड़ ने डॉ सुरेंद्र दुबे के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।

महिलाओं के स्वास्थ्य पर परिचर्चा आज

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
माली महिला संगठन एवं तेलंगाना माली युवा संगठन के सौजन्य से महिलाओं के स्वास्थ्य पर आधारित 'नारी चेतना – मौन से परे स्वास्थ्य' विषयक परिचर्चा का आयोजन शनिवार 28 जून को दोपहर 2 से 5 बजे तक राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय माली संघ, कोलसावाडी, बेगम बाजार, हैदराबाद पर किया जायेगा । उक्त जानकारी यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में माली महिला संगठन द्वारा दी गई । विज्ञप्ति अनुसार महिलाओं की प्राकृतिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ एवं हार्मोनल स्वास्थ्य शिक्षिका सुश्री आरती पांडे अवसर पर उपस्थित महिलाओं के साथ स्वास्थ्य संबंधी परिचर्चा में महिलाओं की शंकाओं का समाधान करेंगी ।

नासिक देवलालि में पपू साध्वीश्री विजयपूर्णाश्रीजी सा के चातुर्मास प्रवेश कार्यक्रम हेतु सिकंदराबाद स्टेशन से प्रस्थान करते हुए अचल-गच्छ जैन संघ चैतन्यपुरी हैदराबाद के केशवजी भाई छेड़ा, विजय जागीरदार, कांतिलाल मोता, नरेश मोमाया, जया जागीरदार, रश्मि लोडाया एवं अन्य।

खबरें जो सोच बदल दें
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कवि अनुराग अग्रवाल के सम्मान में कवि सम्मेलन सम्पन्न

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरद्वय के कवियों की 44 वर्षीय सक्रिय और लोकप्रिय संस्था गीत चाँदनी, गोलकोण्डा दर्पण विचार मंच, हिस्सा आंदोलन एवं डएएडउजऊ्ढ संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में फ़र्रुखाबाद (उत्तर प्रदेश) के लब्ध प्रतिष्ठित समाज सेवी व कवि श्री अनुराग अग्रवाल के सम्मान में कवि सम्मेलन एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन भव्यता के साथ संपन्न हुआ। पूर्व न्यायाधीश श्री ठाकुर गोपाल सिंह मुख्य अतिथि थे। हिंदी और उर्दू के कवि श्री अंजनी कुमार गोयल, प्रकाशक व हिंदी सेवी श्री श्रुतिकांत भारती, उर्दू शायर जनाब सलाहुदीन नैयर, ध्रुब कुमार गोयल, श्रीमती दिव्यांशु अग्रवाल, सुनील बूदिया, समाज सेवी श्री आशीष भारद्वाज (मथुरा) आदि की गरिमामयी उपस्थिति ने मंच का गौरव बढ़ाया। गीत चाँदनी के अध्यक्ष और वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद कार्यक्रम की अध्यक्षता की। गीत चाँदनी के कार्यदर्शी, गोलकोण्डा दर्पण के संपादक व कवि गोविंद अक्षय ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया और संस्था की गतिविधियों से उपस्थितजनों को अवगत कराया। कार्यक्रम के संयोजक व कवि श्री विद्या प्रकाश कुरील ने सम्मान-पत्र का वाचन किया। कार्यक्रम की संयोजिका व कवयित्री रत्नकला मिश्र ने आरंभ में स्वागत भाषण दिया। मुख्य अतिथि व समाज सेवी श्री ठाकुर गोपाल सिंह ने कहा कि मैं गीत चाँदनी की स्थापना से इस संस्था से जुड़ा हुआ हूँ और इसका संरक्षक सदस्य भी हूँ। आज उत्तर प्रदेश से पधारे श्री अनुराग अग्रवाल के सम्मान व अभिनंदन समारोह में मैं आकर बहुत खुश हूँ क्योंकि ऐसे लब्ध प्रतिष्ठित समाज सेवियों से समाज व देशवासियों को प्रेरणा मिलती है। गीत चाँदनी हैदराबाद की एक ऐसी काव्य संस्था है, जिसने नये कवियों को हमेशा मंच प्रदान कर प्रोत्साहित एवं सम्मानित किया है। गीत चाँदनी के कवि आज अखिल भारतीय काव्य मंचों पर अपनी पहचान बना रहे हैं और अपना एक कीर्तिमान भी स्थापित कर रहे हैं यह बहुत ही ख़ुशी की बात है। मैं सभी कवियों की प्रशंसा एवं सराहना करता हूँ। कार्यक्रम में अन्य विशेष अतिथियों ने भी अपने विचार प्रस्तुत कर गीत चाँदनी और कविता-प्रेमियों को अपना अमूल्य संदेश दिया और पढ़ी गयी कविताओं की ख़ूब प्रशंसा की। इस अवसर पर श्री अनुराग अग्रवाल ने उनके भव्य सम्मान के पश्चात कहा कि गीत चाँदनी और गोलकोंडा दर्पण विचार मंच जैसी हैदराबाद की सक्रिय संस्थाएँ हिंदी कविता और उसके उत्थान के लिए बेहतरीन काम कर रही है। उत्तर और दक्षिण के साहित्यकारों को जोड़ने का एक महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है।मेरे सम्मान में हैदराबाद की सक्रिय और लोकप्रिय संस्थाओं ने कार्यक्रम रखकर मुझे सम्मानित किया है, मैं उनका अत्यंत ही आभारी हूँ और मैं बहुत खुश हूँ। मैं आगामी समय में गीत चाँदनी का एक कवि सममेलन हमारे फ़र्रूख़ाबाद, उत्तर प्रदेश में रखना चाहता हूँ और सभी कवियों के सहयोग की अपेक्षा करता हूँ। हिंदी और उर्दू के सुप्रसिद्ध शायर ख़ुशबू का सफ़र मासिक पत्रिका के संपादक जनाब सलाहुद्दीन नैयर ने कहा कि गीत चाँदनी के संस्थापक कार्यदर्शी व वरिष्ठ कवि नेहपाल सिंह वर्मा ने पिछले 50 वर्षों से भी अधिक समय तक हिंदी और उर्दू के कवियों को एक साथ मंच प्रदान कर जो कीर्तिमान स्थापित किया है उसे आज भी हैदराबाद के सक्रिय संपादक और कवि गोविंद अक्षय जारी रखा है। यह गंगा-जमुनी संस्कृति का एक बेहतरीन उदाहरण है। कवि गोविंद अक्षय और कवि विद्या प्रकाश के अनुसार इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन में नगरद्वय के कविगण देश की समसामयिक समस्याओं और जीवन के विभिन्न विषयों पर अपने गीत, ग़ज़ल और हास्य-व्यंग्य की कविताओं का पाठ कर श्रोताओं को ख़ूब आनंदित करते हुए मनोरंजन किया। कविता पाठ करने वाले कवियों में सर्वश्री अनिल कुमार गुप्ता, ठाकुर दिनेश सिंह, खलीश हैदराबादी, जलीस भारती, सुहास भटनागर, जी. परमेश्वर, तश्कील रज़्ज़ाकी, सत्यनारायण काकड़ा, रत्नकला मिश्र, गोविंद अक्षय, सदानंदलाल गोगिकार, राजकुमार यादव, हर्षलता धुधोड़िया, सुनील मिश्रा, नागेश्वर राव, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, अरविंद कुमार जायसवाल, दुर्गाराज पटून, सलाहउद्दीन नैयर, संतोष कुमार मिश्रा 'माधुर्य', संत कुमार मंडल 'जागृति', शिव कुमार तिवारी कोहिरी आदि के नाम सम्मिलित हैं। इस अवसर पर गीत चाँदनी की संयोजिका डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव की ओर से युवा कवि श्री सुनील मिश्रा को प्रोत्साहन स्वरूप 1100/- रुपये की राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में गीत चाँदनी और सम्बद्ध संस्थाओं के पदाधिकारियों की ओर से सभी कवियों और हिंदी प्रेमी श्रोताओं को कार्यक्रम में समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को गौरवान्वित करने के उपलक्ष्य में कवयित्री रत्नकला मिश्र ने धन्यवाद और आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के आरंभ में कवि विद्या प्रकाश कुरील की ओर से जलपान की सुंदर व्यवस्था की गयी थी।

तीन दिवसीय औद्योगिक नवाचार एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी शुरू हुई

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) ने शुक्रवार को यहां हाइटेक्स प्रदर्शनी केंद्र में आईआईटीएक्स 2025- औद्योगिक नवाचार एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी के तीन दिवसीय दूसरे संस्करण की शुरुआत की।

29 जून को समाप्त होने वाले तीन दिवसीय प्रदर्शनी में उन नवाचारों को प्रदर्शित किया जा रहा है जो भारतीय उद्योग के भविष्य को आकार दे रहे हैं।

यहां कई स्टॉल देखने और प्रदर्शकों से बातचीत करने के बाद अपने उद्घाटन भाषण में, तेलंगाना सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन ने नवाचार-संचालित औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

रंजन ने कहा कि बैंकिंग और बीमा से लेकर साइबर सुरक्षा और स्वचालन तक, पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को एक ही छत के नीचे देखना उत्साहजनक है। 110 से अधिक प्रदर्शकों के साथ, आईआईटीएक्स 2025 औद्योगिक नवाचार का एक

व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है।उन्होंने कहा कि आधुनिक उद्योग तेजी से स्टार्ट-अप द्वारा संचालित हो रहे हैं, उन्होंने कहा और कहा कि पिछले साल लॉन्च की गई तेलंगाना की एमएसएमई नीति को अब प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने एफटीसीसीआई से इस नीति को कार्रवाई में बदलने में अग्रणी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, एमएसएमई आपकी ताकत हैं और आपको नीति को कार्रवाई योग्य पहल में बदलना चाहिए। एफटीसीसीआई के अध्यक्ष डॉ. सुरेश कुमार सिंघल ने कहा, आईआईटीईएक्स का लक्ष्य भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप नवीनतम तकनीकों के साथ उद्योगों- विशेष रूप से एमएसएमई को सशक्त बनाना है। यह एक उचित श्रद्धांजलि है कि एक्सपो विश्व एमएसएमई दिवस पर शुरू हो रहा है, जो सतत विकास और नवाचार में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका का जश्न मनाता है। एक्सपो को एमएसएमई मंत्रालय, तेलंगाना सरकार, नीति आयोग के इन्वेस्ट इंडिया, नैसकॉम, टी-हब, टी-वर्क्स, एनएसआईसी, टीज-ीआरईडीसीओ, एआईसी और रिच का समर्थन प्राप्त है। इसमें नैसकॉम और टी-हब द्वारा समर्पित मंडप हैं, जिनमें 20 से अधिक क्यूरेटेड स्टार्टअप शामिल हैं।

एफटीसीसीआइ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आर. रवि कुमार ने कहा कि इस वर्ष का संस्करण बड़ा, अधिक विविधतापूर्ण और प्रभावशाली है। यह विकसित हो रहे भारतीय औद्योगिक परिदृश्य का एक विस्तृत दृश्य प्रस्तुत करता है।

एक्सपो के संयोजक विमलेश गुप्ता ने कहा कि आईआईटीएक्स 2025 एक प्रदर्शनी से कहीं अधिक है- यह परिवर्तन का एक मंच है, जो भारत की औद्योगिक रीढ़ को स्टार्टअप और तकनीकी नेताओं के भविष्य-अग्रणी नवाचारों से जोड़ता है।

ट्रूज़ोन सोलर की एमडी भवानी सुरेश ने सरकार से स्थिरता को बढ़ावा देने में उदाहरण पेश करने का आग्रह किया। तेलंगाना में सभी सरकारी भवनों में सौर पैनल लगाए जाने चाहिए। यह पीएम सूर्य घर (पीएमएसजी) और पीएम-कुसुम योजनाओं के अनुरूप है, जो सौरकरण को अनिवार्य और प्रोत्साहित करते हैं। तेलंगाना में लगभग 30,000 स्कूल हैं- उन्हें सौर ऊर्जा से चलाने से महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है। आइए हम यह अनिवार्य करें कि सभी नई व्यावसायिक इमारतों में कम से कम 20% घटक सौर ऊर्जा से चलने वाले हों।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना को अपनी सौर क्षमता का पूरा लाभ उठाने के लिए राज्य स्तरीय सौर सब्सिडी देने वाले अन्य राज्यों के बराबर आना चाहिए। इस आयोजन के प्रमुख भागीदार मार्गदर्शी चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का प्रतिनिधित्व इसके सीईओ श्री सत्य नारायण पथुरी ने किया। आईआईटीईएक्स वर्तमान में एक द्वि-वार्षिक आयोजन है, जबकि एफटीसीसीआई का लक्ष्य आने वाले वर्षों में इसे एक वार्षिक प्रमुख औद्योगिक प्रदर्शनी बनाना है।

टाइम्स ऑफ इंडिया और टाइम्स अल्ट्रालक्स द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में जिसे एम.ए.के. प्रोजेक्ट्स द्वारा आयोजित किया गया था। इसमें गोल्फ और वेलनेस के माध्यम से धीमा होने की कला का जश्न मनाया गया, जिसमें नवाब मीर नासिर अली खान (कजाकिस्तान के मानद महावाणिज्यदूत), एम.ए.के. प्रोजेक्ट्स के अध्यक्ष, मोहम्मद शमसुद्दीन, (संपादक, स्नेप्स इंडिया), संतोषी रूपा, मार्केटिंग निदेशक, हयात होम्स, रियाद, सऊदी अरब एवं कैप्टन दिलन आदि उपस्थित थे।

अभिनेता मंचू विष्णु के कार्यालयों पर जीएसटी छापे

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलुगू अभिनेता और निर्माता मांचू विष्णु के हैदराबाद स्थित कार्यालयों पर जीएसटी अधिकारियों ने बुधवार 25 जून को छापेमारी की। यह छापेमारी उनकी आगामी पौराणिक एक्शन ड्रामा फिल्म कन्नप्पा के प्रचार के बीच की गई, जो 27 जून को रिलीज हुई। जीएसटी खुफिया विभाग की टीमों ने विष्णु के माधापुर और कावुरी हिल्स स्थित कार्यालयों पर छापे मारे।

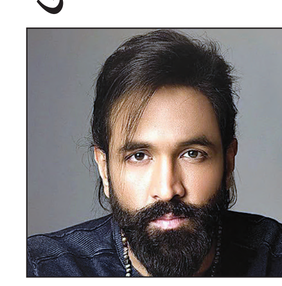

अधिकारी कथित तौर पर उच्च बजट वाली फिल्म कन्नप्पा से जुड़े जीएसटी भुगतान और अन्य कर-संबंधी मामलों में संदिग्ध विसंगतियों की जांच कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकारी फिल्म के बजट विवरण और व्यावसायिक लेन-देन सहित वित्तीय रिकॉर्ड की जांच कर रहे हैं, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि सभी आवश्यक करों का भुगतान विधिवत किया गया है या नहीं।

मंचू विष्णु, जो इस समय कन्नप्पा के प्रचार कार्य में व्यस्त हैं ने कहा कि उन्हें मीडिया द्वारा सूचित किए जाने तक छापों के बारे में पता नहीं था। सवालों के जवाब में, विष्णु ने पारदर्शिता और अधिकारियों के साथ सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया, और कहा कि छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है।

उन्होंने कहा कि अगर छापेमारी हो रही है तो यह अच्छी बात है। इसमें छिपाने जैसा कुछ नहीं है। इन जांचों से ही सबको पता चलेगा कि हमने कहां से कर्ज लिया है।

जीएसटी छापों ने अपनी टाइमिंग के कारण ध्यान आकर्षित किया है, क्योंकि ये छापे फिल्म की निर्धारित रिलीज से कुछ ही दिन पहले पड़े हैं।

मुकेश कुमार द्वारा निर्देशित और प्रभास, अक्षय कुमार, मोहनलाल, मोहन बाबू और काजल अग्रवाल जैसे स्टार कलाकारों से सजी फिल्म कन्नप्पा इस साल की सबसे प्रतीक्षित रिलीज में से एक है।

जीएसटी जांच के परिणाम की प्रतीक्षा है, तथा अधिकारियों की ओर से अभी तक निष्कर्षों या आगे की कार्रवाई के संबंध में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

प्लास्टिक और पॉलिमर क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी अंतराल का आकलन करने के लिए

बेंचमार्किंग अध्ययन पर कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी केंद्रीय संस्थान (सीआईपीईटी), उद्योग विभाग, तेलंगाना सरकार के सहयोग से, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई), भारत सरकार की रेजिंग एंड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (आरएएमपी) योजना के तहत प्लास्टिक और पॉलिमर क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी अंतराल का आकलन करने के लिए बेंचमार्किंग अध्ययन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यक्रम सीआईपीईटी, चेरलापल्ली में 27.06.2025 को दोपहर 02.00 बजे से शाम 08.00 बजे तक आयोजित किया गया।इस आयोजन का उद्देश्य प्लास्टिक और पॉलिमर क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी अपनाने की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करना और तेलंगाना मेंएमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता, नवाचार और सतत वृद्धि को बढ़ाने के लिए हस्तक्षेप के प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करना था।कार्यशाला की शोभा मुख्य अतिथि श्री राजकुमार ओहटकर, अतिरिक्त निदेशक, उद्योग; श्री मधुकर बाबू, संयुक्त निदेशक, उद्योग; श्री नरेंद्र बाल्डवा, तेलंगाना और आंध्र प्लास्टिक निर्माता संघ (टीएएपीएमए) के अध्यक्ष और बी. रवि, प्रधान निदेशक, सीआईपीईटी की उपस्थिति से बढ़ी।

अपने उद्घाटन भाषण में,राजकुमार ओहटकर, अतिरिक्त निदेशक, उद्योग, तेलंगाना सरकार ने हितधारकों को स्वच्छ और स्मार्ट उत्पादन प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया और अपने दृष्टिकोण को राज्य के सतत और नवाचार-आधारित औद्योगिक विकास के व्यापक एजेंडे के साथ संरेखित किया। उन्होंने एमएसएमई क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में अनुप्रयुक्त अनुसंधान और सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, भारत के पॉलिमर और प्लास्टिक उद्योग में वैश्विक नेता बनने की क्षमता है, बशर्ते हम संरचित आकलन और लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से मौजूदा प्रौद्योगिकी अंतराल को पाटें। यह कार्यशाला सही दिशा में एक कदम है। उन्होंने वैश्विक मानकों को पूरा करने के लिए एमएसएमई को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और कौशल से लैस करने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, यह बेंचमार्किंग अध्ययन हमारे औद्योगिक समूहों को नवाचार अपनाने और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने में सक्षम बनाने के लिए एक समयोचित पहल है।श्री मधुकर बाबू, संयुक्त निदेशक, उद्योग ने एमएसएमई विकास और तेलंगाना की नई औद्योगिक नीति के लिए तेलंगाना सरकार की पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगे समझाया, इन बेंचमार्किंग अध्ययनों से प्राप्त निष्कर्ष एमएसएमई के लिए समर्थन तंत्र को तैयार करने में सहायक होंगे। हमें केवल वृद्धिशील परिवर्तनों पर ही नहीं, बल्कि परिवर्तनकारी समाधानों पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए, उन्होंने जोर दिया।

तेलंगाना और आंध्र प्लास्टिक निर्माता संघ (तापमा) के अध्यक्ष, नरेंद्र बाल्डवा ने तापमा की पहलों को समझाया और आरएएमपी जैसी योजनाओं के माध्यम से एमएसएमई के प्रदर्शन में सुधार के लिए तेलंगाना सरकार की पहलों की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि तापमा हमेशा प्लास्टिक उद्योगों के विकास का समर्थन करने का प्रयास करेगा और तापमा के सभी सदस्य आरएएमपी योजना के तहत सीआईपीईटी द्वारा किए जा रहे बेंचमार्किंग अध्ययनों की सफलता के लिए अपना पूरा समर्थन देने के लिए तैयार हैं।

बी. रवि, प्रधान निदेशक, सीआईपीईटी ने सभा को संबोधित किया और बाद में पेट्रोकेमिकल और पॉलिमर क्षेत्रों में सीआईपीईटी के योगदान पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसमें प्रशिक्षण, अनुसंधान और उद्योग सहायता सेवाएं शामिल थीं। उन्होंने सीआईपीईटी के राष्ट्रीय पदचिह्न और एमएसएमईएस और राज्य एजेंसियों के साथ प्रौद्योगिकी अपनाने और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए साझेदारी करने की उसकी तत्-परता पर विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, सीआईपीईटी प्रौद्योगिकी अंतराल को पाटने और गतिशील वैश्विक बाजार की मांगों को पूरा करने वाली प्रतिभाओं को पोषित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यशाला में तकनीकी सत्र शामिल थे जिन्होंने निम्नलिखित को कवर किया:

-बेंचमार्किंग प्रौद्योगिकी उपयोग के तरीके

-मशीनरी, प्रक्रिया स्वचालन और गुणवत्ता मानकों में अंतराल

-सरकारी योजनाओं का उपयोग करके चडचएी के आधुनिकीकरण के अवसर

-वृत्ताकार अर्थव्यवस्था और हरित विनिर्माण में सर्वोत्तम प्रथाएं

कार्यक्रम के दौरान एक विचार-मंथन सत्र भी आयोजित किया गया जिसमें भाग लेने वाले एमएसएमईएस और गणमान्य व्यक्तियों ने प्लास्टिक और संबद्ध क्षेत्र की उभरती जरूरतों पर चर्चा की। इसमें सामने आए महत्वपूर्ण बिंदु उन्नत टूलिंग समाधानों के लिए स्मार्ट विनिर्माण प्रौद्योगिकी की आवश्यकता, मौजूदा और नए उद्यमियों को कम लागत पर सुविधा का लाभ उठाने के लिए सामान्य सुविधा केंद्र की आवश्यकता थे। प्रतिष्ठित उद्यो-ागपतियों, राज्य परियोजना कार्यान्वयन इकाई जीटी भारत एलएलपी के सलाहकारों और टीजीटीपीसी, सीआईटीडी, एलेप, वेहब, रिच के अन्य प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।तापमा के अध्यक्ष नरेंद्र बल्दवा, सचिव कमलेश गुप्ता, संयुक्त सचिव अरुण लाहोटी और किशोर कुमार, पूर्व अध्यक्ष प्रेम कांकरिया, प्लास्टमीट समिति के अध्यक्ष नितिन सांघी, प्रबंध समिति के सदस्य संजीव जैन और राजेश कुमार उपस्थित हुए।

दक्षिण मध्य रेलवे

@SCRailwayindia पर फॉलो करें। द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB/0773

प्रारूप 10-1
सार्वजनिक अधिसूचना

नीचे उल्लिखित खंड के पूर्ण हो चुके खंड पर स्थित रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि :

सेक्शन : सिकंदराबाद डिवीजन: काजीपेट-बल्हारशाह सेक्शन के बीच विद्युतीकरण के साथ नई बीजी तीसरी लाइन का निर्माण - यात्रियों की सार्वजनिक ढुलाई एवं किराया सेवाएं संचालन के लिए दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद डिवीजन के बेल्लमपल्ली और मंदामरी स्टेशनों के बीच बीजी तीसरी लाइन के नए ओएचई का विद्युतीकरण के विषय में।

दक्षिण मध्य रेलवे के यात्रियों की सार्वजनिक ढुलाई एवं किराया सेवाएं संचालन के लिए **बेलमपल्ली (बीपीए) मंडमरी (एमएमजेड)** स्टेशनों के बीच विद्युतीकरण के साथ नई बीजी **थर्ड लाइन** से **ओएचई स्थान सं.:** 243/03 **(किमी/सीएच:** 243/85.30 **मीटर) से बेलमपल्ली और मंडमरी स्टेशनों के** 250/53 **(किमी/सीएच :** 250/940.60 **मीटर)** तक 25000 वोल्ट, 50 हट्र्ज, एसी ओवरहेड ट्रैक्शन तारों को 30.07.2025 **को या उसके बाद उर्जित** किया जाएगा। उस तिथि से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइनें हर समय सजीव मानी जाएंगी और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवरहेड लाइन के नजदीक नहीं जाएगा न ही कार्य करेगा।

प्रारूप 10-2
(एसीटीएम पैरा 21020, वॉल-II, भाग I : सुधार पर्ची सं. 32, दिनांक 09.10.2020)
एसी 25केसी कर्षण का आरंभ "सड़क उपयोगकर्ताओं को चेतावनी"

नीचे उल्लेखित खंड में 25 केवी ए.सी. इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन को आरंभ करने के संबंध में जनसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि :

सेक्शन: सिकंदराबाद डिवीजन: काजीपेट-बल्हारशाह सेक्शन के बीच विद्युतीकरण के साथ एक नई बीजी तीसरी लाइन का निर्माण - यात्रियों की सार्वजनिक ढुलाई एवं किराया सेवाएं संचालन के लिए दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद डिवीजन के बेल्लमपल्ली और मंदामरी स्टेशनों के बीच बीजी तीसरी लाइन के नए ओएचई का विद्युतीकरण - के विषय में

दक्षिण मध्य रेलवे के यात्रियों की सार्वजनिक ढुलाई एवं किराया सेवाएं संचालन के लिए ओएचई **स्थान सं. :** 243/03 **(किमी/सीएच :** 243/85.30 **मी) से बेल्लमपल्ली और मंदामरी स्टेशनों के** 250/53 **(किमी/सीएच:** 250/940.60 **मी)** तक **बेल्लमपल्ली (बीपीए) मंडामरी (एमएमजेड) स्टेशनों** के बीच विद्युतीकरण के साथ नई **बीजी थर्ड लाइन** से, सभी **लेवल क्रॉसिंग पर सड़क स्तर से** 4.78 **मीटर की स्पष्ट अधिकतम ऊंचाई के साथ ऊंचाई गेज लगाए गए हैं** ताकि अत्यधिक ऊंचाई के भार को संपर्क में आने या लाइव ट्रैक्शन तार के खतरनाक निकटता से रोका जा सके।

जनसाधारण को एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि वाहनों पर लोडिंग के उद्देश्य के लिए उपरोक्त विनिर्दिष्ट ऊँचाई का निरीक्षण करें और देखें कि किसी भी परिस्थिति में सड़क वाहनों से ले जा रहे भार हाईट गेजों का उल्लंघन न करें।

लोड के अधिकतम ऊँचाई के खतरे इस प्रकार हैं:

i) हाईट गेज को खतरा और परिणामस्वरूप सड़क के साथ ही रेलवे लाइन को बाधा।
ii) ले जाये जा रहे उपकरण या सामग्रियों या स्वयं वाहन को खतरा।
iii) कंडक्टरों के संपर्क में आने या घातक समीपता के कारण जीवन को जोखिम और आग का खतरा ।

उप मुख्य विद्युत अभियंता, सिकंदराबाद

A0957

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF DOB

I, B NAGA LAKSHMI legally wedded Spouse of Service No. 2605062N Ex.Hav SRINIVASULU BATHINI, R/o.H.No. 2-139/9, Suraram Colony X Road, New VenkatRamnagar, Suraram, MedchalMalkajgiri Dist, Telangana-500055 have changed my Date of Birth from 21-11-1983 to 21-11-1991 vide affidavit dt:27-6-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, Service No. 6373362N Ex Naik(Time Scale) Sekhar Chandra Behera, R/o. Vill: Binakarkateni, Post:Haladiabahal, Dist:Dhenknal, Odisha-759121 have changed my name from SIKHARA CHANDRA BEHERA to SEKHAR CHANDRA BEHERA.

मंत्री की समीक्षा बैठक में मंचेरियाल विधायक अनुपस्थित

संयुक्त जिले में कांग्रेस के नेता गुटों में बंट गए

मंचेरियाल, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

जिले के प्रभारी मंत्री के तौर पर पहली बार जिले का दौरा कर रहे जुपल्ली कृष्ण राव के सामने स्थानीय निकाय चुनाव के रूप में बड़ी चुनौती होगी कोर्ट ने आदेश दिया है कि तीन महीने के भीतर चुनाव कराए जाएं और हाल ही में टीपीसीसी और पीएसी की बैठक में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने यह कहते हुए हाथ खड़े कर दिए कि स्थानीय निकाय चुनावों की पूरी जिम्मेदारी प्रभारी मंत्रियों की है इस संदर्भ में नए प्रभारी मंत्री स्थानीय निकाय चुनावों को कैसे संभालेंगे यह चर्चा का विषय बन गया है उन्होंने प्रभारी मंत्री के रूप में पहली बार आदिलाबाद जिले का दौरा किया और संयुक्त जिले के विकास की समीक्षा की इस कार्यक्रम में मंचेरियाल विधायक पीएसआर अनुपस्थित रहे हाल ही में हुए मंत्रिमंडल विस्तार में मौका न मिलने से वे अधीर हैं इसीलिए चर्चा है कि वे समीक्षा से दूर रह रहे है हाल ही में सीएम रेवंत रेड्डी ने स्थानीय निकाय चुनावों की जिम्मेदारी जिला प्रभारी मंत्रियों को सौंपी है उन्होंने सुझाव दिया कि वे मनोनीत पदों को भरने और पार्टी के संगठनात्मक ढांचे पर भी ध्यान दें इस संदर्भ में प्रभारी मंत्री के जिले के दौरे ने एक बार फिर हस्तम पार्टी में गुटबाजी की बात सामने ला दी है कांग्रेस नेताओं के बीच समन्वय स्थापित करना अब प्रभारी मंत्री के सामने चुनौती

बन गया है इस साल फरवरी में हुए करीमनगर निजामाबाद-आदिलाबाद-मेडक स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की सीट पर कांग्रेस पार्टी जीत नहीं पाई थी लोगों में सरकार के खिलाफ प्रबल विरोध और स्थानीय कांग्रेस नेताओं के बीच समन्वय की कमी की चर्चा चल रही है अगर हालात ऐसे ही रहे तो पता चला है कि खुफिया सूत्रों ने सरकार को रिपोर्ट दे दी है कि स्थानीय निकाय चुनाव में भी पार्टी को नकारात्मक नतीजे भुगतने पड़ेंगे ऐसे में स्थानीय निकाय चुनाव के लिए संयुक्त जिला नेताओं के बीच समन्वय टिकट देना और पार्टी के पदों के साथ-साथ सरकारी मनोनीत पदों को भरना स्वाभाविक बात हो जाएगी इसके अलावा इस बात की भी संभावना है कि स्थानीय विधायक और नेताओं के बजाय प्रभारी मंत्री को ये जिम्मेदारियां सौंपे जाने पर मेरे स्थानीय नेता असंतोष व्यक्त करेंगे जबकि मंत्री सीथक्का हाल ही में संयुक्त जिले के प्रभारी थे हाल ही में यह जिम्मेदारी जुपल्ली कृष्ण राव को सौंप दी गई दूसरी ओर अदालत के आदेश हैं कि तीन महीने के भीतर चुनाव होने चाहिए इससे संदेह पैदा होता है कि क्या इतने कम समय में नेताओं के बीच सामंजस्य स्थापित करना संभव है मंचेरियाल जिले की बात करें तो मंचेरियाल विधायक पीएसआर और चेन्नूर विधायक मंत्री विवेक को एक साथ लाना असंभव है पीएसआर ने मेरे निर्वाचन क्षेत्र में पहले ही यह स्पष्ट कर दिया है कि 'मैं राजा हूं.. मैं मंत्री हूं इस संदर्भ में मंत्री विवेक पर अपनी उम्मीदें टिकाए बैठे मंचेरियाल जिले के कांग्रेस नेताओं की स्थिति अस्थिर हो गई है यह बहस का विषय बन गया है कि दोनों में से किसे प्राथमिकता दी जाएगी विधायक विनोद बेल्लमपल्ली में हैं पीएसआर का गृहनगर मंचेरियाल उसी निर्वाचन क्षेत्र में है इसके अलावा देवापुर सीमेंट फैक्ट्री में पहचान समिति के चुनाव होने हैं इस संदर्भ में इस बात की कोई संभावना नहीं है कि पीए-सआर व्यक्तिगत रूप से स्थानीय निकाय चुनावों में पैर जमाने के लिए वहां जाएंगे यह कैसे समन्वयित होगा यह यहां एक चुनौती बन जाएगा अन्यथा हस्तम पार्टी में एक नया और पुराना विवाद चल रहा है आदिलाबाद और बोथ निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़कर हार चुके कंडी श्रीनिवास रेड्डी आडे गजेंद्र निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी हैं कंडी श्रीनिवास रेड्डी आदिलाबाद डीसीसी अध्यक्ष पद के लिए प्रयास कर रहे हैं पार्टी के लिए पहले काम कर चुके और निलंबित किए जा चुके वरिष्ठ नेता इस बात से चिंतित हैं वे स्थानीय निकाय चुनावों में अपनी ताकत दिखाना चाह रहे है यह पार्टी के लिए परेशानी का सबब बन सकता है विधायक वेदमा बोज्जू खानपुर में हैं लेकिन पूर्व विधायक रेखानायक हस्तम अभी भी पार्टी में हैं संभावना है कि वे यहां स्थानीय निकाय चुनावों में किसी का समर्थन हासिल करने की कोशिश करेंगे निर्मल निर्वाचन क्षेत्र में तीन नेताओं - जिला डीसीसी अध्यक्ष श्रीहरि राव, पूर्व मंत्री इंद्रकरण रेड्डी और हाल ही में पूर्व जेडपीटीसी पथिरेड्डी राजेश्वर रेड्डी के बीच कोई सामंजस्य नहीं है पार्टी के लिहाज से कोई उचित संबंध नहीं मुथोल निर्वाचन क्षेत्र में वरिष्ठ नेता नारायण राव पटेल और पूर्व विधायक विट्ठल रेड्डी को एक साथ लाना मुश्किल हो सकता है कागजनगर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी तीन गुटों में बंटी हुई है पूर्व विधायक कोनेरू कोनप्पा ने पार्टी से अलग रहने का ऐलान कर दिया है स्थानीय निकाय चुनाव में अपनी छाप छोड़ने के लिए वे दृढ़ संकल्पित है एमएलसी दांडे विट्ठल के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी में एक और गुट है जबकि विधानसभा क्षेत्र प्रभारी रवि श्रीनिवास दूसरे गुट में है इससे कागजनगर विधानसभा क्षेत्र में ऐसी स्थिति बन गई है कि हर कोई यमुना नदी पर है में प्रभारी मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव कैसे आगे बढ़ेंगे? स्थानीय नेताओं के बीच समन्वय कैसे बनेगा? किसे मनोनीत पद और पार्टी में स्थान मिलेगा? स्थानीय निकाय चुनाव में वे कैसे आगे बढ़ेंगे? यह दिलचस्प हो गया है ।

गुरुकुल कॉलेज की छात्रा की मौत की गहन जांच की जाए : छात्र संघ

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

प्रगतिशील छात्र संघ मांग की है कि राज्य सरकार इस घटना की गहन जांच करे जिसमें मंचिर्याल जिला मुख्यालय में समाज कल्याण गुरुकुल डिग्री कॉलेज के छात्रावास में पढ़ने वाली बीजेसी द्वितीय वर्ष की छात्रा स्वप्ना (19) ने मंगलवार रात 11 बजे छात्रावास की इमारत से कूदकर आत्महत्या कर ली और शुक्रवार को हैदराबाद के निम्स अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मंचिर्याल में गुरुकुल डिग्री कॉलेज के प्रबंधन की लापरवाही के कारण छात्रों की मौतें हो रही हैं। पिछले अप्रैल में इसी कॉलेज में एक छात्र ने आत्महत्या कर ली थी। दो महीने से भी कम समय में एक और छात्र की आत्महत्या देखकर प्रबंधन की लापरवाही साफ झलकती है। जबकि राज्य सरकार द्वारा स्थापित नव स्थापित गुरुकुल किराए के भवनों में चल रहे हैं, उनमें न्यूनतम बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। उचित पोषण, स्वच्छ पानी, चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। मनोवैज्ञानिक उपलब्ध नहीं हैं। विद्यार्थी समस्याओं से ग्रसित हैं। राज्य सरकार को गुरुकुलों के लिए स्थायी भवन बनवाने चाहिए तथा मूलभूत सुविधाओं में सुधार करना चाहिए। चूंकि छात्रा कुमारी लक्ष्मी के परिवार के सदस्य उसकी मौत पर संदेह व्यक्त कर रहे हैं, इसलिए राज्य सरकार को तत्काल विशेष जांच कर परिवार को न्याय दिलाना चाहिए। प्रगतिशील छात्र संघ मांग करता है कि छात्रा के परिवार को हर तरह से सहायता दी जाए तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। हम मांग करते हैं कि सरकार राज्य भर के गुरुकुलों तथा कल्याण छात्रावासों में आत्महत्याओं को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाए।

मंचेरियाल नगर निगम में डिवीजनों के पुनर्विभाजन को लेकर उत्साह

मंचेरियाल, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

मंचेरियाल नगर निगम में डिवीजनों पुनर्विभाजन को लेकर व्यापक रुचि है जबकि सूची इस महीने की 27 तारीख को जारी की जानी थी लेकिन देरी से उत्साह वैदार हो रहा है मंचेरियाल नगर पालिका में नसपुर नगर पालिका और हाजीपुर मंडल वेम्पल्ली, मुल्कल्ला, गुडीपेट, नरसिंहपुर, चंदनपुर, कोथापल्ली और पोचमपाड गांवों को इस साल जनवरी मिलाकर मंचेरियाल नगर निगम बनाया गया था अधिकारियों ने भूगोल और मतदाताओं की संख्या के आधार पर कुल 60 डिवीजनों पहले से वार्ड और गांव रहे सभी वार्ड और गांवों को मिलाकर मसौदा सूची जारी की है विभाजन के प्रस्तावों पर नोटिस जारी करने के अलावा इस महीने ब्ह 4 तारीख तक आम जनता, विधायकों, सांसदों और एमएलसी को पत्र सौंपे गए थे 5 से 11 तक जनता से लिखित रूप से आपत्तियां सुझाव और सलाह प्राप्त की गई इस महीने की 12 से 16 तारीख त तक आपत्तियों निराकरण के लिए जांच की गई और स्वीकृत आपत्तियों अनुसार विभाजन में थोड़ा बदलाव कर इस महीने की 18 तारीख को कलेक्टर के पास मंजूरी के लिए भेजा गया 19 को रिपोर्ट नगर प्रशासन विभाग को भेजी गई और वहां से 20 को सरकार को सरकार की समीक्षा बाद 21 तारीख को अंतिम सूची जारी होनी थी लेकिन अभी तक जारी न होने से जनता और आपत्ति जताने वालों में तनाव है 38 आपत्तिया प्राप्त हुई कि विभाजन भौगोलिक दृष्टि से सही नहीं थे और उन्हें फिर से संशोधित किया जाना चाहिए नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनकी जांच की और 19 आपत्तियों पर विचार करने के बाद बदलाव किए अन्य 13 आपत्तियों पर विचार नहीं किया गया छह आपत्तियों आंशिक बदलाव किया गया था अधिकारियों ने बताया कि प्राप्त आपत्तियों में से अधिकांश इस बात पर थीं कि एक कॉलोनी दो से चार डिवीजनों में आती है कुछ घरों के नंबर गायब हैं और कुछ कॉलोनियां डिवीजनों में दिखाई नहीं देती हैं जबकि डिवीजनों की सीमाओं में थोड़ा बदलाव होने जा रहा है मतदाता सूची और डिवीजन में कॉलोनियों की सीमाओं में बदलाव किया गया है।

दो महीने में टीएसआरडीसी की दूसरी छात्रा ने की आत्महत्या

मंचेरियाल, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । तेलंगाना सोशल वेलफेयर रेजिडेंशियल डिग्री कॉलेज (टीएसआरडीसी) फॉर गर्ल्स की बीएससी (बीजेडसी) द्वितीय वर्ष की छात्रा जो 24 जून की रात को कॉलेज के छात्रावास की इमारत से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या करने की कोशिश करने के बाद गंभीर रूप से घायल हो गई थी शुक्रवार को एनआईएमएस-हैदराबाद में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया छात्रा की पहचान कुम्मारी स्वप्ना (19) के रूप में हुई है जो शौचालय का उपयोग करने के बहाने अपने कमरे से बाहर निकली थी और फिर उसने यह कदम उठाया वह कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के बेज्जुर मंडल के लक्ष्मण की बेटी थी पुलिस ने बताया कि गिरने से स्वप्ना को गंभीर चोटें आई और उसे पहले मंचेरियाल के एक अस्पताल में ले जाया गया उसकी हालत बिगड़ने पर उसे उन्नत उपचार के लिए हैदराबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया आत्महत्या के प्रयास के पीछे का मकसद अभी तक पता नहीं चल पाया है पुलिस घटना की जांच कर रही है और आगे की जानकारी का इंतजार है दो महीने के भीतर इसी संस्थान से यह दूसरा ऐसा मामला सामने आया है 24 अप्रैल को लक्ष्मी प्रसन्ना (19) जो टीएसआरडीसी में द्वितीय वर्ष की डिग्री छात्रा थी की इलाज के दौरान मौत हो गई जब उसने कथित तौर पर छात्रावास की इमारत से छलांग लगा दी उसकी मौत से लोगों में आक्रोश फैल गया था उसके माता-पिता और परिवार के सदस्यों ने न्याय की मांग करते हुए धरना दिया था प्रसन्ना भीमिनी मंडल के जग्गय्यापेट की रहने वाली थी।

दिनदहाड़े अवैध रेत धंधा जोरो पर !

मंचेरियाल, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

यह चौंकाने वाला है कि भूमिगत खान विभाग के अधिकारी, जो मंचेरियाल जिला केंद्र के रल्ला वागु से अवैध रेत परिवहन की निगरानी करने वाले हैं, कर्मचारी कार्यालय तक ही सीमित हैं। एनटीआर नगर ओल्ड मंचेरियल रेड्डी कॉलोनी विकास नगर एसीसी, जो मंचेरियल शहर के आसपास का परिवहन क्षेत्र है, के आसपास के क्षेत्रों में रैंप स्थापित किए गए हैं और दिन-रात अवैध रेत परिवहन किया जा रहा है, लेकिन संबंधित विभाग के अधिकारियों ने ट्रैक्टर मालिकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है, जिससे कई संदेह पैदा होते हैं। मंचेरियल निर्वाचन क्षेत्र के ट्रैक्टर मालिक संघ ने स्थानीय विधायकों के पास जाकर कहा कि मालिकों के साथ-साथ ट्रैक्टर लोडिंग और अनलोडिंग मजदूर जो सैकड़ों परिवारों का आधार हैं, उन्हें आजीविका मिल रही है और पिछले दो दशकों से लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे ऐसे कार्य करें जैसे उन्होंने कुछ देखा ही न हो। इस मामले को लेकर ट्रैक्टर मालिकों पर गुस्सा जाहिर करने वाले विधायक ने कहा मंत्री ने जिला कलेक्टर को चिरयाला विधानसभा क्षेत्र के लोगों को कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण गोदावरी रेत वितरित करने के लिए कदम उठाने के निर्देश जारी किए हैं। हालांकि, यह आम बात हो गई है कि जब शिकायत मिलती है कि रेत का अवैध परिवहन दिन-रात चल रहा है, तो औचक निरीक्षण करके मामले दर्ज किए जाते हैं।शहर में पानी की कमी का कारण है...मंचेरियल शहर की सीमा से गोदावरी नदी तक फैली खड्ड से रेत, बजरी और मिट्टी को अवैध रूप से हटा दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्र में गड्ढे हो गए।एक ट्रैक्टर चट्टानी नाले से रेत हटा रहा है।धारा में पत्थर तैरने की घटनाएं हुई हैं। भूजल की रक्षा करने वाले अधिकारियों की देखरेख की कमी के कारण, चट्टानी धारा निचले इलाके में बदल गई है और आसपास के इलाकों के बोरवेलों में पानी धीरे-धीरे कम हो रहा है, जिससे शहरी आबादी के लिए पानी की कमी हो रही है, जिसके कारण नगर निगम को गर्मियों के दौरान टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति करनी पड़ रही है। जिले के लोग इंतजार कर रहे हैं कि खान और खनिज मंत्री विवेक राज्य की राजधानी हैदराबाद में मंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद मंचेरियल जिले के चेन्नूर निर्वाचन क्षेत्र में अपने पहले दौरे के दौरान किए गए वादे को कितना पूरा करेंगे कि वह क्षेत्र में रेत के अवैध परिवहन को रोकेंगे। जिले के लोग इंतजार कर रहे हैं कि खान और खनिज मंत्री विवेक द्वारा दिया गया वादा कितना पूरा होगा। चेन्नूर विधानसभा क्षेत्र में प्रोकेन मशीनों का उपयोग कर मानक से अधिक रेत का परिवहन ट्रकों में किया जा रहा है, लेकिन विपक्षी दल के नेता इस बात पर चर्चा और मंथन कर रहे हैं कि रेत माफिया पर अंकुश लगाने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे, जो अनुमति प्राप्त घन मीटर से अधिक रेत का परिवहन कर रहे हैं, भले ही रेत का परिवहन ट्रकों में किया जा रहा हो। जिला कलेक्ट्रेट के एकीकृत भवन के अधिकार क्षेत्र में स्थित भूमिगत खनन विभाग के अधिकारियों को ट्रैक्टर मालिकों और रेत खदान मालिकों के साथ अच्छे संबंध होने के बावजूद दिनदहाड़े रेत का परिवहन करने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल

श्रीरामपुर, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

एटक के अध्यक्ष वी. सीतारामैया ने कहा कि केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के विरोध में 9 जुलाई को देशव्यापी हड़ताल की जाएगी। उन्होंने आरके 7 खदान में आयोजित गेट मीटिंग में मजदूरों को संबोधित किया। उन्होंने सिंगरेनी के मजदूरों से हड़ताल को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 44 श्रम कानूनों को खत्म कर उनकी जगह चार श्रम संहिताएं लागू कर दी हैं, जिससे मजदूर वर्ग अपने अधिकार खो देगा।

उन्होंने कहा कि इस महीने की 27 तारीख को सिंगरेनी प्रबंधन के साथ निदेशक (पीए) स्तर पर एक संरचनात्मक बैठक की. गई और मजदूरों की आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में उनके परिवारों के लिए 10 लाख रुपये की बीमा सुविधा की मांग की जाएगी। इस बैठक में यूनियन के केंद्रीय सचिव शेख बाजीसैदा, उपाध्यक्ष कोट्टे किशन राव, नेता प्रसाद रेड्डी, अद्दू श्रीनिवास, गांधी सतीश, शेखर, फिट सचिव मारुपल्ली सरैया, नेता अफरोज खान और अकुला लक्ष्मण ने भाग लिया।

घोटालेबाजों के परिवार को चंद्रबाबू के बारे में बात करने का अधिकार नहीं है..? : गुल्लापल्ली आनंद

कुमरमभीम /आसिफाबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

टीडीपी आदिलाबाद संसद अध्यक्ष ने तेलंगाना जागृति की महिला नेता कविता की आलोचना की, क्योंकि उनमें मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू की आलोचना करने का स्तर नहीं है, जिन्हें भारत में एक प्रशासनिक प्रतिभा के रूप में जाना जाता है। गुल्लापल्ली आनंद ने बनकाचार्ला मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कविता की टिप्पणियों पर अपना गुस्सा व्यक्त किया।

शराब के धंधे में तेलंगाना को देशभर में बदनाम करने वाली और महीनों तिहाड़ जेल में रहने वाली कविता ने कहा कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की आलोचना करना नासमझी है। आंध्र प्रदेश सरकार का मुख्य उद्देश्य समुद्र में बर्बाद हो रहे गोदावरी के बाढ़ के पानी को रोकना और रायलसीमा और पालनाडु क्षेत्रों को सिंचाई और पीने का पानी उपलब्ध कराना है। पोलावरम-बनकाचेरला लिंक परियोजना

को प्रशासनिक अधिकार देने और जल स्वतंत्रता की ओर कदम बढ़ाने के आंध्र प्रदेश सरकार के हालिया फैसले के संदर्भ में लोगों को दोनों राज्यों के बीच चल रही राजनीतिक आलोचना और हर आलोचना को समझने का मौका मिलना चाहिए। उन्होंने चिंता जताई कि बीआरएस द्वारा की जा रही आलोचनाएं पटरी से उतर रही हैं। इस मामले में कविता ने स्पष्ट किया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को हैदराबाद बिरयानी नहीं खिलाई और इस मुद्दे पर शीर्ष परिषद की बैठक नहीं बुलाई। एड्डेवा ने कहा, भले ही आप एक गुड़िया को कविता सुनाएं जो हिलती नहीं... या एक आदमी को नैतिकता जो बदलती नहीं, यह एक ही बात है। उन्होंने कहा कि कविता रूडी के लिए एक सबक होगी। उन्होंने सुझाव दिया कि चंद्रबाबू नायडू की आलोचना करने से पहले कविता को आत्म-आलोचना करनी चाहिए। उन्होंने दृढ़ता से जवाब दिया कि शराब के साथ तेलंगाना समाज में हलचल मचाने वाली कविता अपने परिवार को पीछे न छोड़कर पार्टी और समाज में अशांति पैदा करके राजनीतिक रोटी सेंकने की कोशिश कर रही है। *क्या आपने अपने पिता केसीआर के प्रशासन के विनाश के बारे में बात नहीं की..?* नरसिम्लू ने मांग की कि यह अच्छा होगा यदि कविता आपके पिता, पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर के बारे में बात करें। उन्होंने आग्रह किया कि यह अच्छा होगा यदि कविता कलेश्वरम अनियमितताओं और आपके बहनोई हरीश राव के व्यवहार के बारे में बात करें। इसी तरह, कविता के भाइयों केटीआर ने कहा कि अगर कविता इस फॉर्मूला रेस, ड्रग रैकेट और फोन टैपिंग मामले पर प्रतिक्रिया देती है तो लोग खुश होंगे। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि लोग अभी भी कह रहे हैं कि वे आपके पिता केसीआर के शासन के बारे में कई कहानियाँ बता सकते हैं, जिन्होंने पिछले दस वर्षों में तेलंगाना राज्य को बर्बाद कर दिया है और राज्य को हर तरह से कर्ज में डाल दिया है। उन्होंने इस अवसर पर याद दिलाया कि आपके पिता केसीआर तेलुगु देशम पार्टी द्वारा दिए गए पाठों को सीखकर मुख्यमंत्री बने थे, और रेवंत रेड्डी उसी पार्टी से मुख्यमंत्री बने, जिसने कई लोगों को राजनीतिक भीख दी है। उन्होंने कविता की आलोचना करते हुए कहा कि तेलंगाना भावना के नाम पर सत्ता में आने वाला और कई घोटाले करने वाला परिवार इससे ज्यादा क्या जान सकता है।

आदिवासी लड़कियों की तस्करी में भूमिका के लिए पुलिस कांस्टेबल बर्खास्त

मंचेरियाल , 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

मानव तस्करी रैकेट में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किए गए आठ लोगों में से एक पुलिस कांस्टेबल कामेरी हरिदास को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल ने बर्खास्तगी का आदेश जारी किया आदेश के अनुसार मानव तस्करी मामले में भूमिका के कारण हरिदास को पुलिस विभाग से बर्खास्त कर दिया गया है 20 जून को पुलिस द्वारा मानव तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किए जाने के बाद हरिदास और पांच महिलाओं सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने जिले की दो आदिवासी लड़कियों को मध्य प्रदेश में सेक्स रैकेट चलाने वाले व्यक्तियों और आयोजकों को क्रमश 1.30 लाख रुपये और 1.10 लाख रुपये में बेचने की बात स्वीकार की हरिदास पर इससे पहले 2019 में मध्य प्रदेश में एक आदिवासी लड़की को बेचने का मामला दर्ज किया गया था और बाद में उसे ड्यूटी से निलंबित कर दिया गया था।

सभी वर्गों का कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता : श्रीनिवास

वेमुलावाड़ा, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास ने कहा कि वेमुलावाड़ा शहर को मंदिर शहर के रूप में विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास ने वेमुलावाड़ा के वार्ड 13,14,15,16 में साइड डिनर, सीसी रोड और सीसी पुलिया के निर्माण की आधारशिला रखी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जनता सरकार के सभी वर्गों का कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है। शहर में 34 जाति समुदाय भवनों के निर्माण के लिए धन आवंटित किया गया है।

उन्होंने कहा कि किसी ने वेमुलावाड़ा शहर में जाति समुदायों को इतनी बड़ी मात्रा में धन नहीं दिया है।

जब महिलाओं ने संतोष नगर में

बथुकम्मा राफ्ट के निर्माण का अनुरोध किया, तो उन्होंने आश्वासन दिया कि इसका निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे पहले, उसी कॉलोनी में 15 करोड़ रुपये की लागत से पेयजल आपूर्ति के लिए एक पेयजल टंकी का निर्माण किया गया था। उन्होंने कहा कि राजन्ना मंदिर का विकास और सड़क चौड़ीकरण का काम जारी है।

काजीपेट बल्हारशाह मार्ग पर रेल सेवाएं प्रभावित

मंचेरियाल, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

जिले में शुक्रवार को पेड्डापल्ली रेलवे स्टेशन के पास निर्माणाधीन रेल ओवरब्रिज (आरओबी) का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो जाने के बाद काजी-पेट-बल्हारशाह मार्ग पर ट्रेन सेवाएं बाधित हो गई यह नुकसान कुनाराम रेल लेवल क्रॉसिंग पर हुआ जहां निर्माणाधीन आरओबी के एक क्लस्टर में तकनीकी खराबी आ गई प्रतिक्रिया में सतर्क रेलवे अधिकारियों ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए मार्ग के विभिन्न स्टेशनों पर ट्रेनों की आवाजाही तुरंत रोक दीइस रेल लाइन पर कई ट्रेनें प्रभावित हुईं क्योंकि यह भारत के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों को जोड़ने वाला एक प्रमुख रेल गलियारा है सिरपुर कागजनगर से सिकंदराबाद की ओर जाने वाली भाग्यनगर एक्सप्रेस को राघवपुर रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया यात्रियों को बस पकड़ने और अपनी यात्रा जारी रखने के लिए पास के राजीव राहदारी राजमार्ग पर पैदल जाते देखा गया सूचना मिलने पर वरिष्ठ रेलवे अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और रेल परिचालन जल्द से जल्द बहाल करने के लिए मरम्मत कार्य शुरू किया।

राज्यपाल ने भारत रत्न पीवी नरसिम्हा राव के चित्र का अनावरण किया

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजभवन में आयोजित एक गरिमामय समारोह में तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने शुक्रवार को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न पी वी नरसिम्हा राव की जयंती की पूर्व संध्या पर उनके चित्र का अनावरण किया।पी वी नरसिम्हा राव को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए, राज्यपाल ने नरसिम्हा राव को एक राजनेता-विद्वान के रूप में सम्मानित किया, जिन्होंने आधुनिक भारत को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए, राज्यपाल ने आर्थिक उदारीकरण, विदेश नीति और शिक्षा क्षेत्र में राव के परिवर्तनकारी योगदान को याद किया और उन्हें असाधारण बुद्धि और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता वाला नेता बताया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने यह भी घोषणा की कि 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस पर राजभवन में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र का अनावरण किया जाएगा। उस दिन भारत के सशस्त्र बलों की वीरता और बलिदान को याद करने के लिए कारगिल युद्ध के दिग्गजों को सम्मानित करने के लिए एक विशेष समारोह भी आयोजित किया जाएगा। राजभवन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि पी वी नरसिम्हा राव का चित्र जुड़ने से राजभवन का सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व और बढ़ गया है, जिसमें पहले से ही महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद और हैदराबाद के अंतिम निज़ाम मीर उस्मान अली खान सहित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय हस्तियों के चित्र लगे हुए हैं।

अरुण कुमार जैन के नेतृत्व में दमरे ने ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने पिछले तीन वित्तीय वर्षों- 2022-23, 2023-24 और 2024-25 में महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन के नेतृत्व में अभूतपूर्व वृद्धि हासिल की है, जो इस महीने सेवानिवृत्त होने वाले हैं।उनके कार्यकाल ने प्रदर्शन, नवाचार और बुनियादी ढांचे के विस्तार का स्वर्णिम युग चिह्नित किया।एस-सीआर का सकल राजस्व 2022-23 में 18,976 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में 20,569 करोड़ रुपये हो गया। माल ढुलाई 144.1 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, और यात्री राजस्व लगातार 5,000 करोड़ रुपये को पार कर गया। जोन ने 960 किलोमीटर नई लाइनें, दो-हरीकरण और तिहराकरण कार्य जोड़े। प्रमुख परियोजनाओं में गुडूर के पास 2.2 किलोमीटर का रेल फ्लाईओवर और काजीपेट के पास रेल-अंडर-रेल संरचना शामिल थी।47,050 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय के साथ, एससीआर ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 119 स्टेशनों को लक्षित करते हुए प्रमुख स्टेशन पुनर्विकास का कार्य किया। तीन अपग्रेड किए गए स्टेशन- बेगमपेट, करीमनगर और वारंगल का उद्घाटन पहले ही किया जा चुका है। चेरलापल्ली में एक आधुनिक टर्मिनल 413 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया। ब्रॉड-गेज नेटवर्क में विद्युतीकरण पूरा हो गया और 396 नए इलेक्ट्रिक इंजनों के साथ कुल संख्या 1,268 हो गई। आठ वंदे भारत ट्रेनें, 15 नई एक्सप्रेस सेवाएं और 28 एमएमटीएस सेवाएं शुरू की गईं। 234 लेवल क्रॉसिंग को खत्म करने और 236 पुलों के निर्माण के साथ सुरक्षा बुनियादी ढांचे को मजबूत किया गया। 1,835 रूट किमी पर 130 किमी प्रति घंटे की गति उन्नयन और 289 किमी पर उन्नत सिग्नलिंग ने दक्षता में वृद्धि की 2024-25 में स्क्रैप निपटान राजस्व रिकॉर्ड 501 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। नन्हे फरिश्ते जैसी पहलों ने 5,000 से अधिक बच्चों को बचाया, जबकि कई तकनीक-संचालित नवाचारों ने परिचालन और उपयोगकर्ता अनुभव में सुधार किया। एससीआर ने ऊर्जा संरक्षण और प्रदर्शन दक्षता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीते। शुक्रवार को एससीआर के एक बयान में कहा गया कि अरुण कुमार जैन ने इस सफलता का श्रेय एससीआर के कर्मचारियों के समर्पण को दिया और भारतीय रेलवे में उत्कृष्टता की विरासत छोड़ी।

रेवंत रेड्डी आज ओआरआर से कोंडापुर पीजेआर फ्लाईओवर का उद्घाटन करेंगे

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी कल आउटर रिंग रोड (ओआरआर) को कोंडापुर से जोड़ने वाले नवनिर्मित पीजेआर फ्लाईओवर का उद्घाटन करेंगे।

इस बहुप्रतीक्षित बुनियादी ढांचा परियोजना से गचीबावली जंक्शन पर यातायात की भीड़भाड़ में काफी कमी आने और शहर के व्यस्त आईटी कॉरिडोर से यात्रा करने वाले यात्रियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। यह फ्लाईओवर, एक अत्याधुनिक तृतीय-स्तरीय संरचना है, जिसका निर्माण रणनीतिक सड़क विकास कार्यक्रम (एसआरडीपी) के तहत 182.72 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से किया गया है। 1.2 किमी लंबाई और 24 मीटर चौड़ाई वाले इस फ्लाईओवर में छह लेन हैं और यह दो मौजूदा संरचनाओं - गचीबावली जंक्शन फ्लाईओवर और शिल्पा लेआउट फेज 1 फ्लाईओवर के ऊपर स्थित है - जो इसे शहर में एक अनूठी तीन-स्तरीय सड़क सुविधा बनाता है।पीजेआर फ्लाईओवर के उद्घाटन से गच्चीबौली क्षेत्र में यातायात की समस्या से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है और इससे ओआरआर और कोंडापुर, हाफिजपेट, हाईटेक सिटी और वित्तीय जिले जैसे प्रमुख क्षेत्रों के बीच सड़क संपर्क में सुधार होगा।

हुस्नाबाद में पीजी मेडिकल सेंटर को मंजूरी

250 बिस्तरों वाला अस्पताल और सड़क निर्माण कार्य शुरू

सिद्दीपेट, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने शुक्रवार को घो-षणा की कि तेलंगाना सरकार हुस्नाबाद में 50 सीटों वाला एक स्नातकोत्तर (पीजी) चिकित्सा केंद्र स्थापित करेगी ।हुस्नाबाद में 100 बिस्तरों वाले मातृ एवं शिशु अस्पताल का उद्घाटन करने तथा 150 बिस्तरों वाले सामान्य अस्पताल की आधारशिला रखने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि संयुक्त 250 बिस्तरों की क्षमता के साथ यह शहर पीजी मेडिकल सेंटर की स्थापना के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के मानदंडों को पूरा करता है।राजनरसिम्हा ने बताया कि सिद्दीपेट, जगतियाल और करीमनगर में पहले से ही मेडिकल कॉलेज हैं और उन्होंने कहा कि सरकार ने क्षेत्र में संतुलित विकास सुनिश्चित करने के लिए हुस्नाबाद को पीजी सेंटर देने का फैसला किया है।नया केंद्र अगले शैक्षणिक वर्ष से 50 पीजी मेडिकल छात्रों के अपने पहले बैच को प्रवेश देगा।मंत्री ने कोथापल्ली-हुस्नाबाद सड़क को दो लेन वाले गलियारे में चौड़ा करने की आधारशिला भी रखी, जिससे राजीव राहधारी और हुस्नाबाद के बीच बेहतर संपर्क उपलब्ध होगा।मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने भी बात की। मंत्रियों ने नांगनूर मंडल के नरमेटा में निर्माणाधीन ऑयल पाम फैक्ट्री का भी दौरा किया और कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।जिला कलेक्टर ह्मावती, विधायक कव्वमपल्ली सत्यनारायण और अन्य अधिकारी उनके साथ थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.